₹ 10

www.kewalsachtimes.com

अगस्त 2023

KEWAL SACH TIMES

A National Magazine

RNI NO.-BIHBIL/2011/49252, DAVP NO.-131729, POSTAL REG. NO.:-PT-78

इसरो ISRO

इसरो का कमाल

भारत अब चाँद पर

जन-जन की आवाज है केवल सच

निर्भीकता हमारी पहचान
केवल सच
हिन्दी मासिक पत्रिका

Kewalachlive.in
वेब पोर्टल न्यूज
24 घंटे आपके साथ

Kewalsach news
Kewalsach news
खबर वहीं, जो केवल सच हो

केवल सच TIMES

आत्म-निर्भर बनने वाले युवाओं को सपोर्ट करें

आपका छोटा सहयोग, हमें मजबूती प्रदान करेगा

BHIM UPI
G Pay Paytm

www.kewalsach.com www.kewalsachlive.in

-: सम्पर्क करें :-

पूर्वी अशोक नगर, रोड नं.-14, मकान संख्या-28/14,
कंकड़बाग, पटना (बिहार)-800020, मो०:-9431073769, 9308815605

जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ

काजोल
05 अगस्त 1974

वेंकटेस प्रसाद
05 अगस्त 1969

कपिल सिब्बल
08 अगस्त 1948

महेश बाबू
09 अगस्त 1975

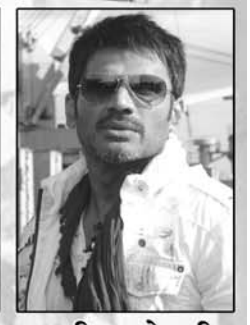

सुनील शेट्टी
11 अगस्त 1961

सीताराम येचुरी
12 अगस्त 1952

स्व०श्रीदेवी कपूर
13 अगस्त 1963

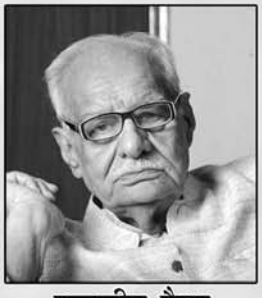

कुलदीप नैयर
14 अगस्त 1923

सुनीधी चौहान
14 अगस्त 1983

अदनान सामी
15 अगस्त 1973

अरविन्द केजरीवाल
16 अगस्त 1968

सैफ अली खान
16 अगस्त 1970

दलेर मेंहदी
18 अगस्त 1967

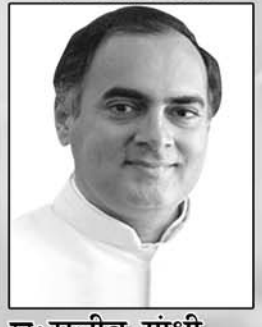

स्व०राजीव गांधी
20 अगस्त 1944

रणदीप हुड्डा
20 अगस्त 1976

चिरंजिवी
22 अगस्त 1955

मधुर भंडारकर
26 अगस्त 1966

मेनका गांधी
26 अगस्त 1956

दिलीप सिंह खली
27 अगस्त 1972

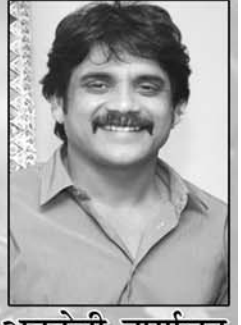

अक्केनी नार्गाजुन
29 अगस्त 1959

KEWAL SACH TIMES

A National Magazine

Regd. Office :-
East Ashok, Nagar, House No.-28/14, Road No.-14, kankarbagh, Patna- 8000 20 (Bihar) Mob.-09431073769,
E-mail :- kewalsach@gmail.com

Corporate Office:-
Riya Plaza, Flat No.-303, Kokar Chowk, Ranchi-834001 (Jharkhand)
Mob.- 09955077308,
E-mail:-
editor.kstimes@rediffmail.com

Delhi Office :-
Sanjay Kumar Sinha
A-68, 1st Floor, Nageshwar talla, Shastri Nagar, New Delhi-110052
Mob.- 09868700991, 09955077308
kewalsach_times@rediffmail.com

Kolkata Office :-
Ajeet Kumar Dube,
131 Chitranjan Avenue, Near- md. Ali Park, Kolkata- 700073 (West Bengal)
Mob.- 09433567880, 09339740757

ADVERTISEMENT RATES PER ISSUE

COLOUR

AREA	FULL PAGE	HALF PAGE
Cover Page	3,00,000/-	N/A
Back Page	1,00,000/-	65,000/-
Back Inside	90,000/-	50,000/-
Back Inner	80,000/-	50,000/-
Middle	1,40,000/-	N/A
Front Inside	90,000/-	50,000/-
Front Inner	80,000/-	50,000/-

B & W

AREA	FULL PAGE	HALF PAGE
Inner Page	60,000/-	40,000/-

1. एक साल के नियमित विज्ञापन पर पत्रिका के वेवसाइट **www.kewalsachtimes.com** के फ्रंट पर भी विज्ञापन निःशुल्क तथा आपका वेवसाइट से सीधा लिंक हो सकता है।
2. एक साल के नियमित विज्ञापन पर 10 प्रतिशत की रियायत।
3. आपके प्रोडक्ट या संगठन के प्रचार-प्रसार हेतु आलेख को उचित स्थान।
4. पत्रिका द्वारा सामाजिक कार्य में आपके संगठन/प्रोडक्ट का बैनर/फ्लैक्स को उचित स्थान देकर आपके संगठन का व्यापक प्रचार-प्रसार।
5. विज्ञापन का भुगतान चेक या आर.टी.जी.एस. से ही मान्य होगा।

महाप्रबंधक (विज्ञापन)

I.N.D.I.A

में भरोसा नहीं है!

अपनी प्रतिक्रिया हमारे ई-मेल पर दें:- editor.kstimes@rediffmail.com

कलियुग में सत्ता के लिए कोहराम मचा हुआ है और पूर्व PM अटल बिहारी बाजपेयी ने गठबंधन की राजनीति का मार्ग बनाकर आज सबको सत्ता बनाने के लिए जुगाड़ दे दिया है। 2024 के लोकसभा चुनाव में PM Modi को उखाड़ फेकने का प्रयास 26 दलों को मिलाकर बना I.N.D.I.A. करने का प्रयास कर रही है। किसी भी प्रकार PM Modi को हटाने के लिए राजनीतिक दुश्मनी के बाद भी गलबहियां करने का साहसिक प्रयास जारी है, वहीं दूसरी ओर NDA में 38 दल शामिल हैं और 9 ऐसे दल हैं जो न तो I.N.D.I.A. में हैं और ना ही NDA में लेकिन PM Modi के सभी बिल धारा 370, CAA/NRC तीन तलाक, UCC तथा अन्य कई मामले में 9 दल मोदी का समर्थन करने से पीछे नहीं हटती। पटना एवं बैंगलूरू में हुई बैठक के बाद भी I.N.D.I.A. के कई दल का मित्रवत् संबंध में खटास आज भी जारी है और दिल्ली के केजरीवाल और बंगाल की ममता को कांग्रेस के क्रिया-कलाप से नाराज हैं। I.N.D.I.A. के गुट में भले ही राजनीतिजक दलों Number 26 हैं लेकिन सभी दल के देता I.N.D.I.A. के लिए नहीं बल्कि अपना चेहरा को ही Focus करते दिख रहे हैं, वैसे में PM Modi का मुकाबला आसान होता दिख रहा है और कांग्रेस के राहुल गाँधी के लिए 2024 का चुनाव चुनौतीपूर्ण है। एक तरफ मोदी अपने उम्मीदवार की लिस्ट बना रहे हैं वहीं I.N.D.I.A. के दल के संयोजक कौन होगा और किसके चेहरा और रणनीति पर मुहर लगेगा की राजनीति में परेशान है और 26 दल में से कौन दल, कब I.N.D.I.A. से बाहर हो जाये कहना पंडित की भविष्याणी हो जायेगी।

BJP मिशन चंद्रयान-3 के सफलता पर विश्व में ISRO (इसरो) का डंका बजाने में लगी है लेकिन भारत का विपक्ष 2024 में BJP को नहीं PM modi को सत्ता से बेदखल करने के लिए I.N.D.I.A. के नाम से गठबंधन बनाकर देश की जनता का विश्वास जीतना चाहती है लेकिन CAA/NRC, धारा-370, तीन तलाक, UCC, SC#ST एक्ट, श्रीराम मंदिर, काशी कोरिडोर सहित भारत हिन्दू राष्ट्र बनेगा की राजनीति का कूटनीति करता भाजपा के साथ देशवासियों को ज्यादा भरोसा दिखता है। 2014 से 2024 के बीच की बढ़ती महंगाई, बेराजगारी, नोटबंदी जैसे मुद्दे को विपक्ष देशवासियों के बीच चुनावी मुद्दा बनाने में कामयाब होती नहीं दिखी बल्कि कोरोना के संक्रमण काल में Modi ने देश की आवाम का विश्वास जीत लिया है तो सर्जिकल स्ट्राइक का सबूत मांगने वालों को मुंहतोड़ जवाब देने को भी तैयार है। एक तरफ 38 पाटियों वाला NDA modi-modi का नारा लग रहा है तो दूसरी तरफ 26 पार्टियों वाला *I.N.D.I.A. को एक PM का विश्वासी चेहरा नहीं मिल पा रहा है।* NDA में शामिल ये 38 दल जिसमें 1. भारतीय जनता पार्टी, 2.शिवसेना (एकनाथ शिंदे गुट), 3. राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार गुट), 4. राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी (पशुपति कुमार पारस के नेतृत्व वाली), 5. अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम, 6. अपना दल (सोनेलाल), 7. नेशनल पीपुल्स पार्टी, 8. नेशनलिस्ट डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी, 9. ऑल झारखंड स्टूडेंट्स यूनियन,10. सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा, 11. मिजो नेशनल फ्रंट, 12. इंडिजिनस पीपुल्स फ्रंट ऑफ त्रिपुरा, 13. नागा पीपुल्स फ्रंट, नागालैंड, 14. रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (अठावले), 15. असम गण परिषद, 16. पट्टाली मक्कल काची, 17. तमिल मनीला कांग्रेस, 18. यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी लिबरल, 19. सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी, 20. शिरोमणि अकाली दल (संयुक्त), 21. महाराष्ट्रवादी गोमांतक पार्टी, 22. जननायक जनता पार्टी, 23. प्रहार जनशक्ति पार्टी, 24. राष्ट्रीय समाज पक्ष, 25. जन सुराज्य शक्ति पार्टी, 26. कुकी पीपुल्स एलायंस, 27. यूनाइटेड डेमोक्रेटिक पार्टी (मेघालय), 28. हिल स्टेट पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी, 29.निषाद पार्टी, 30. अखिल भारतीय एन.आर. कांग्रेस, 31. एचएएम, 32. जन सेना पार्टी,33. हरियाणा लोकहित पार्टी, 34. भारत धर्म जन सेना, 35. केरल कामराज कांग्रेस, 36. पुथिया तमिलगम, 37. लोक जन शक्ति पार्टी (रामविलास पासवन) और 38. गोरखा नेशनल लिबरेशन फ्रंट शामिल है। 2014 से 2024 के बीच मोदी ने देश में एक से बढ़कर एक बिल को पास करवाया तो अंग्रेजो के बनाये गये कानून भी बदलने की तैयारी शुरू कर दी है। देश के भीतर भारत माता की जय और जय श्रीराम के जयघोष से युवाओं का दिल जीत चुके हैं वहीं दूसरी ओर विपक्षी गठबंधन में 1. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, 2. अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी), 3. द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक), 4. आम आदमी पार्टी (AAP),5. जनता दल (यूनाइटेड), 6. राष्ट्रीय जनता दल (राजद), 7. झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो), 8. राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा), 9. शिवसेना (यूबीटी), 10. समाजवादी पार्टी (सपा), 11. राष्ट्रीय लोक दल (रालोद), 12. अपना दल (कमेरावादी), 13. जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां), 14. पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी), 15. भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी),16. भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा), 17. भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) लिबरेशन,18. रिवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी (आरएसपी), 19. ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक, 20. मरुमलार्ची द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (एमडीएमके), 21. विदुथलाई चिरुथैगल काची (वीसीके), 22. कोंगुनाडु मक्कल देसिया काची (केएमडीके), 23. मणिथनेय मक्कल काची (एमएमके), 24. इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल), 25. केरल कांग्रेस (एम) और 26. केरल कांग्रेस (जोसेफ) शामिल हैं मोदी को 2024 में तीसरी बात PM बनने से रोकना चाहती है लेकिन दोनों गठबंधनों के बीच किसी भी गठबंधन का हिस्सा नहीं हैं, उनमें YSRCP, बीजू जनता दल, भारत राष्ट्र समिति, बहुजन समाज पार्टी, ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (AIMIM), तेलुगु देशम पार्टी, शिरोमणि अकाली दल, ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट, जनता दल (सेक्युलर), राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी और SAD (मान) शामिल हैं। YSR कांग्रेस पार्टी, जिसने 2019 में आंध्र प्रदेश में चुनाव जीता था और बीजू जनता दल (BJD), जो 2000 से ओडिशा पर शासन कर रही है, दोनों ने संसद में बड़े पैमाने पर BJP के नेतृत्व वाली सरकार के पक्ष में समर्थन किया है। उपरोक्त राजनीतिक दलों के चरित्र से पूरा भारत परिचित है और इन तमाम दलों की लोकप्रियता PM मोदी के सामने कहीं टिकने वाली नहीं है। परिवारवाद-जातिवाद-अपराधवाद-क्षेत्रवाद और आतंकवाद के साथ धर्म पर हो राजनीतिक में भारत की जनता को modi के चेहरा पर भरोसा दिनों-दिन बढ़ता ही जा रहा है। देश की जनता बढ़ती बेरोजगारी एवं महंगाई पर चिंतित है लेकिन विपक्ष के पास कोई ऐसा चेहरा नहीं है जो इन समस्याओं से मुक्ति दिला सके इस वजह से जिन गंभीर समस्याओं पर मोदी ने नियंत्रण किया वह भी हासिये पर न चला जाये इसलिए 2024 में भी मोदी के नाम का डंका बजेगा की विषय पर विचार करते देखे व सुने जाते हैं। 2023 के अंतिम पखवारे में कई महत्वपूर्ण राज्यों के विधानसभा चुनाव होने वाला है और NDA और I.N.D.I.A. दोनों को चुनाव जीतना होगा जिससे 2024 के लोकसभा में लाभ होगा। आज भी भारत की जनता को I.N.D.I.A. पर वह भरोसा नहीं हो रहा है क्योंकि गठबंधन अपरिपक्व व नेतृत्व विहीन है।

KEWAL SACH TIMES

A National Magazine

वर्षः- 13, अंकः- 146 माहः- अगस्त 2023 रू. 10/-

Editor

Brajesh Mishra 9431073769
6206889040
8340360961

editor.kstimes@rediffmail.com
kewalsach@gmail.com
kewalsach_times@rediffmail.com

Principal Editor

Arun Kumar Banka 7782053204
Surjit Tiwary 9431222619
Nilendu Kumar Jha 9431810505

General Manager (H.R)

Triloki Nath Prasad 9308815605

General Manager (Advertisement)

Manish Kamaliya 6202340243
Poonam Jaiswal 9430000482

Joint Editor/Lay-out Editor

Amit Kumar 9905244479
amit.kewalsach@gmail.com

Legal Editor

Amitabh Ranjan Mishra 8873004350
S. N. Giri 9308454485

Asst. Editor

Mithilesh Kumar 9934021022
Sashi Ranjan Singh 9431253179
Rajeev Kumar Shukla 7488290565

Sub. Editor

Arbind Mishra 6204617413
Prasun Pusakar 9430826922
Brajesh Sahay 7488696914

Bureau Chief

Sanket kumar Jha 7762089203
Sagar Kumar 9155378519

Bureau

Sridhar Pandey 9852168763
Sonu Kumar 8002647553

Photographer

Mukesh Kumar 9304377779

प्रदेश प्रभारी

दिल्ली हेड

संजय कुमार सिन्हा 9868700991

झारखण्ड हेड

ब्रजेश मिश्र (2) 7979769647
7654122344

पश्चिम बंगाल हेड

अजीत दुबे 9433567880
9339740757

मध्यप्रदेश हेड

अभिषेक पाठक 8109932505
8269322711

छत्तीसगढ़ हेड

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश हेड

निर्भय कुमार मिश्रा 9452127278

उत्तराखण्ड हेड

आवश्यकता है

महाराष्ट्र हेड

आवश्यकता है

गुजरात हेड

आवश्यकता है

आंध्र प्रदेश हेड

आवश्यकता है

राजस्थान हेड

आवश्यकता है

पंजाब हेड

आवश्यकता है

हरियाणा हेड

आवश्यकता है

राजस्थान हेड

आवश्यकता है

उड़ीसा हेड

आवश्यकता है

आसाम हेड

आवश्यकता है

हिमाचल हेड

आवश्यकता है

दिल्ली कार्यालय

केवल सच टाइम्स,
द्विभाषीय मासिक पत्रिका,
द्वारा- संजय कुमार सिन्हा
A-68, 1st Floor,
नागेश्वर तल्ला, शास्त्रीनगर, न्यू
दिल्ली-110052
मो०- 9868700991, 9431073769

पश्चिम बंगाल कार्यालय

केवल सच टाइम्स,
द्विभाषीय मासिक पत्रिका,
द्वारा- अजीत कुमार दुबे
131 चितरंजन एवेन्यू,
कोलकात्ता, पश्चिम बंगाल- 700073
मो०- 9433567880, 9339740757

झारखण्ड कार्यालय

केवल सच टाइम्स,
द्विभाषीय मासिक पत्रिका,
वैष्णवी इंक्लेव, द्वितीय त्तल,
फ्लैट नं- 2बी
नियर- फायरिंग रेंज
बरियातु रोड, राँची- 834001
मो०- 9308815605

मध्यप्रदेश कार्यालय

केवल सच टाइम्स,
द्विभाषीय मासिक पत्रिका,
द्वारा- अभिषेक कुमार पाठक
हाउस नं.-28, हरसिद्धि कैम्पस
खुशीपुर, चांबड़
भोपाल, मध्य प्रदेश- 462010
मो०- 8109932505,

विशेष प्रतिनिधी

भारती मिश्र 8521308428
बेंकटेश कुमार 8210023343

प्रकाशित आलेख पर आप अपना सुझाव एवं प्रतिक्रिया अवश्य दें।

केवल सच टाइम्स

द्विभाषीय मासिक पत्रिका

हमारा पता है

पूर्वी अशोक नगर, रोड नं.-14,
मकान संख्या:- 14/28, कंकड़बाग, पटना-800020 (बिहार)
सम्पर्क करें:- 9431073769, 8340360961

हमारा ई-मेल

editor.kstimes@rediffmail.com
kewalsach_times@rediffmail.com

जुलाई 2023

लवर या जासूस

मिश्रा जी,

बेबाक खबरों के लिए केवल सच टाइम्स पत्रिका पाठकों के बीच खास स्थान रखती है। जुलाई 2023 अंक में प्रकाशित ''**सीमा हैदर- लवर या जासूस**'' खबर वास्तव में सोचने पर मजबूर करता है। आखिरकार सीमा अपने 4 बच्चों के साथ भारत की सुरक्षा व्यवस्था को ठेंगा दिखाते हुए भारत में प्रवेश कर गयी यह भी जांच के दायरे में आता है और इसपर राजनीति करने वाले पर भी कार्रवाई होना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट में भी उसके मामले पर विचार हो रहा है यह देख-सुनकर हतप्रद हैं। संक्षिप्त लेकिन पठनीय खबर है और इस खबर को तह तक जाना चाहिए ताकि देशवासी सब जान सकें।

● **तिरूपति लाल, श्याम बाजार, कोलकाता**

जरूरी फिर विरोध क्यों?

संपादक महोदय,

मैं केवल सच टाइम्स, द्विभाषीय पत्रिका का जुलाई 2023 अंक में ''**यूनिफॉर्म सिविल कोड भारत के लिए जरूरी, फिर विरोध क्यों**?'' की खबर मुझे बहुत बढ़िया लगा। पूरे विस्तार से इसकी जानकारी इस खबर में दी गयी है कि क्यो यूसीसी जरूरी है और राजनीतिक रोटी सेंकने वाले वोट के खातिर इसका विरोध कर रहे हैं। किसी भी देश में उसके नागरिक की पहचान के लिए कानून बनाता है तो उसका स्वागत ही होना चाहिए। इस खबर में यूसीसी आमजनता को समझाने में योग्य है। केवल सच टाइम्स में फिल्म और खेल की खबरों को भी उचित स्थान देना चाहिए।

● **कुमुद सहाय, 202 एचईसी कॉलोनी, राँची**

अन्दर के पन्नों में

26

India's first 3D-printed post office.....32

देश के सबसे बड़ा परीक्षा केंद्र.....34

40

मणिपुर हिंसा

संपादक महोदय,

''**हैवानियत की हदें पार, मानवता हुई तारतार**'' जुलाई 2023 अंक में अमित कुमार की इस खबर ने वास्तव में सोचने पर मजबूर कर दिया की मणिपुर की घटना नहीं हिंसा नहीं बल्कि एक सोची-समझी राजनीति है। मणिपुर में प्रकृति को नजदीक से महसूस किया जा सकता है लेकिन मणिपुर की मासूमियत को इस हिंसा ने तारतार कर दिया और महिलाओं की सुरक्षा को लेकर देश के भीतर भय का माहौल है। मणिपुर में महिलाओं के साथ सामूहिक बलात्कार एवं जघन्य अपराध की वारदात ने देश को शर्मसार किया है। केवल सच टाइम्स पत्रिका ने सटीक समीक्षा करते हुए हिंसा की खबर को लिखा है।

● **प्रमोद कुशवाहा, टावर चौक, गया**

अपराध का गढ़

संपादक महोदय,

जुलाई 2023 अंक में आपका संपादकीय पढ़कर बहुत सटीक जानकारी मिली तथा पढ़कर भयभीत भी हो गया कि किस प्रकार सुधारगृह में वातावरण दूषित है। ''**जेल भ्रष्टाचार एवं अपराध का गढ़**'' संपादकीय में आपने जेल एवं जेल प्रशासन का काला चिट्ठा खोलकर रख दिया है। आपकी बेबाक लेखनी की जितनी तारिफ की जाये कम है। जेलर और जेल अधीक्षक के कार्यप्रणाली की वजह से गलती से जेल जाने वाले आरोपी अपराधी बन जाता है। केवल सच टाइम्स पत्रिका का संपादकीय वास्तव में आमजनता को कुंभकर्णी नींद से जगाने का कार्य कर रहा है। इस प्रकार की खबरें समाजहित में है लेकिन आपकी सुरक्षा भी जरूरी है।

● **रोहित कुमार सिंह, सेक्टर 12, द्वारका, दिल्ली**

एक पर एक

मिश्रा जी,

चुनाव के समय कोई भी दल हो वह वादा करने से पीछे नहीं हटता भले ही सरकार बनने के बाद उसको पूरा करने में सफल न हो। जुलाई 2023 अंक में मध्यप्रदेश के विधानसभा चुनाव के मद्देनजर विकास सिंह ने अपनी खबर ''विधानसभा चुनाव से पहले किसानों के लिए कमलनाथ के पांच बड़े वादे'' में बेहतरीन खबर पाठको के बीच रखी है तथा दूसरी खबर ''मुफ्त क्रिप्टो करंसी के लिए आंखे स्कैन करवा रहे हैं लोग'' भी जानकारीप्रद है। इस अंक की सभी खबरें एक दूसरे से बेहतर है। मणिपुर हिंसा और संपादकीय के साथ यूसीसी भी पठनीय एवं संग्रहनीय है। केवल सच टाइम्स में स्थायी स्तंभ की कमी खलती है।

● **मनोज पासवान, रेलवे कॉलोनी, भोपाल, मप्र**

Tax

ब्रजेश जी,

एक भारत श्रेष्ठ भारत बनाने की बात जितना जरूरी है उतना जरूरी एक भारत एक टैक्स का होना जरूरी है। रोटी-कपड़ा, दवा सहित सभी प्रकार के सामान पर अलग टैक्स, रोड का अलग टैक्स, टोल का अलग टैक्स, निगम का अलग टैक्स इसके बाद अलग से इनकम टैक्स भी। जुलाई 2023 अंक में नविन रांगियाल की खबर ''**आम भारतीय की भी हालत खराब**'' टैक्स के दवाब से सुपर रिच छोड़ रहे हैं भारत वैसे में आम आदमी की हालत क्या होगी। इस अंक का मेरी नजरों में सबसे बेहतरीन एवं सटीक खबर है जिससे आमजनता सीधे तौर पर प्रभावित होती है। सही मुद्दा को नविन रांगियाल ने उठाया है जो काबिले तारिफ है।

● **महेन्द्र अग्रवाल, साकची बाजार, जमशेदपुर**

श्री चन्द्र प्रकाश सिंह

प्रधान संरक्षक सह प्रबंध संपादक
'केवल सच' पत्रिका **एवं 'केवल सच टाइम्स'**
राष्ट्रीय संगठन मंत्री, राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस (इंटक)
पूर्व निदेशक सदस्य, ओरियेंटल बैंक ऑफ कॉमर्स
09431016951, 09334110654

डॉ. सुनील कुमार

शिशु रोग विशेषज्ञ सह मुख्य संरक्षक
'केवल सच' पत्रिका
एवं 'केवल सच टाइम्स'
एन.सी.- 115, एसबीआई ऑफिसर्स कॉलोनी,
लोहिया नगर, कंकड़बाग, पटना- 800020
फोन- 0612/3504251

श्री सज्जन कुमार सुरेका

मुख्य संरक्षक
'केवल सच' पत्रिका **एवं 'केवल सच टाइम्स'**
डी- 402 राजेन्द्र विहार, फॉरेस्ट पार्क
भुवनेश्वर- 751009 मो-09437029875

सुधीर कुमार

मुख्य संरक्षक सह निदेशक ''**मगध इंटरनेशनल स्कूल**'' टेकारी
'' **केवल सच** '' पत्रिका **एवं** '' **केवल सच टाइम्स** ''
9060148110
sudhir4s14@gmail.com

श्री आर के झा

मुख्य संरक्षक
'केवल सच' पत्रिका **एवं 'केवल सच टाइम्स'**
EX. CGM, (Engg.) N.B.C.C
08877663300

एक नजर

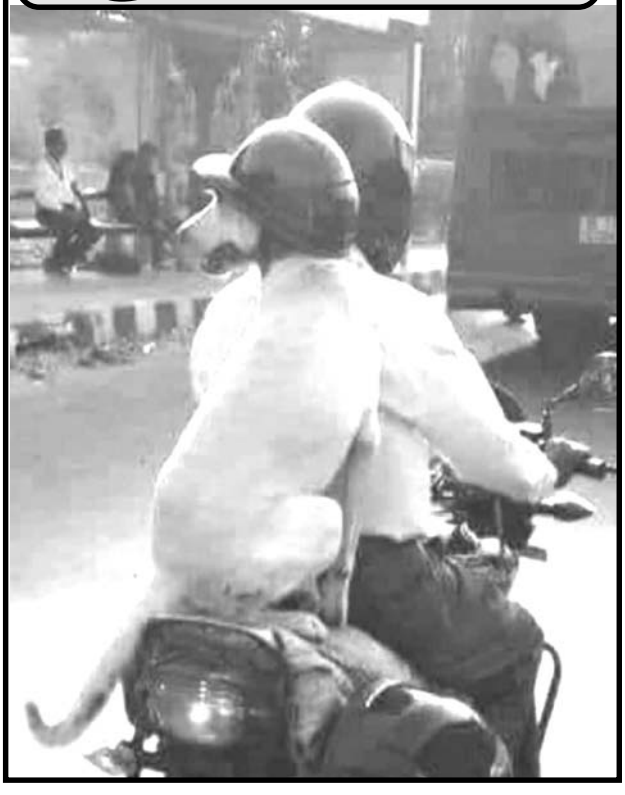

संपादकीय व प्रधान कार्यालय:-

- पूर्वी अशोक नगर, रोड नं:-14, मकान संख्या:- 28/14, कंकड़बाग, पटना-800020 (बिहार)
  e-mail:- kewalsach@gmail.com,
  editor.kstimes@rediffmail.com
  kewalsach_times@rediffmail.com
- स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक ब्रजेश मिश्र द्वारा जय हिन्द प्रेस कंकड़बाग पटना-800020 से मुद्रित एवं पूर्वी अशोक नगर, रोड नं. 14, कंकड़बाग पटना-800020 से प्रकाशित, संपादक- ब्रजेश मिश्र। **RNI NO.- BIHBIL/2011/49252**
- पत्रिका में प्रकाशित समाचारों से संपादक की सहमति आवश्यक नहीं है।
- सभी प्रकार के वाद - विवादों का निपटारा पटना न्यायालय के अधीन होगा।
- आलेख पर किसी को कोई आपत्ति हो तो एक महीने के भीतर खंडन करें।
- किसी भी लेख के लिए रचनाकार/लेखक स्वयं जिम्मेवार होंगे।
- सभी पद अवैतनिक हैं।
- विज्ञापन की सत्यता की जाँच आप अपने स्तर पर कर लें।
- फोटो-समाचार साभार भी (माध्यम- इंटरनेट एवं अन्य स्त्रोत)
- कोई भी शिकायत हमारे पते पर लिखकर भेजें।
- **विज्ञापन का भुगतान चेक या ड्राफ्ट एवं RTGS से ही मान्य होगा।**
- भुगतान BRAJESH MISHRA को ही करें। किसी प्रतिनिधि को नगद न दें।

A/C No.	:-	20001817444
BANK	:-	State Bank Of India
IFSC Code	:-	SBIN0003564
PAN No.	:-	AKKPM4905A

Contributions/Donations are Invited for the Welfare of Elders/Sr. Citizens for the establishment of "APNA GHAR" A home for Sr. Citizens of Bihar & Jharkhand Proposed to be Constructed Under the ageas of " KEWAL SACH SAMAJIK SANSTHAN".

KEWAL SACH SAMAJIK SANSTHAN

Registered Under the Indian Society Act 21, 1880

East Ashok Nagar, Road No.-14,
Kankarbagh, Patna - 800020

Contact No. :- 09431073769, 9955077308, 9308727077

E-mail :- kewalsachsamajiksansthan33@gmail.com

Reg. No. : 1141 (2009-10), Income Tax No. :12AA/2505-8 | 80 जी (5)/तक०/2013-14/1060-63

APNA GHAR

Now in the State of Bihar & Jharkhand

Help the helpless Elders/Sr. Citizen. For which your Contribution and Donation are essential.
Your Coopertation in this direction can make a diffrence in the lives of many Sr. Citizens.

KEWAL SACH SAMAJIK SANSTHAN

A/C No.	-	**0600010202404**
Bank Name	-	**United Bank of India**
IFSC Code	-	**UTBIOKKB463**
Pan No.	-	**AAAAK9339D**

● अमित कुमार

54 साल पहले पहली बार अमेरिका ने किसी इंसान को चांद पर भेजने में सफलता पायी थी। वह क्षण मिशन में लगे लोगों के लिए गौरान्वित करने वाला था। सालों बाद भी स्मृतियां ताजा है। इंसान ने पहली बार 20 जुलाई 1969 को चांद पर कदम रखा था और आज जब चंद्रयान-3 में विक्रम लैंडर की चांद पर सफल लैंडिंग हुई तो उस पल का अहसास ठीक वैसा ही था, जब चांद पर पहली बार इंसान ने कदम रखा था। यह अविस्मरणीय क्षण है। गौरव से भरा वर्तमान। हर भारतीय को गौरान्वित करने वाला पल। भावुक करने वाला क्षण। चीख-चीखकर जय हिंद का जयकारा लगाने वाला क्षण। हो भी क्यों नहीं। जो कोई नहीं कर पाया, वो भारत ने कर दिखाया। दुनिया के करीब 195 देशों में भारत उन चार देशों में

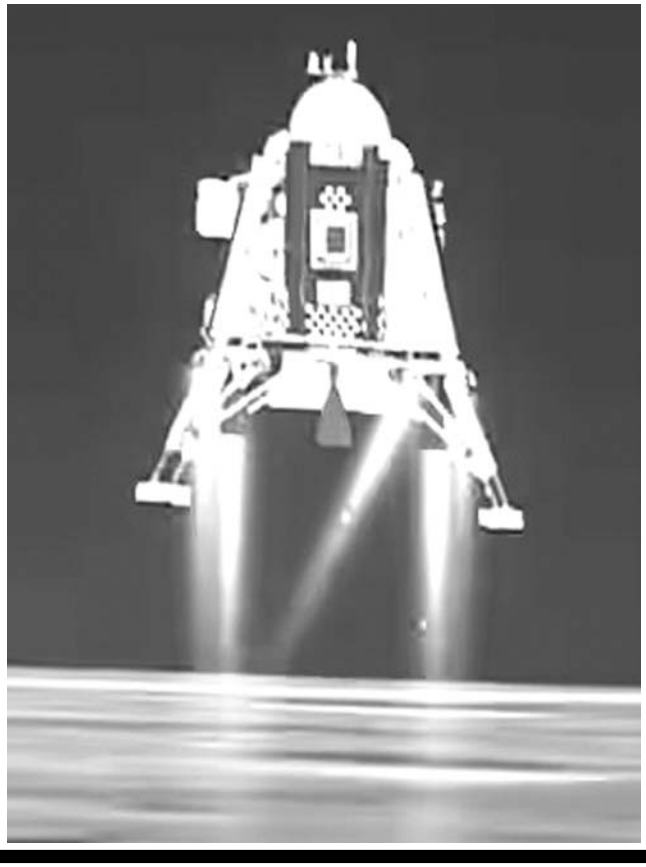

शामिल हो गया है, जिसने चांद पर कदम रखा। भारत की ये उपलब्धि इसलिए भी अलग है क्योंकि इसरो के लाल ने अपनी जिद और जज्बे से चांद के उस हिस्से में अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई है, जिसे साउथर्न पोल यानि दक्षिणी ध्रुव कहा जाता है, जहां दूसरा कोई देश नहीं पहुंच सका है। यहां तक कि द ग्रेट ब्रिटेन भी यह कारनामा नहीं कर सका। भारत वो देश है जिसने किसी दिन साइकिल पर रॉकेट रखकर इस सफर की शुरुआत की थी, आज यह सफर चांद पर पहुंचकर पूरा हुआ। भारत का एक साझा सपना साकार हुआ। भारत के एक अरब 40 करोड नागरिकों का सामुहिक सपना साकार हुआ। 23 अगस्त 2023 की ये तारीख उस भारत की गौरव गाथा बनकर उस वक्त दर्ज हो गई, जिस वक्त देश का चंद्रयान-3 का विक्रम लैंडर चांद की सतह पर लैंड हुआ और भारत की धरती तालियों और जय हिंद, जय भारत की ध्वनि

से गूंज उठा।

बताते चले कि 23 अगस्त की शाम 6 बजकर 4 मिनट पर चंद्रयान-3 ने चांद के दक्षिणी ध्रुव पर सफलतापूर्वक लैंडिंग कर ली। बता दें कि इसके अंदर से रोवर प्रज्ञान के निकलने का इंतजार बस इंतजार था। अनुमान था कि करीब 1 घंटा 50 मिनट इसमें लगेगा। डस्ट सेटल होने के बाद विक्रम चालू होगा और कम्युनिकेट करेगा। चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग के साथ ही भारत चांद के दक्षिणी ध्रुव पर यान उतारने वाला पहला देश बन गया है। जबकि चांद के किसी भी हिस्से में यान उतारने वाला भारत चौथा देश बन गया है। भारत से पहले अमेरिका, सोवियत संघ (अभी रूस) और चीन ही चांद पर सॉफ्ट लैंडिंग कर पाए हैं। किन्तु दुनिया का कोई भी मुल्क अब तक चांद के इस हिस्से पर सॉफ्ट लैंडिंग करने में सफल नहीं हो पाया है। इसकी वजह इस क्षेत्र की विशेष भौगोलिक पृष्ठभूमि है। ये जगह चांद के उस हिस्से की तुलना में काफी अलग और रहस्यमयी है जहां अब तक दुनिया भर के देशों की ओर से स्पेस मिशन भेजे गए हैं। चंद्रमा की ओर भेजे गए अधिकांश मिशन चांद के भूमध्यरेखीय क्षेत्र में पहुंचे हैं, जहां की जमीन दक्षिणी ध्रुव की तुलना में सपाट है। वहीं, चांद के दक्षिणी ध्रुव पर कई ज्वालामुखी हैं और यहां की जमीन बेहद ऊबड़-खाबड़ है।

चंद्रयान-3 ने चांद की सतह की जो ताजा तस्वीरें भेजी हैं, उनमें भी गहरे गड्ढे और उबड़-खाबड़ जमीन नजर आ रही है। चांद का दक्षिणी ध्रुव करीब ढ़ाई हजार किलोमीटर चौड़ा और ये आठ किलोमीटर गहरा गड्ढे के किनारे स्थित है, जिसे सौरमंडल का सबसे पुराना इंपैक्ट क्रेटर माना जाता है। इंपैक्ट क्रेटर से आशय किसी ग्रह या उपग्रह में हुए उन गड्ढों से है जो किसी बड़े उल्का पिंड या ग्रहों की टक्करों से बनता है। नासा के मुताबिक, चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सूर्य क्षितिज के नीचे या हल्का सा ऊपर रहता है। ऐसे में जितने दिन सूर्य की थोड़ी-बहुत रोशनी दक्षिणी ध्रुव के पास पहुंचती है, उन दिनों में तापमान 54 डिग्री सेल्सियस पहुंच जाता है। लेकिन इस क्षेत्र में कई आसमान छूने वाले पर्वत और गहरे गड्ढे मौजूद हैं जो रौशनी वाले दिनों में भी अंधेरे में डूबे रहते हैं। इनमें से एक पर्वत की ऊंचाई साढ़े सात हजार मीटर है। इन गड्ढों और पर्वतों की छांव में आने वाले हिस्सों में तापमान 203 डिग्री सेल्सियस से 243 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है। नासा ने बताया है कि इस समय अत्याधुनिक सेंसर मौजूद हैं, लेकिन इस ऊबड़-खाबड़ जमीन और रौशनी से जुड़ी परिस्थितियों की वजह से चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतरे यान के लिए जमीनी परिस्थितियों का आकलन करना मुश्किल होगा। इसके साथ ही कुछ सिस्टम्स बढ़ते और घटते तापमान की वजह से प्रभावित हो सकते हैं। चंद्रमा इन दिनों भारत ही नहीं रूस और चीन की अंतरिक्ष एजेंसियों के लिए भी रुचि का विषय बना हुआ है। रूस ने चंद्रयान-3 के बाद ही अपना अभियान लूना-25 को चांद की ओर भेजा था। लूना-25 को भी

चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर लैंड करना था, लेकिन लूना-25 नियंत्रण से बाहर होने के बाद चांद की सतह पर क्रैश हो गया। बीते 47 सालों में चांद की ओर ये रूस का पहला अंतरिक्ष अभियान था। बता दें कि चांद का दक्षिणी ध्रुव बिल्कुल पृथ्वी के दक्षिणी ध्रुव जैसा ही है। जिस तरह पृथ्वी का दक्षिणी ध्रुव अंटार्कटिका में है और सबसे ठंडा इलाका है। ठीक उसी तरह चांद का दक्षिणी ध्रुव भी सबसे ठंडा इलाका माना जाता है। कोई भी अंतरिक्ष यात्री अगर चांद की दक्षिणी ध्रुव पर खड़ा होगा, तो उसे सूरज क्षितिज की रेखा पर नजर आएगा। चांद के दक्षिणी ध्रुव का ज्यादातर हिस्सा अंधेरे में रहता है, क्योंकि इस क्षेत्र तक सूरज की किरणें तिरछी पड़ती हैं। एक कारण ये भी है कि ये इलाका चांद का सबसे ठंडा इलाका है। अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा की एक रिपोर्ट के मुताबिक ऑर्बिटरों से जो परीक्षण किए गए उसके आधार पर ये कहा जाता है कि चांद का दक्षिणी ध्रुव (साउथ पोल) बर्फ से ढका हुआ है और बर्फ होने का मतलब है कि दूसरे प्राकृतिक संसाधन भी हो सकते हैं। दरअसल अमेरिका की स्पेस एजेंसी नासा के एक मून मिशन ने साल 1998 में दक्षिणी ध्रुव पर हाइड्रोजन के होने का पता लगाया था। नासा के अनुसार हाइड्रोजन की मौजूदगी उस क्षेत्र में बर्फ होने का सबूत देती है।

गौरतलब हो कि जिस वक्त भारत, राजधानी दिल्ली के लाल किले पर अपनी आजादी के 22 वर्ष का जश्न मना रहा था और आजाद भारत की हवाओं में तिरंगा लहरा रहा था, ठीक उसी वक्त 1969 में भारत की स्पेस एजेंसी 'इसरो' की नींव रखी जा रही थी। आज करीब 54 साल बाद हम चांद पर पहुंच गए हैं। भारत की देशी अंतरिक्ष एजेंसी इसरो ने 23 अगस्त 2023 की इस तारीख को सुनहरे अक्षरों में इतिहास में दर्ज कर दिया। भारत दुनिया का चौथा देश बन गया है, जिसने चांद पर यान पहुंचाया। भारत के मून मिशन के तहत चंद्रायान-3 चांद पर लैंड किया।

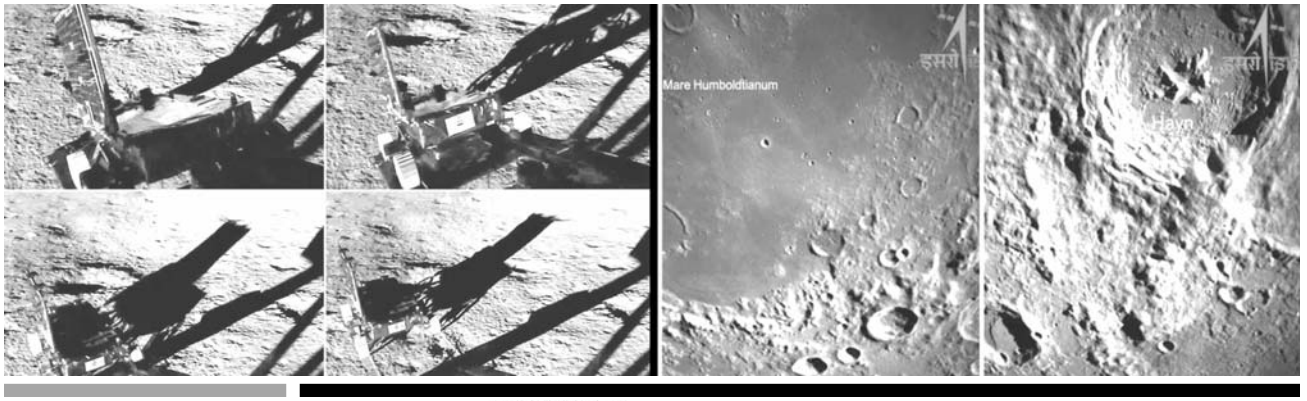

ज्ञात हो कि आज से 54 साल पहले भारत की आजादी के दिन 15 अगस्त 1969 को इसरो की स्थापना की गई थी। इसकी नींव रखने में जो सबसे बड़ा नाम था, वो था विक्रम अंबालाल साराभाई। इसरो का मुख्यालय भारत के बैंगलुरु में है। हालांकि इसके पहले इसरो भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष अनुसंधान समिति थी, जिसे 1962 में भारत सरकार ने स्थापित किया था। बाद में 1969 में इसरो के पहले अध्यक्ष विक्रम साराभाई ने इसका गठन किया। इसरो के गठन को इसी महीने 15 अगस्त को 54 साल पूरे हो गए हैं। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन एक ऐसा संगठन है जो सीधे देश के प्रधानमंत्री को रिपोर्ट करता है। वह अंतरिक्ष आधारित एप्लीकेशन, अंतरिक्ष यानी स्पेस में खोज, अंतरराष्ट्रीय स्पेस कॉपरेशन और इससे संबंधित मिशन के लिए तकनीकों को विकसित करता है। बता दें कि इसरो दुनिया की 6 बड़ी स्पेस एजेंसियों में शामिल है। इसरो के पास खुद के रॉकेट्स हैं। क्रायोजेनिक इंजन है। जो दूसरे ग्रहों पर मिशन लॉन्च कर सकता है। जिसके पास भारी मात्रा में आर्टिफिशियल सैटेलाइट्स हैं। बता दें कि इसरो का पहला सैटेलाइट आर्यभट्ट था। जिसे सोवियत स्पेस एजेंसी इंटरकॉसमॉस ने 1975 में लॉन्च किया था, लेकिन 5 साल बाद ही इसरो ने अपना पहला सैटेलाइट RS-1 अपने घर से लॉन्च किया। इसके बाद इसरो ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। इसरो के पास आधा दर्जन से ज्यादा तरह के रॉकेट हैं। सैटेलाइट के वजन के हिसाब से अलग-अलग रॉकेट। वही भारत के पास दुनिया का सबसे बड़ा रिमोट सेंसिंग सैटेलाइट नेटवर्क है। हम चांद पर तीन और मंगल पर एक बार मिशन भेज चुके हैं। फ्यूचर में भारत इंसानों को अंतरिक्ष में भेजने की तैयारी कर रहा है। इसके साथ ही सेमी-क्रायोजेनिक इंजन का विकास किया जा रहा है। चांद और मंगल के बाद सूर्य और शुक्र पर भी स्पेसक्राफ्ट भेजने की तैयारी है।

चांद पर चंद्रयान 3 की सॉफ्ट लैंडिंग के साथ ही लैंडर और रोवर ने अपना काम शुरू कर दिया है। चंद्रयान-3 मिशन के लैंडर 'विक्रम' ने चंद्रमा की सतह पर उतरने के लिए अपेक्षाकृत एक समतल क्षेत्र को चुना। उसके कैमरे से ली गए तस्वीरों से यह पता चला है। इसरो के अधिकारियों के मुताबिक, लैंडिंग के लिए लगभग 30 किलोमीटर की ऊंचाई पर लैंडर 'पॉवर ब्रेकिंग फेज' में कदम रखता है और गति को धीरे-धीरे कम करके, चंद्रमा की सतह तक पहुंचने के लिए अपने चार थ्रस्टर इंजन की 'रेट्रो फायरिंग' करके उनका इस्तेमाल करना शुरू कर देता है। उन्होंने बताया कि ऐसा यह सुनिश्चित करने के लिए किया जाता है कि चंद्रमा के गुरुत्वाकर्षण के प्रभाव के कारण लैंडर 'क्रैश' न हो जाए। अधिकारियों के अनुसार, 6.8 किलोमीटर की ऊंचाई पर पहुंचने पर केवल दो इंजन का इस्तेमाल हुआ और बाकी दो इंजन बंद कर दिए गए, जिसका उद्देश्य सतह के और करीब आने के दौरान लैंडर को 'रिवर्स थ्रस्ट'

(सामान्य दिशा की विपरीत दिशा में धक्का देना, ताकि लैंडिंग के बाद लैंडर की गति को धीमा किया जा सके) देना था। अधिकारियों ने बताया कि लगभग 150 से 100 मीटर की ऊंचाई पर पहुंचने पर लैंडर ने अपने सेंसर और कैमरों का इस्तेमाल कर सतह की जांच की कि कोई बाधा तो नहीं है और फिर सॉफ्ट-लैंडिंग करने के लिए नीचे उतरना शुरू कर दिया। इसरो के अध्यक्ष एस सोमनाथ ने हाल में कहा था कि लैंडर की गति को 30 किलोमीटर की ऊंचाई से अंतिम लैंडिंग तक कम करने की प्रक्रिया और अंतरिक्ष यान को क्षैतिज से ऊर्ध्वाधर दिशा में पुनः निर्देशित करने की क्षमता लैंडिंग का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा होगी। अधिकारियों के मुताबिक, सॉफ्ट-लैंडिंग के बाद रोवर अपने एक साइड पैनल का उपयोग करके लैंडर के अंदर से चंद्रमा की सतह पर उतरा, जो रैंप के रूप में इस्तेमाल हुआ। इसरो के अनुसार, चंद्रमा की सतह और आसपास के वातावरण का अध्ययन करने के लिए लैंडर और रोवर के पास एक चंद्र दिवस (पृथ्वी के लगभग 14 दिन के बराबर) का समय होगा। हालांकि, वैज्ञानिकों ने दोनों के एक और चंद्र दिवस तक सक्रिय रहने की संभावनाओं से इनकार नहीं किया है।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अनुसार, विक्रम के सफलतापूर्वक चंद्रमा पर पहुंचने के तुरंत बाद 'लैंडिंग इमेजर कैमरा' ने ये तस्वीरें कैद कीं। तस्वीरें चंद्रयान-3 के लैंडिंग स्थल का एक हिस्सा दिखाती हैं। लैंडर का एक पैर और उसके साथ की परछाई भी दिखाई दी। इसरो ने बताया कि लैंडर और इसरो के यहां

इसरो की सफलता की कहानी :-

☞ **1963 :-** थुंबा से (21 नवंबर 1963) को पहले राकेट का प्रक्षेपण।

☞ **1965 :-** थुंबा में अंतरिक्ष विज्ञान एवं तकनीकी केन्द्र की स्थापना।

☞ **1967 :-** अहमदाबाद में उपग्रह संचार प्रणाली केन्द्र की स्थापना।

☞ **1972 :-** अंतरिक्ष आयोग एवं अंतरिक्ष विभाग की स्थापना।

☞ **आर्यभट्ट (1975) :-** आर्यभट्ट स्पेसक्रॉफ्ट भारत का पहला सैटेलाइट था जिसे 1975 में लाँच किया गया।

☞ **इंडियन नेशनल सैटेलाइट (1983) :-** INSAT को 1983 में लाँच किया गया था। यह एशिया प्रशांत में सबसे बड़ी घरेलू संचार प्रणाली है।

☞ **चंद्रयान (2008) :-** चंद्रयान- 1 चंद्रमा पर भारत का पहला मिशन था।

☞ **मंगलयान (2014) :-** मंगलयान या मार्स ऑर्बिटर मिशन (MOM) मंगल ग्रह पर भारत का पहला मिशन था।

☞ **एक ही मिशन में 104 लाँच (2017) :-** इसरो ने फरवरी 2017 में एक ही मिशन पर 104 उपग्रहों को सफलतापूर्वक लॉन्च करके इतिहास रचा था।

☞ **चंद्रयान-2 (2019) :-** इसरो ने 22 जुलाई 2019 को दूसरा मून मिशन चंद्रयान भेजा था।

☞ **चंद्रयान-3 (2023) :-** इसरो के चंद्रयान -3 ने चांद पर ऐतिहासिक कदम रखा।

☞ **104 स्वदेशी उपग्रह लाँच :-** इसरो 1975 से 2017 तक 101 स्वदेशी उपग्रह लांच कर चुका था। लेकिन इसमें सिर्फ 99 उपग्रह ही उसने पूरी तरह से खुद बनाए हैं। अन्य दो में से एक एनआइयूसेट को तमिलनाडु की नूरुल इस्लाम यूनिवर्सिटी ने बनाया था, जिसे 23 जून, 2017 को लांच किया गया। वहीं आइआरएनएसएस-1एच को निजी कंपनी के साथ मिलकर बनाया गया था। यह संख्या 104 हो गई।

☞ **417 विदेशी उपग्रहों की लाँचिंग :** इसरो ने अपने सफलता के झंडे न सिर्फ देश के लिए गाडे हैं बल्कि विदेशी मिशन में भी इसरो का योगदान है। भारत का यह अंतरिक्ष अनुसंधान केंद्र इसरो 34 देशों के 417 उपग्रह और अन्य मिशन लाँच कर चुका है। इन देशों में ब्रिटेन, चेक गणराज्य, फ्रांस, लिथुआनिया, स्लोवाकिया, ऑस्ट्रिया, फिनलैंड, जर्मनी, बेल्जियम, चिली, लातविया, इटली, अमेरिका, जापान, संयुक्त अरब अमीरात, कजाखिस्तान, इजरायल, स्विट्जरलैंड, नीदरलैंड, कनाडा, सिंगापुर, इंडोनेशिया, डेनमार्क, लक्जमबर्ग, अल्जीरिया, तुर्की, दक्षिण कोरिया और अर्जेंटीना हैं।

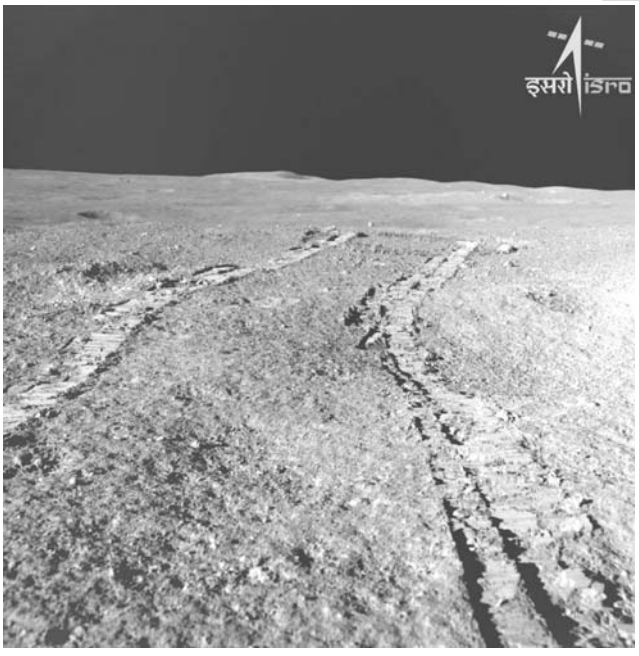

मिशन ऑपरेशंस कॉम्प्लेक्स के बीच संचार भी स्थापित हुआ है। इसरो ने चंद्रयान-3 के चंद्रमा की सतह पर उतरते वक्त ली गई तस्वीरें भी जारी की हैं। चंद्रयान-3 की चंद्रमा की सतह पर सफलतापूर्वक सॉफ्ट लैंडिंग के 2 घंटे 26 मिनट बाद रोवर लैंडर से बाहर आ गया। इसरो के अनुसार रोवर 14 दिनों तक चांद के साउथ पोल पर रिसर्च करेगा। चांद पर धरती के 14 दिन के बराबर एक ही दिन होता है। ऐसे में साउथ पोल पर लैंड करने के बाद रोवर के पास काम खत्म करने के लिए केवल 14 दिनों का समय होगा। इस दौरान चांद पर धूप रहेगी और दोनों को सोलर एनर्जी मिलती रहेगी। 14 दिन बाद साउथ पोल पर अंधेरा हो जाएगा। फिर लैंडर-रोवर दोनों ही काम करने बंद कर देंगे। वही चंद्रयान-3 के रोवर पर लगे दो कैमरे नोएडा के एक प्रौद्योगिकी स्टार्ट-अप के सॉफ्टवेयर का उपयोग कर उसकी सतह का अन्वेषण करेंगे। चंद्रयान के लिए भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के साथ निकटता से काम कर रही 'ओम्नीप्रेजेंट रोबोट टेक्नोलॉजीस' ने प्रज्ञान रोवर के लिए 'पर्सेप्शन नेविगेशन सॉफ्टवेयर' विकसित किया है जो विक्रम लैंडर मॉडयूल में लगा है, जिसने चंद्रमा की सतह को छूआ। स्टार्टअप द्वारा विकसित सॉफ्टवेयर रोवर पर लगे दो कैमरों का इस्तेमाल कर चंद्रमा की तस्वीरें लेगा और चंद्रमा के परिदृष्य का 3-डी मानचित्र बनाने के लिए उन्हें एक साथ जोड़ेगा। यह सॉफ्टवेयर रोवर में समाहित है और इमेज प्रोसेसिंग अंतरिक्षयान में की जाएगी। अंतिम 3डी मॉडल मिशन नियंत्रण कक्ष में भेजा जाएगा। मिशन नियंत्रण कक्ष में वैज्ञानिक इस रोवर को सॉफ्टवेयर की मदद से तैयार किए गए चंद्रमा की सतह के 3डी मॉडल के आधार पर उस क्षेत्र के दौरे पर ले जा सकते हैं जिसकी तस्वीरें कैद की जा चुकी होंगी। यह सॉफ्टवेयर मूल रूप से चंद्रयान-2 के लिए विकसित किया गया था,

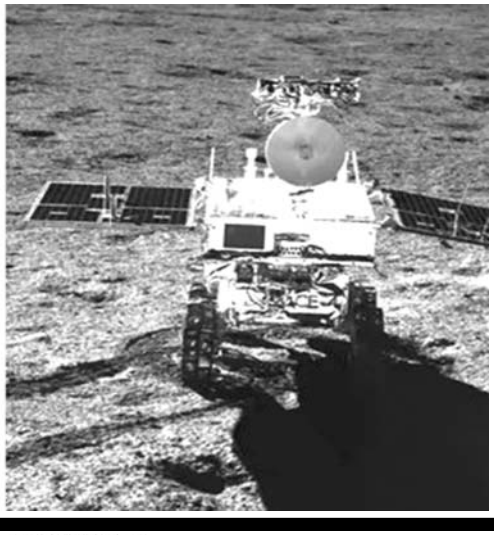

लेकिन तब रोवर को सतह पर नहीं उतारा जा सका था। अब इसका चंद्रयान-3 के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। प्रज्ञान रोवर इन दो आंखों से चंद्रमा के आसपास अपना रास्ता तलाश कर लेगा। विदेशी अंतरिक्ष एजेंसियों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले अत्यधिक महंगे कैमरों के मुकाबले प्रज्ञान रोवर में केवल दो कैमरों का इस्तेमाल किया गया है जो सॉफ्टवेयर द्वारा चंद्रमा की सतह का 3डी मानचित्र बनाते वक्त उसकी आंखों के रूप में काम करते हैं। वही इसरो ने चंद्रमा की सतह पर तापमान भिन्नता का एक ग्राफ जारी किया और अंतरिक्ष एजेंसी के एक वरिष्ठ वैज्ञानिक ने चंद्रमा पर दर्ज किए गए उच्च तापमान को लेकर आश्चर्य व्यक्त किया। पेलोड में तापमान को मापने का एक यंत्र लगा है जो सतह के नीचे 10 सेंटीमीटर की गहराई तक पहुंचने में सक्षम है। राष्ट्रीय अंतरिक्ष एजेंसी के अनुसार, 'चंद्र सर्फेस थर्मो फिजिकल एक्सपेरिमेंट' (चेस्ट) ने चंद्रमा की सतह के तापीय व्यवहार को समझने के लिए, दक्षिणी ध्रुव के आसपास चंद्रमा की ऊपरी मिट्टी का 'तापमान प्रालेख' मापा। इसरो ने 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट में कहा, यहां विक्रम लैंडर पर चेस्ट पेलोड के पहले अवलोकन हैं। चंद्रमा की सतह के तापीय व्यवहार को समझने के लिए, चेस्ट ने ध्रुव के चारों ओर चंद्रमा की ऊपरी मिट्टी के तापमान

प्रालेख को मापा। ग्राफिक चित्रण के बारे में इसरो वैज्ञानिक बीएच एम. दारुकेशा ने कहा, हम सभी मानते थे कि सतह पर तापमान 20 डिग्री सेंटीग्रेड से 30 डिग्री सेंटीग्रेड के आसपास हो सकता है, लेकिन यह 70 डिग्री सेंटीग्रेड है। यह आश्चर्यजनक रूप से हमारी अपेक्षा से अधिक है। अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा कि पेलोड में तापमान को मापने का एक यंत्र लगा है जो सतह के नीचे 10 सेंटीमीटर की गहराई तक पहुंचने में सक्षम है। इसरो ने एक बयान में कहा, इसमें 10 तापमान सेंसर लगे हैं। प्रस्तुत ग्राफ विभिन्न गहराइयों पर चंद्र सतह/करीबी-सतह की तापमान भिन्नता को दर्शाता है। चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के लिए ये पहले ऐसे प्रालेख हैं। विस्तृत अवलोकन जारी है। वैज्ञानिक दारुकेशा ने कहा, जब हम पृथ्वी के अंदर दो से तीन सेंटीमीटर जाते हैं, तो हमें मुश्किल से दो से तीन डिग्री सेंटीग्रेड भिन्नता दिखाई देती है, जबकि वहां (चंद्रमा) यह लगभग 50 डिग्री सेंटीग्रेड भिन्नता है। यह दिलचस्प बात है। वरिष्ठ वैज्ञानिक ने कहा कि चंद्रमा की सतह से नीचे तापमान शून्य से 10 डिग्री सेल्सियस नीचे तक गिर जाता है। उन्होंने कहा कि भिन्नता 70 डिग्री सेल्सियस से शून्य से 10 डिग्री सेल्सियस नीचे तक है। इसरो ने कहा कि 'चेस्ट' पेलोड को भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला (पीआरएल), अहमदाबाद के सहयोग से इसरो के विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र (वीएसएससी) की अंतरिक्ष भौतिकी प्रयोगशाला (एसपीएल) के नेतृत्व वाली एक टीम द्वारा विकसित किया गया था।

सनद् रहे कि 20 जुलाई 1969 को चांद पर कदम रखने वाले पहले अंतरिक्ष यात्री नील आर्मस्ट्रांग ने वहां उतरते ही कहा था, 'यह इंसान के लिए छोटा कदम हो सकता है, लेकिन मानव जाति के लिए एक लंबी छलांग है।' विश्व के अंतरिक्ष इतिहास में यह वाक्य लगभग कहावत में बदल गया है। उस घटना की आधी सदी से भी ज्यादा समय के बाद भारत का चंद्रयान-3 बुध

चंद्रयान-3 की चंद्रमा पर पहुंचने की सफलता की कहानी

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के महत्वाकांक्षी चंद्रयान-3 के 14 जुलाई को प्रक्षेपण के 40 दिनों बाद चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर पहुंच गया। इसरो के साढ़े 16 हजार वैज्ञानिकों की तपस्या सफल हुई। 40 दिन, 17 अहम पड़ाव पार करने के बाद चंद्रयान-3 अपने मिशन में कामयाब हुआ। आइए जानते हैं :-

☞ **14 जुलाई :** एलवीएम-3 एम-4 व्हीकल के माध्यम से चंद्रयान-3 को आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा से सफलतापूर्वक कक्षा में पहुंचाया गया। चंद्रयान-3 ने नियत कक्षा में अपनी यात्रा शुरू की।

☞ **15 जुलाई :** आईएसटीआरएसी/इसरो, बेंगलुरु से कक्षा बढ़ाने की पहली प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी की गई। यान 41762 किलोमीटर ◦ 173 किलोमीटर कक्षा में है।

☞ **17 जुलाई :** दूसरी कक्षा में प्रवेश की प्रक्रिया को अंजाम दिया गया। चंद्रयान-3 ने 41603 किलोमीटर ◦ 226 किलोमीटर कक्षा में प्रवेश किया।

☞ **22 जुलाई :** अन्य कक्षा में प्रवेश की प्रक्रिया पूरी हुई।

☞ **25 जुलाई :** इसरो ने एक बार फिर एक कक्षा से अन्य कक्षा में जाने की प्रक्रिया पूरी की। चंद्रयान-3 71351 किलोमीटर ◦ 233 किलोमीटर की कक्षा में।

☞ **1 अगस्त :** इसरो ने 'ट्रांसलूनर इंजेक्शन' (एक तरह का तेज ध क्का) को सफलतापूर्वक पूरा किया और अंतरिक्ष यान को ट्रांसलूनर कक्षा में स्थापित किया। इसके साथ यान 288 किलोमीटर ◦ 369328 किलोमीटर की कक्षा में पहुंच गया।

☞ **5 अगस्त :** चंद्रयान-3 की लूनर ऑर्बिट इनसर्शन (चंद्रमा की कक्षा में पहुंचने की प्रक्रिया) सफलतापूर्वक पूरी हुई। 164 किलोमीटर ◦ 18074 किलोमीटर की कक्षा में पहुंचा।

☞ **6 अगस्त :** इसरो ने दूसरे लूनर बाउंड फेज (एलबीएन) की प्रक्रिया पूरी की। इसके साथ ही यान चंद्रमा के निकट 170 किलोमीटर ◦ 4313 किलोमीटर की कक्षा में पहुंचा। अंतरिक्ष एजेंसी ने चंद्रमा की कक्षा में प्रवेश के दौरान चंद्रयान-3 द्वारा लिया गया चंद्रमा का वीडियो जारी किया।

☞ **9 अगस्त :** चंद्रमा के निकट पहुंचने की एक और प्रक्रिया के पूरा होने के बाद चंद्रयान-3 की कक्षा घटकर 174 किलोमीटर ◦ 1437 किलोमीटर रह गई।

☞ **14 अगस्त :** चंद्रमा के निकट पहुंचने की एक और प्रक्रिया के पूरा होने के बाद चंद्रयान-3 कक्षा का चक्कर लगाने के चरण में पहुंचा। यान 151 किलोमीटर ◦ 179 किलोमीटर की कक्षा में पहुंचा।

☞ **16 अगस्त :** 'फायरिंग' की एक और प्रक्रिया पूरी होने के बाद यान को 153 किलोमीटर ◦ 163 किलोमीटर की कक्षा में पहुंचाया गया। यान में एक रॉकेट होता है जिससे उपयुक्त समय आने पर यान को चंद्रमा के और करीब पहुंचाने के लिए विशेष 'फायरिंग' की जाती है।

☞ **17 अगस्त :** लैंडर मॉडयूल को प्रणोदन मॉड्यूल से सफलतापूर्वक अलग किया गया।

☞ **19 अगस्त :** इसरो ने अपनी कक्षा को घटाने के लिए लैंडर मॉड्यूल की डी-बूस्टिंग की प्रक्रिया की। लैंडर मॉड्यूल अब चंद्रमा के निकट 113 किलोमीटर ◦ 157 किलोमीटर की कक्षा में पहुंचा।

☞ **20 अगस्त :** लैंडर मॉड्यूल पर एक और डी-बूस्टिंग यानी कक्षा घटाने की प्रक्रिया पूरी की गई। लैंडर मॉड्यूल 25 किलोमीटर ◦ 134 किलोमीटर की कक्षा में पहुंचा।

☞ **21 अगस्त :** चंद्रयान-2 ऑर्बिटर ने औपचारिक रूप से चंद्रयान-3 लैंडर मॉड्यूल का 'वेलकम बडी' कहकर स्वागत किया। दोनों के बीच दो तरफा संचार कायम हुआ। 'इसरो टेलीमेट्री, ट्रैकिंग और कमांड नेटवर्क' में स्थित मिशन ऑपरेशंस कॉम्प्लेक्स (डब) को अब लैंडर मॉड्यूल से संपर्क के और तरीके मिले।

☞ **22 अगस्त :** इसरो ने चंद्रयान-3 के लैंडर पोजिशन डिटेक्शन कैमरा (स्व्क्ब) से करीब 70 किलोमीटर की ऊंचाई से ली गई चंद्रमा की तस्वीरें जारी कीं। सिस्टम की नियमित जांच की जा रही है। चंद्रमा के निकट पहुंचने की प्रक्रिया सहजता से जारी है।

☞ **23 अगस्त :** शाम 6 बजकर 4 मिनट पर चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर चंद्रयान-3 के लैंडर मॉड्यूल के सुरक्षित एवं सॉफ्ट लैंडिग की।

वार शाम को चांद के दक्षिणी ध्रुव पर उतरा है। उसके बाद विक्रम लैंडर की ढलाननुमा सीढ़ी से उतर कर मून रोवर 'प्रज्ञान' ने भी धीरे-धीरे चांद की सतह पर अपनी यात्रा शुरू कर दी है। प्रति सेकेंड हद से हद एक सेंटीमीटर ही आगे बढ़ पा रहा है, लेकिन पर्यवेक्षकों को इस बात पर रत्ती भर भी संदेह नहीं है कि चांद के सीने पर यह छोटा कदम भू-राजनीति और चांद आधारित अर्थव्यवस्था (लूनर इकोनॉमी) में एक लंबी छलांग है। अंतरराष्ट्रीय सामयिकी फॉरेन पालिसी ने लिखा, 'भारत का मून लैंडिंग दरअसल एक विशाल जियो-पॉलिटिकल स्टेप है।' दुनिया के तमाम देश इस समय अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में नई-नई इबारत लिखने की कोशिश कर रहे हैं और इसके लिए भारी-भरकम रकम खर्च कर रहे हैं। भारत के अलावा रूस, चीन या अमेरिका, ये तमाम देश खासकर चांद के दक्षिणी ध्रुव पर अभियान चलाने की दिशा में प्रयास कर रहे हैं। माना जा रहा है कि मौजूदा पृष्ठभूमि में भारत की यह बेमिसाल कामयाबी उसके लिए नई-नई संभावनाओं के दरवाजे खोल देगी। दूसरी तरफ भारत के विज्ञान और प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने तो अभी से पूर्वानुमान लगा रखा है कि आगामी कुछ वर्षों के दौरान ही भारत स्पेस सेक्टर या अंतरिक्ष क्षेत्र में एक ट्रिलियन (एक लाख करोड़) डॉलर की अर्थव्यवस्था बन जाएगा। इस क्षेत्र के ज्यादातर विशेषज्ञों का मानना है कि चंद्रयान-3 की अभूतपूर्व कामयाबी के बाद भारत के लिए ऐसा करना कोई असंभव नहीं है। तक्षशिला इंस्टीट्यूट में अंतरिक्ष और भूराजनीति के शोधकर्ता आदित्य रामनाथन मानते हैं कि यह कामयाबी भारत की युवा पीढ़ी के एक बड़े हिस्से को अंतरिक्ष अनुसंधान के प्रति प्रोत्साहित करेगी और वह लोग इसे पेशे को तौर पर भी अपनाना चाहेंगे। रामनाथन ने टाइम्स ऑफ इंडिया में छपे अपने एक लेख में कहा है, 'चंद्रयान की इस कामयाबी के आधार पर भारत को अब खुद को लूनर जियोपॉलिटिक्स के लिए भी तैयार करना होगा।' चांद पर विपुल मात्रा में मूल्यवान खनिज या भारी तादाद में ईंधन का स्रोत भी मिल सकता है, इस संभावना ने भी हाल में बहुत से देशों को चांद पर अभियान के लिए प्रेरित किया है। मौजूदा पृष्ठभूमि में माना जा रहा है कि अंतरिक्ष यान चंद्रयान-3 की कामयाबी भारत को पैनल पोजिशन में ले आएगी यानी अंतरराष्ट्रीय दौड़ में आगे बनाए रखेगी। साथ ही पूर्व सोवियत संघ और अमेरिका में चांद पर सबसे पहले पहुंचने की मशहूर होड़ के करीब छह दशकों बाद अब चांद के मुद्दे पर नए सिरे से प्रतियोगिता शुरू हुई है। इस बार आकर्षण का केंद्र है चांद का दक्षिणी ध्रुव। जहां वैज्ञानिकों को पानी या बर्फ मौजूद होने के सबूत मिले हैं। रूस ने करीब 47 वर्षों बाद इसी महीने अपना

पहला लूनर मिशन लांच किया था। हालांकि बीते रविवार (20 अगस्त) को वह लूना-25 चांद के दक्षिणी ध्रुव पर उतरने में नाकाम रहा। उसके तीन दिन बाद ही वहां भारत का चंद्रयान-3 सफलतापूर्वक उतर गया। अमेरिका ने वर्ष 2025 के भीतर ही उस इलाके में पहली बार अंतरिक्ष यात्रियों को उतारने की योजना बनाई है। उसने इसकी तैयारियां भी शुरू कर दी हैं। चीन ने भी इस दशक के खत्म होने से पहले ही चांद के दक्षिणी ध्रुप पर अंतरिक्ष यात्री रहित और अंतरिक्ष यात्री समेत अंतरिक्ष यान उतारने की योजना बनाई है। इसके अलावा इसराइल, जापान और संयुक्त अरब अमीरात जैसे कई देशों ने भी हाल में चांद पर अभियान की दिशा में पहल की है। हालांकि ऐसे तमाम प्रयास पहले चरण में ही नाकाम रहे हैं। दक्षिण ध्रुव के प्रति इस बढ़ते आकर्षण की मूल वजह यह है कि वहां सचमुच पानी मिलने की स्थिति में उसे रॉकेट के ईंधन के तौर पर इस्तेमाल किया जा सकता है। वही वैज्ञानिकों को उम्मीद है कि वहां पानी की पर्याप्त सप्लाई सुनिश्चित होने की स्थिति में चांद पर एक स्थायी स्टेशन (परमानेंट बेस) बनाया जा सकता है। या फिर मंगल ग्रह या उससे भी दूर के अंतरिक्ष अभियान के लिए लाँच पैड स्थापित किया जा सकता है। नासा के शीर्ष अधिकारी बिल नेल्सन ने भी हाल में एक इंटरव्यू में कहा है कि चांद के दक्षिणी ध्रुव पर सचमुच पानी मिलने की स्थिति में भविष्य के अंतरिक्ष यात्रियों या अंतरिक्ष यानों को काफी मदद मिलेगी। लेकिन उन्होंने आशंका जताई है कि अगर चीन उस इलाके में सबसे पहले अपने किसी अंतरिक्ष यात्री को उतार देता है तो वह चांद के दक्षिणी ध्रुव पर अपना दावा करना चाहेगा। ऐसी प्रतियोगिता निकट भविष्य में ही शुरू हो सकती है। इसी आशंका से अमेरिका ने वर्ष 2020 में आर्टेमिस समझौता किया था। इस समझौते पर हस्ताक्षर करने वाले देशों ने अंतरिक्ष अनुसंधान के मामले में तय नीतियों का पालन करने और संसाधनों के समान इस्तेमाल पर सहमति दी है। दुनिया के कई देश इस समझौते में शामिल हैं। बीते जून में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अमेरिका दौरे के दौरान भारत ने भी इस समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। लेकिन दो बड़ी अंतरिक्ष ताकतों-रूस और चीन ने अब तक इस पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं। कई विशेषज्ञों का मानना है कि दक्षिणी ध्रुव पर उतरने में चंद्रयान-3 की कामयाबी चांद को लेकर इस नई स्पेस रेस को और तेज करेगी और फर्स्ट एचीवर के तौर पर भारत जरूर कुछ फायदे की स्थिति में रहेगा। वही विल्सन सेंटर में साउथ एशिया सेंटर के निदेशक माइक कुगेलमैन का मानना है कि भारत के इस सफल चंद्र अभियान से उसके साथ ही वृहत्तर विश्व को भी कई तरह की सुविधाएं मुहैया करा सकता है। उन्होंने फॉरेन पालिसी में लिखा है, 'जो मौजूदा अंतरिक्ष अनुसंधान कम्युनिकेशन डेवलपमेंट एंड रिमोट सेंसिंग में काफी मदद कर रहा है, उसका अब और विस्तार होगा।' उन्होंने ठोस उदाहरण के साथ बताया कि अतीत में भारत के अंतरिक्ष अनुसंधान से भूगर्भीय जल के स्तर निगरानी करने और दुनिया के मौसम की प्रकृति (वेदर पैटर्न) का पूर्वानुमान लगाने में काफी मदद मिली है। उन्होंने याद दिलाया है कि खासकर जो देश जलवायु परिवर्तन के कारण खतरे की आशंका से जूझ रहे हैं, उनके लिए यह तमाम आंकड़े काफी उपयोगी होंगे। भारत के स्ट्रेटेजिक थिंक टैंक 'ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन' के शोध कर्ता डॉ. राजी राजागोपालन ने भी कहा है कि भारत की यह कामयाबी विभिन्न पहलुओं से दुनिया के अंतरिक्ष अनुसंधान पर सकारात्मक प्रभाव डालेगी। डॉ. राजागोपालन

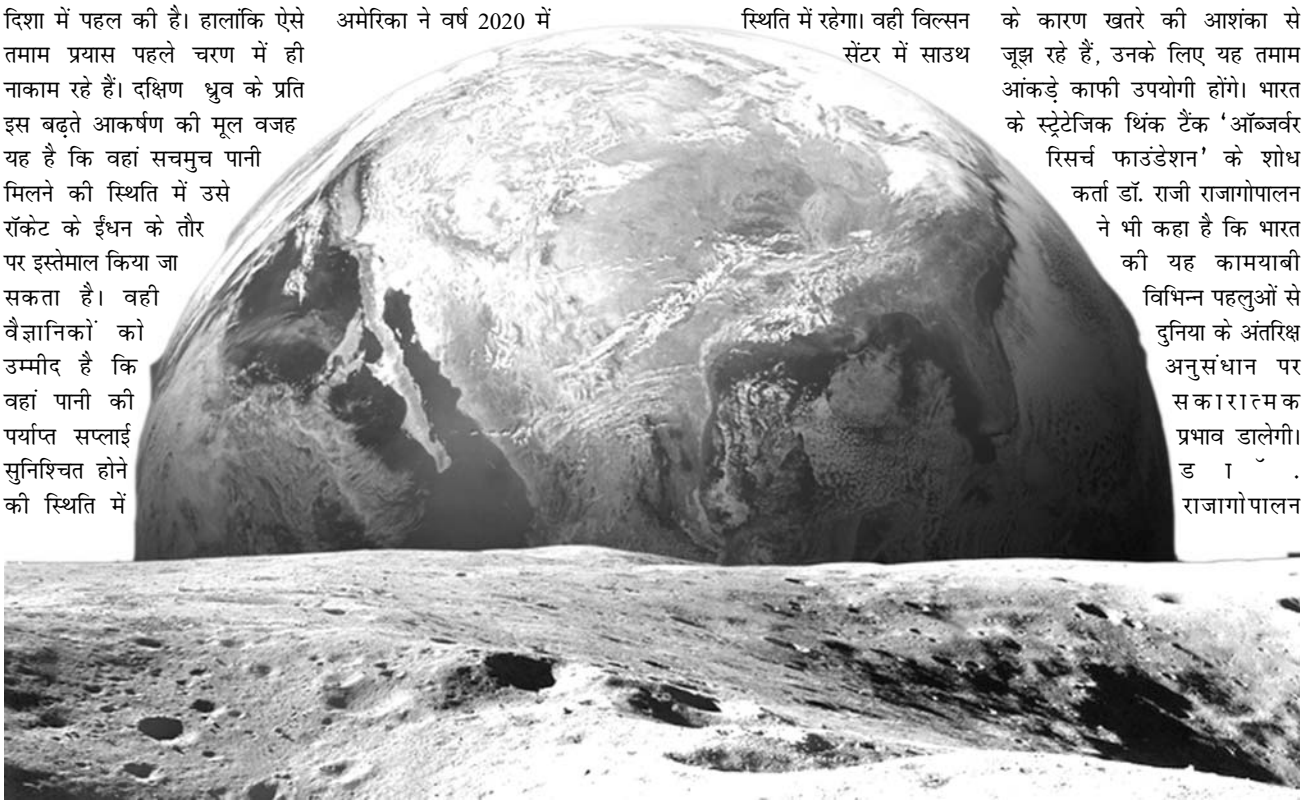

कहते हैं, इस अभियान ने यह साबित कर दिया है कि भारत की अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी पहले के मुकाबले काफी आधुनिक, विकसित और परिपक्व हो गई है। वह मानते हैं कि बेहद कम खर्च (आनुमानिक 7.5 करोड़ डॉलर) में भारत ने जिस तरह एक कामयाब अंतरिक्ष अभियान लांच किया है, वह उसे एक कम लागत वाली लेकिन भरोसेमंद अंतरिक्ष शक्ति के तौर पर स्थापित करेगा। अंतरराष्ट्रीय सलाहकार फर्म प्राइस वॉटरहाउस कूपर्स ने एक रिपोर्ट में इस बात की विस्तार से व्याख्या की है कि लूनर इकोनॉमी का क्या मतलब है। रिपोर्ट के अनुसार, चांद पर जितनी तरह के संसाधन हैं, उनका चांद पर, पृथ्वी पर और चांद की कक्षा में कामयाबी से इस्तेमाल ही अर्थव्यवस्था का सूचक है। जैसे चांद पर हीलियम के एक आइसोटोप हीलियम-3 का विशाल भंडार है जो नवीकरणीय ऊर्जा का विशाल स्रोत हो सकता है। लेकिन उस हीलियम-3 का पृथ्वी के हित में कैसे इस्तेमाल किया जा सकता है, वही लूनर इकोनॉमी का एक महत्वपूर्ण पहलू है। उन्होंने यहां तक पूर्वानुमान लगाया कि एक दिन चांद पर रियल एस्टेट या जमीन के मुद्दे पर भी दुनिया के विभिन्न देशों के बीच प्रतिद्वंद्विता शुरू हो सकती है। कई विशेषज्ञ यह बात मानते हैं कि अगर किसी दिन सचमुच ऐसा हुआ तो दक्षिणी ध्रुव पर 'फर्स्ट मूवर' के तौर पर भारत का एक ठोस दावा रहेगा।

चंद्रमा पर चंद्रयान-3 के लैंडर और रोवर के सफलतापूर्वक उतरने के बाद इसरो को उम्मीद है कि इस मिशन की अवधि एक चंद्र दिवस या पृथ्वी के 14 दिन तक सीमित नहीं रहेगी और चांद पर फिर से सूर्य निकलने पर यह पुन: सक्रिय हो सकता है। यानी 14 दिन बाद चंद्रयान-3 चंद्रमा पर अपना काम करता रहेगा। लैंडर और रोवर के उतरने के बाद, उन पर मौजूद प्रणालियां अब एक के बाद एक प्रयोग करने के लिए तैयार हैं, ताकि उन्हें 14 पृथ्वी दिनों के भीतर पूरा किया जा सके, इससे पहले कि चंद्रमा पर गहरा अंधेरा और अत्यधिक ठंडा मौसम हो जाए। साथ ही कुल 1752 किलोग्राम वजनी लैंडर और रोवर चंद्रमा के वातावरण का अध्ययन करने के वास्ते एक चंद्र दिन के प्रकाश में परिचालन करने के लिए डिजाइन किए गए हैं। हालांकि, इसरो के अधिकारी इनके एक और चंद्र दिवस के लिए सक्रिय होने की संभावना को खारिज नहीं कर रहे। वही इसरो के अध्यक्ष एस सोमनाथ ने सॉफ्ट लैंडिंग के बाद की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा था कि इसके बाद एक के बाद एक सारे प्रयोग चलेंगे। ये सभी चंद्रमा के एक दिन में जो पृथ्वी के 14 दिन में पूरे करने होंगे। उन्होंने कहा था कि जब तक सूरज की रोशनी रहेगी, सारी प्रणालियों को ऊर्जा मिलती रहेगी। जैसे ही सूर्य अस्त होगा, हर तरफ गहरा अंधेरा होगा। तापमान शून्य से 180 डिग्री सेल्सियस नीचे चला जाएगा। तब प्रणालियों का काम कर पाना संभव नहीं होगा और यदि यह आगे चालू रहता है तो हमें खुश होना चाहिए कि यह फिर से सक्रिय हो गया है और हम एक बार फिर से प्रणाली पर काम कर पाएंगे। उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि ऐसा ही कुछ हो।

गौरतलब हो कि प्रधानमंत्री मोदी ने इस अवसर पर दक्षिण अफ्रीका से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से देशवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि जब हम अपनी आंखों के सामने ऐसा इतिहास बनते हुए देखते हैं तो जीवन धन्य हो जाता है। ऐसी ऐतिहासिक घटनाएं राष्ट्रीय जीवन की चिरंजीव चेतना बन जाती हैं।'' उन्होंने कहा कि यह पल अविस्मरणीय है, यह क्षण अभूतपूर्व है, यह क्षण विकसित भारत के शंखनाद का है। यह क्षण नए भारत के जयघोष का है। यह क्षण मुश्किलों के महासागर को पार करने का है। यह क्षण जीत के चंद्र पथ पर चलने का है। यह क्षण 140 करोड़ धड़कनों के सामर्थ्य का है। यह क्षण भारत में नई ऊर्जा, नए विश्वास, नई चेतना का है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चंद्रयान-3 मिशन की सफलता पर भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के प्रमुख एस. सोमनाथ को बधाई दी और कहा कि वह जल्द ही बेंगलुरु का दौरा कर पूरी टीम को व्यक्तिगत रूप से शुभकामनाएं देंगे। जोहानिसबर्ग में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा ले रहे प्रधानमंत्री ने फोन पर कहा कि सोमनाथ जी; आपका नाम सोमनाथ भी चंद्रमा से जुड़ा हुआ है। आपके परिवार के सदस्य भी खुश होंगे। आपको और आपकी टीम को हार्दिक बधाई। उन्होंने कहा, कृपया मेरी शुभकामनाएं सभी तक पहुंचाएं। अगर संभव हुआ तो मैं व्यक्तिगत रूप से बहुत जल्द आपका अभिवादन करूंगा। इसरो ने अंतरिक्ष क्षेत्र में एक नया इतिहास रचते हुए चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर लैंडर 'विक्रम' और रोवर 'प्रज्ञान' से लैस लैंडर मॉड्यूल की 'सॉफ्ट लैंडिंग' कराने में सफलता हासिल की। भारतीय समयानुसार शाम करीब छह बजकर चार मिनट पर इसने चांद की सतह को छुआ। इसके साथ ही भारत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर 'सॉफ्ट

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 26 अगस्त को घोषणा की थी कि चंद्रमा पर चंद्रयान-3 के लैंडिंग स्थल का नाम 'शिवशक्ति' प्वाइंट रखा जाएगा और 23 अगस्त का दिन 'राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस' के रूप में मनाया जाएगा। वही चंद्रमा की सतह पर जिस स्थान पर चंद्रयान-2 ने 2019 में अपने पदचिह्न छोड़े थे, उसे 'तिरंगा' प्वाइंट के नाम से जाना जाएगा।

लैंडिंग' करने वाला दुनिया का पहला देश तथा चांद की सतह पर 'सॉफ्ट लैंडिंग' करने वाला दुनिया का चौथा देश बन गया। बताते चले कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 26 अगस्त की सुबह दक्षिण अफ्रीका और ग्रीस की यात्रा से बेंगलुरु पहुंचे। इसरो कमांड सेंटर पहुंचकर उन्होंने वैज्ञानिकों से बात की। इस दौरान वे भावुक भी हो गए। पीएम मोदी ने कहा कि मैं भारत आते ही जल्द से जल्द आपके दर्शन करना चाहता था। आप सबको सैल्यूट करना चाहता था। सैल्यूट आपके परिश्रम को, सैल्यूट आपके धैर्य को, सैल्यूट आपकी लगन को, सैल्यूट आपके जज्बे को। आप देश को जिस ऊंचाई पर लेकर गए हैं, ये कोई साधारण सफलता नहीं है। ये अनंत अंतरिक्ष में भारत के वैज्ञानिक सामर्थ्य का शंखनाद है। चंद्रयान 3 सफलता का जश्न मनाते हुए पीएम मोदी ने कहा कि मेरी आंखों के सामने 23 अगस्त का वह दिन, वह एक-एक सेकंड बार-बार घूम रहा है। जब टच डाउन कंफर्म हुआ तो जिस तरह यहां इसरो सेंटर में, पूरे देश में लोग उछल पड़े, वह दृश्य कौन भूल सकता है। कुछ स्मृतियां अमर हो जाती हैं। वह पल अमर हो गया। उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया, भारत की सांइटिफिक स्पिरिट का, हमारी टेक्नोलॉजी का और हमारे साइंटिफिक टेंपरामेंट का लोहा मान चुकी है। पीएम मोदी ने कहा कि हर भारतीय को लग रहा था कि विजय उसकी अपनी है। हर भारतीय को लग रहा था जैसे वह खुद एक बड़े एक्जाम में पास हो गया है। आज भी बधाइयां दी जा रही हैं, संदेशे दिए जा रहे हैं और ये सब मेरे देश के वैज्ञानिकों ने मुमकिन बनाया है। मैं आपका जितना गुणगान करूं, कम है, जितनी सराहना करूं, कम है। प्रधानमंत्री ने कहा कि चंद्रमा के जिस हिस्से पर हमारा चंद्रयान उतरा है, भारत ने उस स्थान के भी नामकरण का फैसला लिया है। जिस स्थान पर चंद्रयान-3 का मून लैंडर उतरा है, अब उस प्वाइंट को 'शिवशक्ति' के नाम से जाना जाएगा और 23 अगस्त को 'राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस' के रूप में मनाया जाएगा। पीएम मोदी ने कहा कि शिव में मानवता के कल्याण का संकल्प समाहित है। शक्ति से हमें उन संकल्पों को पूरा करने का सामर्थ्य मिलता है। चंद्रमा का शिव शक्ति का प्वाइंट हिमालय से कन्याकुमारी के जुड़े होने का बोध कराता है। उन्होंने कहा कि हमारे ऋषियों ने कहा कि-

येन कर्माण्य पसो मनीषिणो यज्ञे कृण्वन्ति विदथेषु धीराः।
यद पूर्वम यक्ष मन्तः प्रजानाम
तन्म मनः शिवसङ्कल्पमस्तु।

अर्थात जिस मन से हम कर्तव्य कर्म करते हैं, विचार और विज्ञान को गति देते हैं और जो सबके भीतर मौजूद है, वो मन शुभ और कल्याणकारी संकल्पों से जुड़े। मन के इन शुभ संकल्पों को पूरा करने के लिए शक्ति का आशीर्वाद जरूरी है। यह शक्ति हमारी नारी शक्ति है। हमारी माताएं बहनें हैं। उन्होंने कहा कि चंद्रमा की सतह पर जिस स्थान पर चंद्रयान-2 ने 2019 में अपने पदचिह्न छोड़े थे, उसे 'तिरंगा प्वाइंट' के नाम से जाना जाएगा। ये तिरंगा पाइंट भारत के हर प्रयास की प्रेरणा बनेगा, ये तिरंगा पाइंट हमें सीख देगा कि कोई भी विफलता आखिरी नहीं होती। उन्होंने कहा कि चंद्रयान-3 मिशन के लैंडर के चंद्रमा की सतह पर सफलतापूर्वक उतरने की याद में भारत 23 अगस्त को 'राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस' के रूप में मनाएगा।

सनद् रहे कि इसरो के चंद्रयान मिशन-3 के तहत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर लैंडर 'विक्रम' और रोवर 'प्रज्ञान' से लैस 'एलएम' की सॉफ्ट लैंडिग में सफलता के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, इसरो प्रमुख एस सोमनाथ तथा कांग्रेस सहित विभिन्न दलों के नेताओं ने देशवासियों को बधाई देते हुए इसे 'अविस्मरणीय' उपलब्धि करार दिया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक्स पर पोस्ट कर कहा, ''विश्व अंतरिक्ष में भारत की गाथा चंद्रयान-3 की पटकथा को देख

अमित शाह

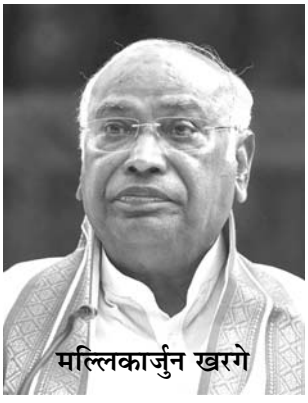
मल्लिकार्जुन खरगे

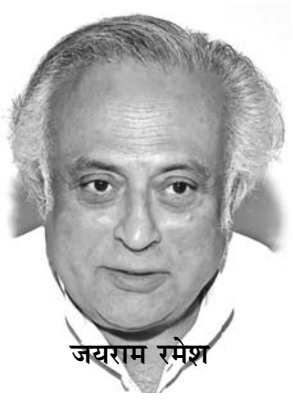
जयराम रमेश

अरविंद केजरीवाल

रहा है, मैं इस मिशन को ऐतिहासिक सफलता दिलाने के लिए किए गए अनथक प्रयासों को लेकर इसरो एवं हमारे वैज्ञानिकों के प्रति हृदय से कृतज्ञता व्यक्त करता हूं।'' इसरो के प्रमुख एस सोमनाथ ने इस सफलता के बाद कहा कि चंद्रयान-3 की सफलता ने हमें भविष्य में और

कि चंद्रयान-3 की सफलता प्रत्येक भारतीय की सामूहिक सफलता है।

इसरो की शानदार उपलब्धि करार देते हुए कहा कि यह सफलता

महासचिव जयराम रमेश ने एक बयान में कहा, ''आज हम जो सफलता देख रहे हैं वो एक सामूहिक संकल्प, एक सामूहिक कामकाज है, एक सामूहिक टीम के प्रयास का नतीजा है। यह सिस्टम का नतीजा है, एक व्यक्ति का नहीं है।'' रमेश ने इसरो के इतिहास का उल्लेख करते

द्रौपदी मुर्मू

व्लादिमीर पुतिन

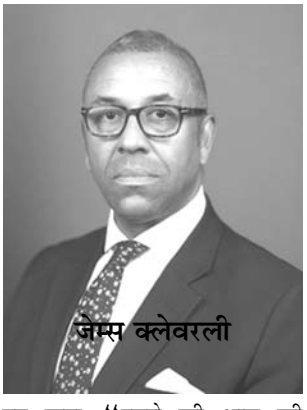
जेम्स क्लेवरली

अधिक चुनौतीपूर्ण अभियानों को पूरा करने का आत्मविश्वास प्रदान किया है। सोमनाथ ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि हमने चंद्रमा पर सॉफ्ट लैंडिंग में सफलता हसिल कर ली है। भारत चांद पर है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग को

वैज्ञानिक समुदाय की प्रतिभा और कड़ी मेहनत का परिणाम है। कांग्रेस

हुए कहा, ''इसरो की आज की उपलब्धि वाकई शानदार है, बेमिसाल है। 1962 के फरवरी महीने में होमी भाभा और विक्रम साराभाई की दूरदर्शिता के कारण इंकोसपार (भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष अनुसंधान समिति) की स्थापना की गई थी।

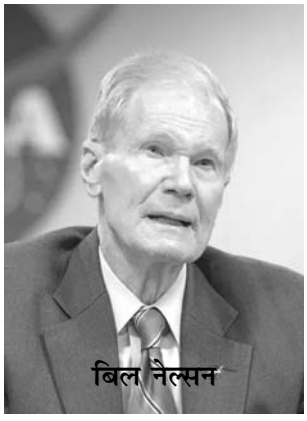
बिल नेल्सन

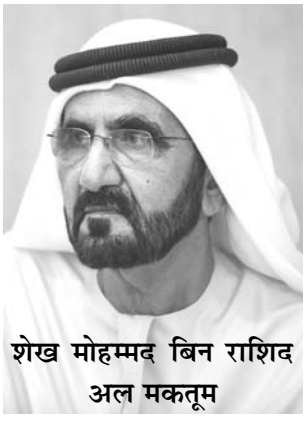
शेख मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम

अब्दुल्ला शाहिद

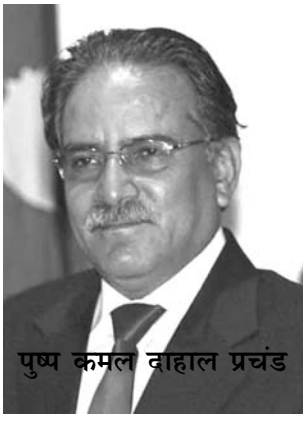
पुष्प कमल दाहाल प्रचंड

इसमें पहले चार-पांच व्यक्ति जो शामिल थे, उनमें एपीजे अब्दुल कलाम भी थे।'' आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने चंद्रयान-3 की सफल 'सॉफ्ट लैंडिंग' को ऐतिहासिक और देश के लिए बड़ी उपलब्धि करार दिया तथा इसरो के सभी वैज्ञानिकों और कर्मचारियों को बधाई दी। केजरीवाल ने 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट किया, ''यह ऐतिहासिक है। देश के लिए बड़ी उपलब्धि है। हम सबके लिए गर्व की बात है। चंद्रयान-3 की सफलता के लिए सभी देशवासियों, इसरो के वैज्ञानिकों, इंजीनियर और कर्मचारियों को बहुत-बहुत बधाई। भारत माता की जय।

चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग कर भारत की ऐतिहासिक कामयाबी पर अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा, इसरायल और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बधाई दी है। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के प्रमुख बिल नेल्सन ने भारत को बधाई देते हुए कहा कि चंद्रयान-3 ने चांद की सतह पर सफल लैंडिंग करके इतिहास रच दिया है। बिल नेल्सन ने चंद्रयान-3 के चांद के दक्षिणी ध्रुव पर सफल लैंडिंग पर भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) को बधाई देते हुए कहा, चंद्रयान-3 चंद्र की दक्षिणी ध्रुव पर सफल लैंडिंग पर बधाई हो इसरो! चंद्रमा पर अंतरिक्ष यान की सफलतापूर्वक सॉफ्ट-लैंडिंग करने वाला चौथा देश बनने पर भारत को बधाई। नेल्सन ने कहा, हमें इस मिशन में आपका भागीदार बनकर खुशी हो रही है। इस बीच ब्रिटेन की स्पेस एजेंसी ने इसरो को बधाई देते हुए कहा कि इतिहास बन गया, इसरो को बधाई। उसने सोशल मीडिया 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर इसरो को बधाई देते हुए कहा, आपने तो इतिहास रच दिया। इंजीनियरिंग और दृढ़ता की इस अद्भुत उपलब्धि पर भारत को बधाई। चंद्रयान-3 की चांद की सतह पर सफल लैंडिंग के बाद इसरायल ने भी बधाई दी है। इसरायल ने ट्वीट करते हुए कहा, चंद्रयान-3 की ऐतिहासिक सफलता पर भारत को हार्दिक बधाई! अंतरिक्ष अन्वेषण के प्रति आपका समर्पण वास्तव में प्रेरणादायक है, और यह उपलब्धि विज्ञान और नवाचार के लिए एक और बड़ी छलांग है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के उपराष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम विश्व के उन नेताओं में शामिल हैं, जिन्होंने 23 अगस्त को चंद्रमा की सतह पर चंद्रयान-3 के सफलतापूर्वक उतरने पर भारत को बधाई दी। उन्होंने इस ऐतिहासिक क्षण को वैज्ञानिक-प्रौद्योगिकीय क्षेत्र में भारत की प्रभावशाली प्रगति का साक्ष्य बताया। पुतिन ने भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को चंद्रयान-3 के चंद्रमा के दक्षिण ध्रुव पर सफलतापूर्वक उतरने पर बधाई दी। पुतिन ने अपने संदेश में कहा, भारत के चंद्रयान-3 अंतरिक्षयान के चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सफलतापूर्वक उतरने पर मेरी हार्थिक बधाई। यह बाहरी अंतरिक्ष के अन्वेषण और बेशक विज्ञान एवं इंजीनियरिंग के क्षेत्र में भारत की प्रभावशाली प्रगति का साक्ष्य है। शेख मोहम्मद ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर अंतरिक्षयान उतारने वाला प्रथम देश बनने पर भारत को बधाई दी। उन्होंने 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर कहा, चंद्रमा पर सफलतापूर्वक उतरने के लिए भारत में हमारे मित्रों को बधाई। भारत ने इतिहास रचना जारी रखा है। नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दाहाल प्रचंड ने भी चंद्रयान की सफलता पर अपने भारतीय समकक्ष को बधाई दी। उन्होंने कहा, मैं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी और भारत की इसरो टीम को चंद्रयान-3 के चंद्रमा की सतह पर सफलतापूर्वक उतरने के लिए बधाई देता हूं। ब्रिटिश विदेश मंत्री जेम्स क्लेवरली ने इसे एक 'ऐतिहासिक क्षण' बताया। उन्होंने कहा, चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सबसे पहले पहुंचने के लिए भारत को बधाई। मालदीव के विदेश मंत्री अब्दुल्ला शाहिद ने इतिहास रचने के लिए भारत को बधाई दी। उन्होंने 'एक्स' पर कहा, भारत ने इतिहास रचा है! एक दक्षिण एशियाई राष्ट्र और पड़ोसी देश होने के नाते हम चंद्रयान-3 के चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सफलतापूर्वक उतरने से गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। इसने अन्वेषण के नए क्षेत्रों के नए रास्ते खोले हैं।

पिछले 54 सालों में इसरो की उपलब्धियों ने न सिर्फ भारत को गौरवशाली इतिहास दिया है बल्कि पूरी दुनिया में अपना दम दिखाया है। अपनी उपलब्धियों से लगातार इतिहास रच रहा भारत का इसरो अब स्पेस स्टेशन भी बनाएगा। इसके साथ ही री-यूजेबल लॉन्चर्स और हैवी और सुपर हैवी रॉकेट्स बनाने पर काम चल रहा है। भविष्य में सौर मंडल के अन्य ग्रह यानी बृहस्पति, यूरेनस और नेपच्यून समेत कुछ एस्टेरॉयड्स पर भी मिशन भेजे जाएंगे। इसरो भारतीय एस्ट्रोनॉट्स को अंतरिक्ष में भेजने के लिए गगनयान मिशन की तैयारी कर रहा है। अगले दो से तीन साल में हमारे वैज्ञानिक स्पेस में यात्रा कर सकते हैं। चंद्रयान सीरीज में तीन और यान भेजे जा सकते हैं। ये काम 2035 तक किए जाएंगे। इसके अलावा सूर्ययान यानी आदित्य-एल1 अगस्त के अंत तक लॉन्च किया जा सकता है। अगले साल ही शुक्र ग्रह की स्टडी के लिए शुक्रयान लॉन्च किया जा सकता है। मंगलयान-2 की भी योजना है। 2030 तक मंगलयान-3 भी भेजा जा सकता है। बता दें कि भारत के इसरो और दूसरे अनुसंधान संगठनों को विकसित करने में देश के कई महान वैज्ञानिकों का योगदान है। इनमें एस.के. मित्रा, सीवी रमन, मेघनाद साहा, विक्रम साराभाई, सतीश धवन, होमी जहांगीर भाभा, डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम, एचजीएस मूर्ति, वामन दत्तात्रेय पटवध न जैसे भारतीय वैज्ञानिकों ने इसरो और इसके अलग-अलग सेंटरों, तकनीक, रॉकेट्स, इंजन आदि को विकसित करने में योगदान दिया। 1980 में जब भारत ने पहला सैटेलाइट रोहिणी सीरीज-1 (RS-1) देश से लॉन्च किया, तब भारत दुनिया के उन 7 देशों की सूची में शामिल हो गया जिनके पास रॉकेट लॉन्च की सुविधा थी। ये देश थे-सोवियत संघ, अमेरिका, फ्रांस, इंग्लैंड, चीन और जापान।

बहरहाल, आज देश फूला नहीं समा रहा इस बात से की भारत विश्व के उन मजबूत देशों में सुमार रखने लगा है जिनमें अमेरिका, रूस, चीन जैसे देश हैं। चंद्रयान-3 की

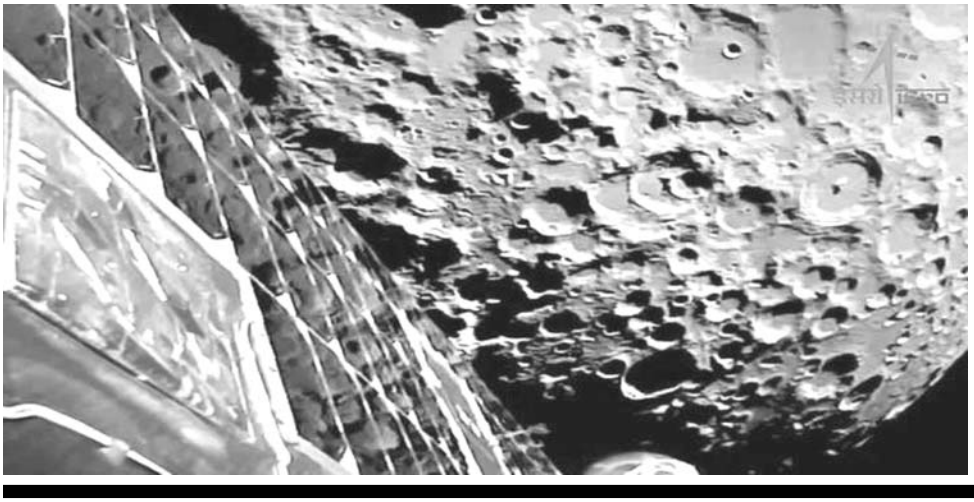

डॉ. एस सोमनाथ

डॉ. उन्नीकृष्णन नायर

डॉ. वीरामुथुवेल पी

कल्पना के

कामयाबी के पीछे जिन वैज्ञानिकों की कड़ी तपस्या लगी है, उनके बारे में जानते हैं :-

☞ **इसरो के चेयरमैन डॉ. एस सोमनाथ :-** इसरो चीफ डॉ. एस सोमनाथ के नाम का अर्थ ही चंद्रमा का देवता। सोमनाथ संस्कृत के जानकार भी हैं और यानम नाम से संस्कृत भाषा की एक फिल्म में अभिनय कर चुके हैं। उनकी नेतृत्व में ही चंद्रयान-3 ने पहली सफलता हासिल की। एस सोमनाथ प्रतिष्ठित इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ साइंस, बेंगलुरु के छात्र रहे हैं। चंद्रयान-3 मिशन इसरो के चेयरमैन एस सोमनाथ के नेतृत्व में आगे बढ़ा है। एक एयरोस्पेस इंजीनियर रहे एस सोमनाथ ने उस रॉकेट के डिजाइन में बड़ी भूमिका अदा की, जिसने चंद्रयान-3 को उसकी कक्षा में पहुंचाया। व्हीकल मार्क 3 को बाहुबली रॉकेट भी कहा गया।

☞ **डॉ. उन्नीकृष्णन नायर :** पेशे से एयरोस्पेस डॉ. उन्नीकृष्णन नायर रॉकेट के विकास और निर्माण से जुड़े विक्रम साराभाई स्पेस सेंटर के निदेशक हैं। डॉ. उन्नीकृष्णन अंतरिक्ष में भारत के मानव मिशन की अगुवाई कर रहे हैं। वे प्रतिष्ठित इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ साइंस के छात्र रहे हैं और उन्हें छोटी कहानियां लिखने का शौक है, चंद्रयान-3 से उन्होंने अंतरिक्ष की दुनिया में बड़ी कहानी लिखी है।

☞ **डॉ. वीरामुथुवेल पी :** चंद्रयान-3 मिशन के प्रोजेक्ट डायरेक्टर हैं डॉ. वीरामुथुवेल पी.। 2019 में नाकाम हुए चंद्रयान-2 मिशन के विक्रम लैंडर की बारीक से बारीक जानकारियों ने उन्हें चंद्रयान-3 मिशन को और पुख्ता बनाया। पिछले चार साल से उनका जीवन चंद्रयान 3 मिशन के आसपास घूम रहा है।

☞ **कल्पना के :** कल्पना के चंद्रयान-3 की डिप्टी प्रोजेक्ट डायरेक्टर हैं। कल्पना के ने चंद्रयान-3 टीम का नेतृत्व किया। उन्होंने कोरोना महामारी के दौरान भी दृढ़ इच्छाशक्ति के सहारे सारी चुनौतियों का सामना करते हुए मिशन के काम को आगे बढ़ाया था। भारत के सैटेलाइन प्रोग्राम के पीछे इस प्रतिबद्ध इंजीनियर की बड़ी भूमिका रही है।

☞ **एम. शंकरन यू.आर. राव :** एम शंकरन यूआर राव सैटेलाइट सेंटर के प्रमुख हैं और उनकी टीम इसरो के लिए भारत के सभी उपग्रहों को बनाने की जिम्मेदारी निभाती है। वे चंद्रयान-1, मंगलयान और चंद्रयान-2 सैटेलाइट के निर्माण में भी शामिल थे। चंद्रयान-3 के तापमान संबंधी जिम्मेदारी को मैनेज करना और सैटेलाइट के अधिकतम और न्यूनतम तापमान की टेस्टिंग की प्रक्रिया में उनका अहम योगदान है। उन्होंने चंद्रमा के सतह का प्रोटोटाइप तैयार करने में मदद की जिस पर लैंडर के टिकाउपन का परीक्षण किया गया।

☞ **एस. मोहन कुमार :** मिशन डायरेक्टर एस मोहन कुमार विक्रम साराभाई स्पेस सेंटर के एक वरिष्ठ वैज्ञानिक हैं और चंद्रयान-3 मिशन के डायरेक्टर हैं। मोहन कुमार एनवीएम3-एम-3 मिशन के तहत वन वेब इंडिया 2 सैटेलाइट के सफल व्यावसायिक लॉन्च में भी डायरेक्टर के तौर पर काम कर चुके हैं।

☞ **ए राजाराजन :** ए राजाराजन लॉन्च ऑथराइजेशन बोर्ड के प्रमुख हैं। वे सतीश धवन स्पेस सेंटर, श्रीहरिकोटा के डायरेक्टर और वैज्ञानिक हैं। मानव अंतरिक्ष मिशन प्रोग्राम-गगनयान और एसएसएलवी के मोटर को लेकर काम करते हैं। इसरो के मुताबिक चंद्रयान-3 मिशन में 54 महिला इंजीनियरों और वैज्ञानिकों ने हिस्सा लिया।

इसरो के वैज्ञानिकों ने चांद पर चंद्रयान को सफलतापूर्वक भेजकर पूरे भारत को गौरान्वित कर दिया। आज पूरी दुनिया में भारत की इस ऐतिहासिक उपलब्धि की चर्चा है। लेकिन इस मिशन के पीछे अथक मेहनत करने वाले वैज्ञानिक कैसा जीवन जीते हैं शायद आपको पता नहीं होगा। लोगों को लगता होगा कि इसरो जैसी स्पेस एजेंसी में काम करने वाले वैज्ञानिकों की लाइफ स्टाइल बेहद लक्जरी होगी। लेकिन ऐसा सोचना गलत है। वे बिल्कुल ही इसके उलट जीवन जीते हैं। दरअसल, इसरो के पूर्व प्रमुख जी. माधवन नायर ने इस बारे में मीडिया में कहा है कि अंतरिक्ष एजेंसी के वैज्ञानिकों ने विकसित देशों के वैज्ञानिकों के पांचवें हिस्से के बराबर वेतन पाकर यह ऐतिहासिक सफलता हासिल की है। उन्होंने कहा कि इसरो के वैज्ञानिकों में कोई करोड़पति नहीं है और वे हमेशा बहुत सामान्य

एम. शंकरन यू.आर. राव

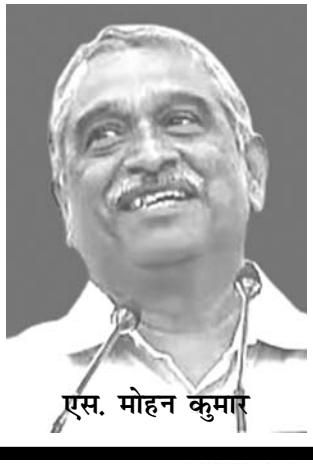
एस. मोहन कुमार

ए राजाराजन

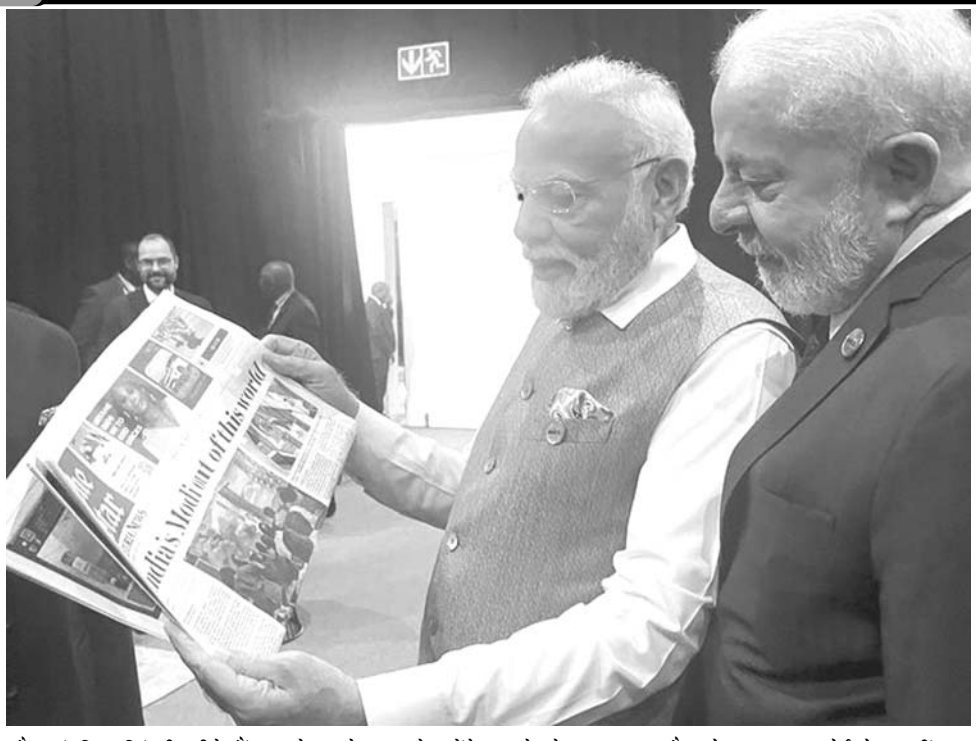

और संयमित जिंदगी जीते हैं। इसरो में वैज्ञानिकों के लिए कम वेतन एक कारण है कि वे अंतरिक्ष अन्वेषण के लिए कम लागत वाले समाधान ढूंढ सके। इसरो में वैज्ञानिकों, तकनीशियनों और अन्य कर्मचारियों को दिया जाने वाला वेतन वैश्विक स्तर पर दिए जाने वाले वेतन का बमुश्किल पांचवां हिस्सा है। रिपोर्ट के मुताबिक इसरो के वैज्ञानिकों में कोई करोड़पति नहीं है और वे हमेशा बहुत सामान्य तरीके से जीवनयापन करते हैं। वे वास्तव में पैसे के बारे में चिंतित नहीं हैं, बल्कि अपने मिशन के प्रति भावुक और समर्पित हैं। इसरो के पूर्व प्रमुख जी. माधवन नायर के मुताबिक भारत अपने अंतरिक्ष अभियानों के लिए घरेलू तकनीक का उपयोग करता है और इससे उन्हें लागत को काफी कम करने में मदद मिली है। भारत के अंतरिक्ष मिशन की लागत अन्य देशों के अंतरिक्ष अभियानों की तुलना में 50 से 60 प्रतिशत कम है। हमने अच्छी शुरुआत की है और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। पूर्व इसरो प्रमुख ने कहा कि देश के पास पहले से ही यूरोप और अमेरिका के साथ कई वाणिज्यिक अनुबंध हैं और अब चंद्रयान-3 की सफलता के साथ ये बढ़ेंगे। इसरो के अनुसार, चंद्रयान-3 की कुल लागत केवल 615 करोड़ रुपए है जो देश में एक बॉलीवुड फिल्म के निर्माण बजट के लगभग बराबर है। अंतरिक्ष अभियान में बड़ी छलांग लगाते हुए भारत का चंद्र मिशन 'चंद्रयान-3' 23 अगस्त की शाम 6.04 बजे चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतरा, जिससे देश चांद के इस क्षेत्र में उतरने वाला दुनिया का पहला तथा चंद्र सतह पर सफल 'सॉफ्ट लैंडिंग' करने वाला दुनिया का चौथा देश बन गया है। भारत को अंतरिक्ष क्षेत्र में यह ऐतिहासिक उपलब्धि ऐसे समय मिली है जब कुछ दिन पहले रूस का अंतरिक्ष यान 'लूना 25' चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतरने के मार्ग में दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

गौरतलब है कि भारत के चंद्रयान-3 के लैंडर ने सफलतापूर्वक चांद के दक्षिणी ध्रुव में सॉफ्ट लैंडिंग के बाद से भारतीय मीडिया में तो इससे जुड़ी खबरें छाई ही हुई हैं, विदेशी मीडिया में भी भारत की इस उपलब्धि की चर्चा है। बता दें कि ब्रितानी अखबार 'द गार्डियन' लिखता है कि चांद के दक्षिणी ध्रुव के पास लैंडर उतारकर भारत ने वो कारनामा कर दिखाया है, जो अब तक कोई देश नहीं कर पाया है। अखबार लिखता है कि इसके साथ ही भारत अब एक स्पेस पॉवर बन गया है। अखबार ने लिखा कि जैसे-जैसे चंद्रयान के चांद पर उतरने की तारीख नजदीक आ रही थी, लोगों में इसे लेकर घबराहट बढ़ रही थी। इसकी सफलता के लिए मंदिरों और मस्जिदों में खास प्रार्थना सभाएं आयोजित की गई। वाराणसी में गंगा किनारे साधुओं ने मिशन की सफलता की कामना की और फिर 23 अगस्त की शाम 6 बजकर 4 मिनट पर लैंडिंग हुई और उसके बाद भारत के लोग चांद पर सफलतापूर्वक लैंड करने वाला चौथा देश बनने की और चांद के दक्षिणी ध्रुव में लैंड उतरने वाला पहला देश बनने का जश्न मना रहे थे। अखबार लिखता है, 'आखिरी के कुछ पलों में लैंडर ने बेहद जटिल काम को अंजाम दिया। इसने अपनी स्पीड 3,730 मील प्रति घंटे से कम कर लगभग शून्य मील प्रति घंटे कर दी। साथ ही इसने अपनी पोजिशन बदली और उतरने की तैयारी के लिए सीधी यानी वर्टिकल पोजिशन ली।' इस वक्त लैंडर को सही पोजिशन में सही धक्का दिए जाने की जरूरत थी, क्योंकि जोर से धक्का देने से इसके लड़खड़ा जाने की खतरा था, वहीं जरूरत से कम ताकत से धक्का देने पर ये चांद पर गलत जगह पर उतर सकता था। अखबार लिखता है कि इससे पहले 2019 में भेजे गए भारत के चंद्रयान-2 मिशन की नाकामी की वजह आखिरी के कुछ पल थे। इसका लैंडर अपनी स्थिति बदलने में कामयाब नहीं हो सका था और तेजी से चांद की तरफ आ गया था। अखबार ने ये भी लिखा है कि चांद तक पहुंचने के लिए अमेरिका ने जो रॉकेट सालों पहले इस्तेमाल किए थे, भारत ने उससे भी कम शक्तिशाली रॉकेट का इस्तेमाल किया। बल्कि सही स्पीड के लिए चंद्रयान ने पृथ्वी की कक्षा में चक्कर लगाए जिसके बाद उसने चांद की तरफ छलांग लगा दी। वही लेखक डेविड वॉन रियली ने 'वॉशिंगटन पोस्ट' में लिखा कि खोज के लक्ष्य के साथ चांद के दक्षिणी ध्रुव पर गया चंद्रयान का लैंडर अमेरिका की उस कहानी की तरह है, जो एक तरह की दौड़ की शुरुआत करता है। उनका कहना है कि भारत की ये कामयाबी भू-राजनीति में एक महत्वपूर्ण क्षण का प्रतीक भी है। उन्होंने रूस के लूना-25 की नाकामी का जिक्र करते हुए कहा कि ये लैंडर चांद की सतह की तरफ ऐसे बढ़ा, जैसे रूस के ताबूत की आखिरी कील की तरफ हथौड़ा बढ़ा रहा हो। उन्होंने चांद के लिए रूस के अभियानों के बारे में लिखा कि रूस (पहले सोवियत संघ का हिस्सा) ने वैश्विक स्तर पर अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए अपने स्पेस कार्यक्रम का इस्तेमाल किया। उसी ने सबसे पहले इंसान को अंतरिक्ष में भेजा, सैटलाइट को कक्षा में स्थापित किया और चांद पर स्पेसक्राफ्ट उतारा। अमेरिका से 3 साल पहले 1966 में उसका लूना-6 चांद के ओशियानस प्रोसेलारम में उतरा, हालांकि बाद में अमेरिका ने सबसे पहले इंसान को चांद पर उतारकर इतिहास बनाया। वो लिखते हैं कि ये वो दौर था जब हॉलेट-पैकार्ड ने अपना पहला कम्प्यूटर बनाया था, आज रूस 1966

में किया अपना कारनामा दोहराना चाहता है, लेकिन वो नाकाम रहा। ये बताता है कि बेहद अधिक क्षमता वाले एक मुल्क ने कैसे अपनी काबिलियत खो दी। ज्ञात हो कि 1989 में भारत की अर्थव्यवस्था सोवियत संघ की तुलना में आधी थी, लेकिन आज वो रूस से 50 फीसदी बड़ी है। अमेरिका के साथ कदम मिलाने की बात छोड़ दें, रूस आज भारत के साथ कदम नहीं मिला पा रहा है। भू-राजनीति और मौजूदा विश्व व्यवस्था की बात करते हुए डेविड वॉन रियली लिखते हैं कि आधुनिक दुनिया की कल्पना में रूस की अहम जगह थी, लेकिन ये स्तंभ बिखर गया और चीन एक ताकत के रूप में उभरने लगा। वो लिखते हैं, चीन की अपनी परेशानियां हैं। स्थिरता और योग्यता के मामले में दुनिया एक बार फिर अमेरिका की तरफ देख रही है। यूक्रेन पर हमले के बाद यूरोप के देश पहले से अधिक मजबूती के साथ नाटो के साथ आए हैं। पूर्वी पैसिफिक के देश चीन से नाराज हैं और अमेरिका की तरफ हाथ बढ़ा रहे हैं। उन्होंने भारत की तरफ इशारा करते हुए लिखा है कि कई देश चांद के लिए मानव मिशन की योजना बना रहे हैं लेकिन अमेरिका ने मंगल पर हेलिकॉप्टर उड़ाया है, डीप स्पेस में एक टेलीस्कोप लगाया है, बृहस्पति के वायुमंडल तक पहुंचा और सौर मंडल में और दूर जाने की कोशिश कर रहा है। वही इस खबर को द इकोनॉमिस्ट ने भी जगह दी है। अखबार लिखता है कि भारत का लैंडर न केवल चांद पर उतरा बल्कि उसने ये कारनामा स्टाइल के साथ किया। अखबार लिखता है कि इस महत्वपूर्ण घटना को भारत में ऐसी कामयाबी के तौर पर देखा जा रहा है, जो केवल कुछ ही महान देश कर सकते हैं और ये विश्व मंच पर एक नेता के तौर पर उसकी छवि को मजबूत करता है। देश में अगले साल चुनाव हैं और मोदी के राष्ट्रवादी संदेश में ये छवि फिट बैठती है। सोवियत संघ ने 1960 और 70 के दशक में चांद पर बेहद जटिल रोवर उतारे, वहां से चांद की मिट्टी के सैंपल इकट्ठा किए लेकिन सोवियत संघ के विघटन के बाद से रूस ऐसा कोई कारनामा नहीं कर पाया है। लूना-25 के साथ रूस ऐसा करना चाहता था लेकिन वो इसमें कामयाब नहीं हो सका। अखबार लिखता है कि एक वक्त ऐसा था, जब मून मिशन से जुड़े मामलों में भारत रूस से मदद लेता था। अखबार ने लिखा है, करीब दस साल पहले भारत के चंद्रयान-2 के लिए रूस लैंडर बनाने वाला था। लेकिन रूस के मंगल अभियान को मिली नाकामी के बाद भारत न अपने दम पर ही काम करने का फैसला किया।

चंद्रयान-2

कामयाब नहीं हुआ लेकिन चंद्रयान-3 की कामयाबी के बाद लग रहा है कि भारत का फैसला सही था। ये दुख की बात है कि अपने खिलाफ अंतरराष्ट्रीय क्रिमिनल कोर्ट का वॉरंट होने के कारण रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ब्रिक्स सम्मेलन के लिए जोहानिसबर्ग नहीं गए, लेकिन अगर वो वहां होते आमने-सामने मोदी को मुबारकबाद देना उनके लिए थोड़ा अटपटा होता। अखबार लिखता है कि चांद को लेकर अमेरिका एक महत्वाकांक्षी आर्टेमिस मिशन पर काम कर रहा है जिसके तहत वो इंसान को इस दशक के आखिर तक चांद पर भेजेगा। लेकिन उससे पहले उसकी योजना चांद पर रोबोट भेजने की है। अब तक तो वो चांद पर रोबोट नहीं भेज सका है। ऐसे में मौजूदा वक्त में चांद पर अगर किसी एशियाई मुल्क की मौजूदगी है तो वो भारत ही है। न्यू यॉर्क टाइम्स ने भारत के चंद्रयान-3 को स्पेस अनुसंधान में एक नया अध्याय बताया है। इसी लेख को जापान टाइम्स ने भी छापा है। अखबार लिखता है कि भारतीय नेता एक ऐसे बहुध्रुवीय वैश्विक ऑर्डर के पक्ष में बात करते रहे हैं, जिसमें भारत की अहम भूमिका होगी। अखबार ने लिखा है, दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले इस देश की सरकार एक तरफ लोगों की आम जरूरतों को पूरा करने के लिए संघर्ष कर रही है तो दूसरी तरफ देश की मोदी सरकार का संदेश स्पष्ट है- नेतृत्व की भूमिका भारत लेगा तो दुनिया एक न्यायपूर्ण जगह होगी। देश में लोकसभा चुनाव होने हैं और मोदी की पार्टी एक बार और सरकार बनाने की उम्मीद कर रही है। वैश्विक मंच पर अपनी स्थिति मजबूत करना उसके अभियान के प्रमुख संदेश में से एक है। आर्थिक, कूटनीतिक और तकनीकी क्षेत्र में विकास को मोदी अपनी छवि के साथ जोड़ कर दिखाते रहे हैं। 2014 में मंगल मिशन के दौरान, 2019 में चंद्रयान-2 की लैंडिंग के वक्त मोदी खुद इसरो के मिशन कंट्रोल रूम में मौजूद थे, लेकिन चंद्रयान-3 की लैंडिंग के वक्त वो ब्रिक्स के सम्मेलन के लिए जोहानिसबर्ग में थे। बेंगलुरु में मौजूद कंट्रोल रूम में उनका चेहरा वीडियो लिंक के जरिए स्क्रीन पर दिखा। अखबार लिखता है कि मोदी के कार्यकाल के दौरान भारत में सांप्रदायिक तनाव की कई घटनाएं हुई हैं लेकिन चंद्रयान-3 की सफलता को लेकर अलग-अलग समुदायों के बीच भेदभाव मिटता हुआ दिखा। मिशन की सफलता के लिए मंदिरों, गुरुद्वारों और मस्जिदों में प्रार्थना सभाएं की गई। भारत की विदेश नीति अमेरिका और चीन के बीच बैलेंस बनाए रखने की है, लेकिन हाल के वक्त में चीन के साथ भारत के बीच सीमा पर तनाव बढ़ा है। अखबार लिखता है, लद्दाख में सीमा पर दोनों देशों की सेनाओं के बीच तनाव 3 साल से लगातार बना हुआ है और चीन की तरफ से बढ़ रहा खतरा भारत के लिए महत्वपूर्ण मुद्दा बनता जा रहा है। स्पेस समेत दूसरे क्षेत्रों में चीन से बढ़ रही नाराजगी के बीच भारत और अमेरिका का सहयोग बढ़ रहा है और स्पेस के मामले में चीन, अमेरिका का बड़ा प्रतिद्वंद्वी बना हुआ है। टाइम पत्रिका में जेफरी क्लूगर लिखते हैं कि चांद के दक्षिणी ध्रुव पर उतरने के लिए भारत और रूस के बीच रेस लगी थी। रूस से भारत ने 26 दिन भारत ने चंद्रयान-3 लॉन्च किया जो धीमी-गति से आगे बढ़ता रहा। वो पृथ्वी के चक्कर लगाता रहा और हर चक्कर के साथ उसने अपना दायरा बढ़ाया। जब दायरा इतना बढ़ गया कि चांद की गुरुत्वाकर्षण शक्ति उसे अपने तरफ खींच ले, तो उसने चांद की तरफ छलांग ली। टाइम ने लिखा है कि रूस के लूना-25 ने सीधा रास्ता लिया और चंद्रयान से दो सप्ताह पहले चांद तक पहुंचा। दोनों को 23 अगस्त के दिन ही लैंडिंग करनी थी। लूना-25 ऑर्बिट में स्थापित हो गया लेकिन फिर चांद की सतह पर उतरते वक्त वो सतह से टकरा गया। जिस दिन लूना-25 के साथ संपर्क बाधित हुआ, उसी दिन भारत के चंद्रयान-3 ने चांद पर उतरने के लिए चांद की कक्षा में आ गया। वहीं सीएनएन लिखता है कि चंद्रयान का लैंडर और रोवर दो सप्ताह तक चांद पर रहेंगे, वहीं उसका प्रोपल्शन मॉड्यूल ऑर्बिट में रहेगा और रोवर जो जानकारी इकट्ठा करेगा प्रोपल्शन मॉड्यूल उसे पृथ्वी तक पहुंचाएगा। अखबार लिखता है कि चांद के लिए 60 और 70 के दशक के दौरान जो रेस शुरू हुई थी, उसके बाद अब एक दूसरी रेस शुरू हो गई है और इसमें भारत की अहम शक्ति के रूप में उभर रहा है।

(स्रोत : साभार)

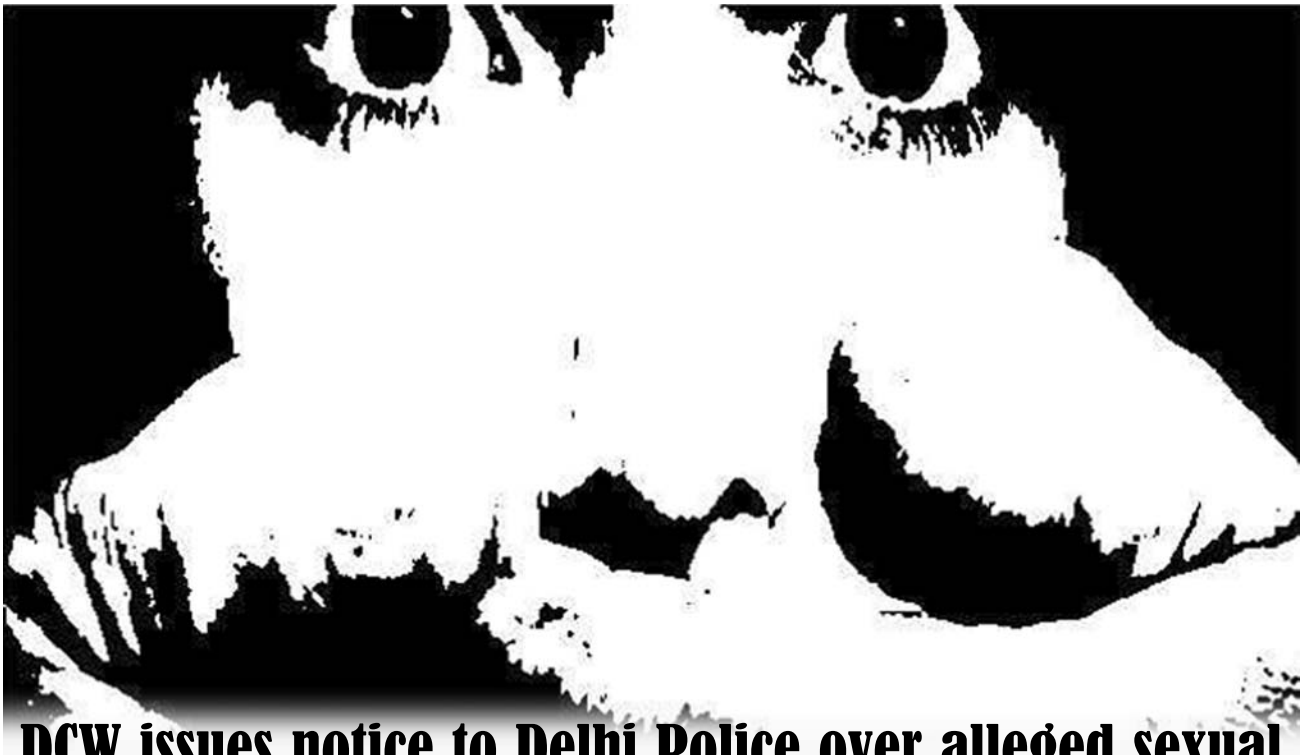

DCW issues notice to Delhi Police over alleged sexual assault of 2 minor boys in government school

Delhi Commission for Women (DCW) on Monday issued notices to Delhi Police and Education Department of Delhi Government over alleged sexual assault of two minor students in a government school in the National Capital. According to DCW statement, it received information of sexual assault of two minor students of a government school in Delhi's Rohini. A 13-year-old boy who is studying in class 8th in a government school was allegedly sexually assaulted by other students of the school. He informed that in April this year, he attended school during summer camp wherein some students forcibly took him to a nearby park and sexually assaulted him for 7 days. The student also

alleged that the accused students also threatened him not to disclose the incident to anyone. A couple of days ago, he narrated his ordeal to two of his teachers, but they asked him not to report the matter. Another student, aged 12-year-old also alleged that the same students sexually assaulted him as well. He informed that in April this year, during the summer camp, he was allegedly sexually assaulted in the school toilet. The student stated that the accused students had threatened him not to disclose the incident to anyone. He further alleged that around 16 days back, a student again tried to sexually assault him in the toilet. He had narrated the incident

to two of his teachers in July and August, but they asked him not to tell about the incident to anyone, the statement said. The Commission has been informed that the parents of the student learnt about the incident around 6 days ago. When the mother of the child went to the school, the principal allegedly asked them not to talk about the incident to anyone, it said. In the above mentioned cases, two separate FIRs have been registered at Shahbad Dairy Police Station. In this regard, DCW has issued notices to Delhi Police and Education Department of Delhi Government.In the notice, DCW Chairperson Swati Maliwal has asked the status of arrests made in the matter and sought details of action taken against school principal and teachers. She has asked whether FIR have been registered against them under POCSO Act for allegedly not reporting the matter to authorities, it added. DCW has asked Directorate of Education to provide an enquiry report in the matter. It has also asked whether the principal and the teachers of the school have been suspended for not reporting the incidents to authorities? Swati Maliwal said, "These are very shocking incidents. Students of same school allegedly sexually assaulted their fellows. More shocking is that the teachers and principal allegedly asked students to keep quiet. Strong action should be taken against the perpetrators. Also, FIR should be registered against school principal and teachers under POCSO Act for not reporting the incident to the authorities."

'AI based voice cloning new cyber crime threat'

Terming Artificial Intelligence based voice cloning as new cyber crime threat the Jammu Cyber Police Station have asked people to stay alert and be cautious. "The Artificial Intelligence based voice cloning is the new cyber crime in news. Apple Ios7 and various apps and sites like Heyge, Murf and Resemble Al etc. are being used for voice cloning," Jammu Cyber Police Station spokesman said. He said that the criminals are using computer generated voice sound to act as friends and relatives and in the process, money can be lost. Sharing the modus operandi, the spokesman said that the Ai-ml (artificial intelligence/ machine learning) model learns the patterns and characteristics from the person's voice recordings. (speech patterns, accents, voice inflection and even breathing). He stated that learning includes pronunciation of words, tone of the voice and emotions, adding he said, "now criminals use this Al-ml model to convert text to speech as it generates a waveform to represent the sound of any person." "The computer-generated call is then used by the criminal to call his/her relatives or friends and based upon the familiarity of the voice, the victim ends up paying the money," he said. The spokesman however, spreading awareness on the concern said that the receiver must listen carefully to unnatural pause or robotic speech styles, look for errors in pronunciation or speaking tone. "The voice can be compared with the original person and notice if the voice lacks emotional expression or difference," he said. He further added that the receiver must always try to call the original person with the saved number to recheck, adding, "the voice sample or recordings shall not be shared to an unknown person while limiting access to sensitive voice recordings or audio files."Any cyber crime complaint can be lodged at NCRP portal (www.cybercrime.gov.in), he said.

उम्मीदवारों की दावेदारी, भाजपा पर पड़ रही भारी!

चुनाव के ठीक पहले भाजपा कर रही कई प्रयोग

विधानसभा चुनाव से ठीक पहले शिवराज कैबिनेट का विस्तार किया गया। राजभवन में हुए शपथ ग्रहण समारोह में तीन विधायकों ने मंत्री पद की शपथ ली। राजभवन में शपथ ग्रहण समारोह में राज्यपाल मंगूभाई पटेल ने गौरीशंकर बिसेन, राजेंद्र शुक्ल और राहुल लोधी को मंत्री पद की शपथ दिलाई। गौरीशंकर बिसेन और राजेंद्र शुक्ल ने कैबिनेट मंत्री के तौर पर शपथ ली, जबकि राहुल लोधी ने राज्य मंत्री की शपथ ली। चुनाव से दो महीने पहले होने जा रहे कैबिनेट विस्तार में जिन तीन चेहरों को मंत्रिमंडल में शामिल किया गया है उसके कई सियासी मायने है। राजेंद्र शुक्ल और गौरीशंकर बिसेन दोनों ही पिछले शिवराज सरकार में मंत्री रह चुके है, जबकि राहुल लोधी पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती के भतीजे है। वैसे में सवाल है कि आखिर चुनाव से ठीक पहले विस्तार क्यों? तो बता दें कि चुनाव से ठीक पहले इन तीनों चेहरों को कैबिनेट में शामिल किए जाने का सबसे बड़ा कारण मंत्रिमंडल के क्षेत्रीय असंतुलन को दूर करना है। शिवराज कैबिनेट के चौथे कार्यकाल में महाकौशल से वर्तमान में केवल एक मंत्री रामकिशोर कांवरे है। राज्यमंत्री कांवरे बालाघाट जिले से पहली बार विधायक चुने गए थे। गौरतलब है कि पूर्व में शिवराज सरकार के मंत्री रहे गौरीशंकर बिसेन को दरकिनार कर रामकिशोर कांवरे को मंत्री बनाया गया। वहीं विंध्य से आने वाले भाजपा के सीनियर नेता राजेंद्र शुक्ल को भी मंत्रिमंडल में शामिल किया गया है। अगर बात करें 2018 के विधानसभा चुनाव की तो विंध्य में भाजपा को खासी बढ़त मिली थी और विंध्य में आने वाली 30 विधानसभा सीटों में से भाजपा ने 24 सीटों पर जीत हासिल की थी। वहीं इस बार विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा को विंध्य में कांग्रेस के साथ आम आदमी पार्टी से कड़े मुकाबला का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में विंध्य की सियासत को साधने के लिए भाजपा ने राजेंद्र शुक्ल को मंत्री बनाया है। इसके साथ राजेंद्र शुक्ल विंध्य ब्राह्मण समाज के बड़े चेहरे है और अकेले विंध्य अंचल में ब्राह्मण समुदाय का 14% वोट बैंक है ऐसे में सीधी पेशाब कांड के बाद ब्राह्मण समुदाय का बड़ा वोट बैंक जो भाजपा से नाराज है उसको रिझाने के लिए राजेंद्र शुक्ल को मंत्री बनाया गया है। दूसरी तरफ बालाघाट से भाजपा विधायक गौरीशंकर बिसेन महाकौशल क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करेंगे। दरअसल शिवराज कैबिनेट के चौथे कार्यकाल में महाकौशल से अब तक केवल रामकिशोर कांवरे ही थे। ऐसे में महाकौशल क्षेत्र जहां से प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ

भी आते है। वहां की सियासत को साधने के लिए भाजपा ने अपने सीनियर नेता गौरीशंकर बिसेन को फिर मंत्री बनाया है। अब तक बालाघाट से ही आने वाले रामकिशोर कांवरे को राज्यमंत्री बनगाया राज्यमंत्री कांवरे बालाघाट जिले से पहली बार विधायक चुने गए थे। गौरतलब है कि पूर्व में शिवराज सरकार के मंत्री रहे गौरीशंकर बिसेन को दरकिनार कर रामकिशोर कांवरे को मंत्री बनाया गया। प्रदेश में पिछले दिनों अब ओबीसी आरक्षण का मुद्दा गर्माया था तब गौरीशंकर को पिछड़ा वर्ग आयोग का अध्यक्ष बनाकर ओबीसी वोट बैंक को साधने की कोशिश की गई थी। इसके साथ कैबिनेट में पहली बार शामिल किए गए खरगापुर विधायक राहुल लोधी कैबिनेट में बुंदेलखंड का प्रतिनिधित्व करने के बारे मे कहा जा रहा है कि राहुल लोधी को लोधी वोट बैंक को साधने के लिए मंत्रिमंडल में शामिल किया गया है। राहुल लोधी पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती के भतीजे है और ऐसे में राहुल लोधी को मंत्रिपरिषद में शामिल करने का बड़ा कारण उमा भारती की नारजगी को दूर करना भी है। दअसल मध्यप्रदेश में विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुटी भाजपा को दिग्गज नेताओं की सीधी नाराजगी का सामना करना पड़ रहा था। जिसको अब कैबिनेट विस्तार के जरिए साधने की कोशिश की गई है।

गौरतलब हो कि कर्नाटक विधानसभा चुनाव में हार के बाद मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव की पूरी कमान अब भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व ने अपने हाथों में ले ली है। गृहमंत्री अमित शाह खुद भाजपा की पूरी चुनावी रणनीति को तय करने के साथ अपने सिपाहसालारों को मध्यप्रदेश में तैनात कर दिया है। इसी कड़ी में अब भाजपा ने प्रदेश की सभी 230 विधानसभा सीटों पर अन्य राज्यों के विधायकों की तैनाती कर दी है। अगले एक हफ्ते तक भाजपा के यह सभी प्रवासी विध ायक प्रदेश की 230 विधानसभा सीटों पर तैनात रहकर पार्टी की चुनाव तैयारियों का आकलन करेंगे। माना जा रहा है कि प्रवासी विध ायक हर विधानसभा सीट को लेकर अपनी सर्वे रिपोर्ट तैयार करेंगे और उसको सीधे पार्टी केंद्रीय नेतृत्व को सौंपेगे। गौरतलब है कि मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व ने उत्तरप्रदेश, गुजरात, बिहार और महाराष्ट्र के अपने विध ायकों को मध्यप्रदेश भेजा है। अन्य प्रदेश से आए भाजपा विधायक हर विधानसभा सीट पर भाजपा की चुनावी तैयारी का आकलन करने के साथ अन्य दावेदारों और भितरघात को लेकर भी एक गोपनीय रिपोर्ट तैयार करेंगे। बता दें कि राजधानी के कान्हा फन सिटी में बाहर से आए 230 प्रवासी विधायकों का प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन हो रहा है। प्रशिक्षण वर्ग में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, केन्द्रीय मंत्री और प्रदेश चुनाव प्रभारी भूपेंद्र यादव और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष शामिल हुए। भाजपा प्रशिक्षण वर्ग में शामिल होने पहुंचे मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस बौखला गई है और अब देखे तो हम क्या-क्या कर रहे है। वहीं प्रवासी विधायको के प्रशिक्षण कार्यक्रम को लेकर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने कहा कि भाजपा लगातार नए प्रयोग कर रही है और 4 राज्यों के भाजपा विधायक जिनका बड़ा और व्यापक अनुभव है, वह मध्यप्रदेश की 230 विधानसभा सीटों में 7 दिन रहकर पार्टी के काम को ताकत देने का प्रयास करने वाले हैं। उन्होंने कहा कि संगठन ने यह रचना जो बनाई है, इस निमित्त आगामी आने वाला चुनाव चुनाव की तैयारी उनके अपने अनुभव और भारतीय जनता पार्टी का मध्य प्रदेश संगठन का तंत्र जो मजबूती के साथ आज मध्य प्रदेश के अंदर चुनाव की तैयारी में जुटा है। चार राज्यों के हमारे सभी वरिष्ठ विध ायक 7 दिन के लिए प्रत्येक विध ानसभा में जाएंगे और वहां रहकर कार्यकर्ताओं के साथ समझेंगे और अपने अनुभव देंगे। उनके अनुभव का लाभ पार्टी संगठन को मिला है।

बहरहाल, चुनाव की नजदीकियों को देखते हुए अपनी-अपनी दावेदारी को लेकर खींचतान जारी है, वैसे में मध्य प्रदेश में भाजपा के लिए ज्योतिरादित्य सिंधिया भी अपने समर्थकों को टिकट दिला पाने में कितना सफल रहेंगे, यह भी एक बड़ा फैक्टर है। हालांकि उनका कहना है कि "कोई आपके साथ नहीं, कोई मेरे साथ नहीं है। सभी भाजपा के साथ है और सभी भारतीय जनता पार्टी के साथ है। यह कांग्रेस पार्टी नहीं है जो आपका गुट रहेगा और मेरा गुट रहेगा और किसी और का गुट रहेगा। यह सारे के सारे भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता हैं और जो जिताऊ है उसे जरुर टिकट मिलेगा"। बता दें कि भाजपा कार्यसमिति की बैठक में शामिल होने पहुंचे केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य के समर्थक इन दिनों बैचेन हैं। मार्च 2020 में अपने 'महाराज' के साथ कांग्रेस छोड़ भाजपा में शामिल हुए सिंधिया समर्थक इन दिनों टिकट की आस में ग्वालियर से लेकर भोपाल तक चक्कर लगा रहे हैं। दरअसल मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने जिन 39 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की है, उसमें सिंधिया के साथ भाजपा में शामिल होने वाले गोहद विधानसभा सीट से टिकट के प्रबल दावेदार रणवीर जाटव का टिकट कट गया है। पार्टी ने गोहद विध ानसभा सीट से अनुसूचित जनजाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष लाल सिंह आर्य को उम्मीदवार बनाया है। सिंधिया समर्थक रणवीर जाटव को 2020 के उपचुनाव में गोहद में कांग्रेस उम्मीदवार मेवाराम जाटव के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। रणवीर जाटव वर्तमान में संत रविदास हस्तशिल्प और हथकरघा विकास निगम के अध्यक्ष है और उनको मंत्री का दर्जा हासिल है।

बताते चले कि रणवीर जाटव के टिकट कटने के बाद अब 2020 के उपचुनाव में हार का सामना करने वाले सिंधिया के अन्य समर्थकों के टिकट पर तलवार लटक गई है। इसमें बड़ा नाम डबरा से सिंधिया की कट्टर समर्थक इमरती देवी का नाम सबसे उपर आता है। रणवीर जाटव का टिकट कटने के बाद इमरती देवी अब टिकट के लिए ग्वालियर से भोपाल तक दौड़ लगा रही हैं। पिछले दिनों इमरती देवी प्रदेश भाजपा कार्यालय भी पहुंची और पार्टी संगठन के तमाम बड़े नेताओं से मिलकर टिकट की दावेदारी की। दरअसल सिंधिया समर्थक उन नेताओं के टिकट सबसे ज्यादा खतरे में दिखाई दे रहा है जो उपचुनाव हार गए। मार्च 2020 में ज्योतिरादित्य सिंधिया के साथ भाजपा में शामिल हुए 22 विधायकों में कई को उपचुनाव में हार का सामना करना पड़ा था। सिंधिया के गढ़ माने जाने वाले ग्वालियर-चंबल की 16 सीटों में से डबरा से इमरती देवी, दिमनी से गिर्राज दंडोतिया, सुमावली से एंदल सिंह कंसाना मंत्री रहते हुए चुनाव हार गए थे। इसके साथ ही ग्वालियर पूर्व से मुन्नालाल गोयल, मुरैना से रघुराज सिंह कंषाना, गोहद से रणवीर जाटव, करैरा से जसमंत जाटव भी चुनाव हार गए थे। उपचुनाव में हार का सामना करने वाले यह सभी सिंधिया समर्थक एक बार टिकट की दावेदारी कर रहे थे, ऐसे में रणवीर जाटव का टिकट कटने के बाद उपचुनाव हारे सिंधिया समर्थकों का टिकट खतरे में दिखाई दे रहे है।

सनद् रहे कि 2018 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस में रहते हुए ज्योतिरादित्य सिंधिया पार्टी के सबसे बड़े स्टार प्रचारक होने के उनके समर्थक उनको बतौर मुख्यमंत्री उम्मीदवार प्रोजेक्ट कर रहे थे। हलांकि चुनाव में कांग्रेस की जीत के बाद राहुल गांधी के सीधे दखल के बाद कांग्रेस ने कमलनाथ को प्रदेश का मुख्यमंत्री बना दिया। इसी से नाराज होकर मार्च 2020 में सिंधिया अपने समर्थक विधायकों के साथ कांग्रेस छोड़ भाजपा में शामिल हो गए। भाजपा में शामिल होने के बाद पार्टी ने सिंधिया को राज्यसभा सांसद बनाने के साथ केंद्र में मंत्री भी बनाया। वहीं अब 2023 के विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी ने अपने प्रमुख नेताओं को बड़ी जिम्मेदारी के साथ मैदान में उतार दिया है तब ज्योतिरादित्य सिंधिया को अब तक कोई बड़ी जिम्मेदारी नहीं मिलने से कई सवाल उठ रहे है। ग्वालियर से ही आने वाले नरेंद्र सिंह तोमर को चुनाव प्रबंधन समिति का प्रमुख बनाकर पार्टी ने इशारों ही इशारों में सिंधिया को संदेश भी दे दिया है। अब मध्यप्रदेश की राजनीति में ज्योतिरादित्य सिंधिया की पहचान एक ऐसे नेता के तौर पर है जिनके समर्थकों को अपने 'महाराज' पर अटूट विश्वास है, लेकिन अब 2023 के विधानसभा चुनाव के बेला नजदीक आ गई है तब सिंधिया समर्थकों को अपने 'महाराज' पर विश्वास कम होने लगा है। मध्यप्रदेश में विधानसभा चुनाव से ठीक पहले सिंधिया समर्थक नेताओं की घर वापसी का सिलसिला तेज हो गया है। 2020 में सिंधिया के साथ भाजपा में शामिल होने वाले नेता एक के बाद एक कांग्रेस में वापसी कर रहे हैं। पिछले दिनों मालवा से आने वाले सिंधिया के कट्टर समर्थक सनवर पटेल, शिवपुरी के कोलारस विधानसभा सीट से टिकट के दावेदार रघुराज सिंह धाकड़ के साथ यादवेंद्र सिंह यादव और बैजनाथ यादव कांग्रेस में वापसी कर चुके हैं। वहीं ज्योतिरादित्य सिंधिया के भाजपा में आने के बाद पार्टी ग्वालियर-चंबल

टिकट की तलाश में पार्टी बदल रहे नेता

मध्यप्रदेश में विधानसभा चुनाव से पहले आया राम-गया राम की सियासत तेज हो गई है। जैसे-जैसे चुनाव की तारीख नजदीक आ रही है, वैसे-वैसे नेताओं के पाला बदलने का सिलसिला तेज होता जा रहा है। टिकट की तलाश में नेता रातों-रातों पार्टी बदल रहे है। भाजपा और कांग्रेस दोनों ही पार्टी में हर दिन नेताओं की अदला-बदली हो रही है।

बीते दिनों प्रदेश कांग्रेस कार्यायल में बड़ा सदस्यता आयोजन किया गया है जिसमें सागर, निवाड़ी, दतिया, सतना और शिवपुरी के कई भाजपा नेता कांग्रेस में शामिल हुए। शिवपुरी के पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष और भाजपा नेता जितेंद्र जैन गोटू अपने समर्थकों के साथ कांग्रेस में शामिल हुए। इसके पहले शिवपुरी से ही आने वाले रघुराज सिंह धाकड़ के साथ यादवेंद्र सिंह यादव और बैजनाथ यादव भी कांग्रेस में शामिल हो चुके हैं। इसके साथ ही निवाड़ी के जिला पंचायत सदस्य और भाजपा की जिला उपाध्यक्ष रौशनी यादव कांग्रेस में शामिल हुई। रौशनी यादव पूर्व राज्यपाल रामनरेश यादव की पुत्रवधू है। कांग्रेस में शामिल होने वाली रौशनी यादव ने आरोप लगाया कि वह भाजपा की रीति, नीति व नेतृत्व से नाखुश होकर पार्टी छोड़ रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा सिर्फ महिलाओं को ठगने का काम करती है और जनता में प्रदेश और केंद्र के नेतृत्व दोनो से नाराजगी है, जिस दल से जनता खुश नही है उससे जुड़ कर भला सेवा का कार्य कैसे हो सकता है। रौशनी ने कहा कि क्षेत्र की जनता और कार्यकर्ता दोनों का अपार समर्थन और स्नेह मेरे साथ है। वहीं सागर के राहतगढ़ के पूर्व जनपद अध्यक्ष नीरज शर्मा भी कांग्रेस मे शामिल हुए। नीरज शर्मा सुरखी से भाजपा की ओर से टिकट की दावेदारी कर रहे थे। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिवार से जुड़े पंडित नीरज शर्मा की पहचान मंत्री गोविंद राजपूत के धुर विरोधी नेता के तौर पर होती है। पिछले 15 सालों से शर्मा का जनपद और राहतगढ़ नगर परिषद पर कब्जा है। मंत्री गोविंद सिंह राजपूत के भाजपा में शामिल होने के बाद नीरज शर्मा भाजपा से नाराज चल रहे थे और अब चुनाव से ठीक पहले भाजपा छोड़कर कांग्रेस में शामिल हो गए थे। बुंदेलखंड में यादव समाज के बड़े नेता लक्ष्मी नारायण यादव का वरदहस्त प्राप्त नीरज शर्मा ने पिछले साल राहतगढ़ नगर परिषद के चुनाव में गोविंद राजपूत के समर्थक को हराकर अपने समर्थक को नगर परिषद अध्यक्ष की कुर्सी पर बैठाया था। वहीं दतिया के भाजपा युवा मोर्चा के पूर्व जिला अध्यक्ष राजू दांगी भी कांग्रेस में शामिल हुए।

बीजेपी के पूर्व विधायक जुगल किशोर बागरी बेटे देवराज बागरी और बहू वंदना बागरी भी कांग्रेस में शामिल हुए। भाजपा भी कुनबा बढ़ाने में जुटी-प्रदेश में सत्तारूढ़ पार्टी भाजपा भी अपना कुनबा बढ़ाने में जुटी हुई है। छिंदवाड़ा जिले की सौंसर विधानसभा क्षेत्र के सामाजिक कार्यकर्ता अजय धवले भाजपा में शामिल हुए। अजय धवले जिले में संस्था ग्रामीण आदिवासी समाज विकास संस्थान के माध्यम से दिव्यांगजनों एवं मनोरोगियों के समग्र विकास के लिए महत्वपूर्ण काम कर रहे हैं। वहीं अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत के पूर्व क्षेत्रीय सह संगठन मंत्री घनश्याम चंद्रवंशी एवं अतिथि शिक्षक संघ के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष जगदीश शास्त्री भी भाजपा में शामिल हुए।

मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव 2023

क्र.		विधानसभा का नंबर एवं नाम	उम्मीदवार का नाम
1.	3	सबलगढ़ Sabalgarh	**श्रीमती सरला विजेंद्र रावत** **Smt. Sarla Vijendra Rawat**
2.	5	सुमावली Sumawali	श्री अदल सिंह कंसाना Shri Adal Singh Kansana
3.	13	गोहद (अजा) Gohad (SC)	श्री लाल सिंह आर्य Shri Lal Singh Arya
4.	26	पिछोर Pichhore	श्री प्रीतम लोधी Shri Preetam Lodhi
5.	30	चाचौड़ा Chachoura	**श्रीमती प्रियंका मीणा** **Smt. Priyanka Meena**
6.	33	चंदेरी Chanderi	श्री जगन्नाथ सिंह रघुवंशी Shri Jagannath Singh Raghuvanshi
7.	42	बंडा Banda	श्री वीरेन्द्र सिंह लम्बरदार Shri Veerendra Singh Lambardar
8.	48	महाराजपुर Maharajpur	श्री कामाख्या प्रताप सिंह Shri Kamakhya Pratap Singh
9.	51	छतरपुर Chhatarpur	**श्रीमती ललिता यादव** **Smt. Lalita Yadav**
10.	54	पथरिया Pathariya	श्री लखन पटेल Shri Lakhan Patel
11.	59	गुन्नौर (अजा) Gunnaor (SC)	श्री राजेश कुमार वर्मा Shri Rajesh Kumar Verma
12.	61	चित्रकूट Chitrakoot	श्री सुरेंद्र सिंह गहरवार Shri Surendra Singh Gaharwar
13.	88	पुष्पराजगढ़ (अजजा) Pushprajgarh (ST)	श्री हीरासिंह श्याम Shri Heerasingh Shyam
14.	91	बड़वारा (अजजा) Barwara (ST)	श्री धीरेंद्र सिंह Shri Dhirendra Singh
15.	96	बरगी Bargi	श्री नीरज ठाकुर Shri Neeraj Thakur
16.	97	जबलपुर पूर्व (अजा) Jabalpur Purba (SC)	**श्रीमती अंचल सोनकर** **Smt. Anchal Sonkar**

3

क्र.		विधानसभा का नंबर एवं नाम	उम्मीदवार का नाम
17.	103	शाहपुरा (अजजा) Shahpura (ST)	श्री ओमप्रकाश धुर्वे Shri Omprakash Dhurwey
18.	105	बिछिया (अजजा) Bichhiya (ST)	डॉ. विजय आनंद मरावी Dr. Vijay Anand Marawi
19.	108	बैहर (अजजा) Baihar (ST)	श्री भगत सिंह नेताम Shri Bhagat Singh Netam
20.	109	लांजी Lanji	श्री राजकुमार कर्रायें Shri Rajkumar Karrahe
21.	114	बरघाट (अजजा) Barghat (ST)	श्री कमल मस्कोले Shri Kamal Maskole
22.	118	गोटेगाँव (अजा) Gotegaon (SC)	श्री महेंद्र नागेश Shri Mahendra Nagesh
23.	125	सौंसर Saunsar	श्री नानाभाऊ मोहोड Shri Nanabhau Mohod
24.	128	पांढुर्णा (अजजा) Pandhurna (ST)	श्री प्रकाश उइके Shri Prakash Uikey
25.	129	मुल्ताई Multai	श्री चन्द्रशेखर देशमुख Shri Chandrashekhar Deshmukh
26.	133	भैंसदेही (अजजा) Bhainsdehi (ST)	श्री महेंद्र सिंह चौहान Shri Mahendra Singh Chouhan
27.	150	भोपाल उत्तर Bhopal Uttar	श्री आलोक शर्मा Shri Alok Sharma
28.	153	भोपाल मध्य Bhopal Madhya	श्री ध्रुव नारायण सिंह Shri Dhruv Narayan Singh
29.	170	सोनकच्छ (अजा) Sonkatch (SC)	श्री राजेश सोनकर Shri Rajesh Sonkar
30.	183	महेश्वर (अजा) Maheshwar (SC)	श्री राजकुमार मेव Shri Rajkumar Mev
31.	184	कसरावद Kasrawad	श्री आत्माराम पटेल Shri Atmaram Patel
32.	191	अलीराजपुर (अजजा) Alirajpur (ST)	श्री नागर सिंह चौहान Shri Nagar Singh Chouhan
33.	193	झाबुआ (अजजा) Jhabua (ST)	श्री भानू भूरिया Shri Bhanu Bhuriya

4

क्र.		विधानसभा का नंबर एवं नाम	उम्मीदवार का नाम
34.	195	पेटलावद (अजजा) Petlawad (ST)	**श्रीमती निर्मला भूरिया** **Smt. Nirmala Bhuriya**
35.	198	कुक्षी (अजजा) Kukshi (ST)	श्री जयदीप पटेल Shri Jaydeep Patel
36.	200	धरमपुरी (अजजा) Dharampuri (ST)	श्री कालू सिंह ठाकुर Shri Kalu Singh Thakur
37.	210	राऊ Rau	श्री मधु वर्मा Shri Madhu Verma
38.	214	तराना (अजा) Tarana (SC)	श्री ताराचंद गोयल Shri Tarachand Goyal
39.	215	घाटिया (अजा) Ghatiya (SC)	श्री सतीश मालवीय Shri Satish Malviya

(अरुण सिंह)
राष्ट्रीय महासचिव एवं
मुख्यालय प्रभारी

गुटबाजी से जूझ रही है। ग्वालियर-चंबल में भाजपा नई और पुरानी भाजपा में बंट गई है और आए दिन दोनों ही खेमे आमने सामने दिखाई देते है। बात चाहे पंचायत चुनाव की हो या नगरीय निकाय चुनाव में उम्मीदवारों के चयन की। नई भाजपा और पुरानी भाजपा के नेताओं में टकराव साफ देखा गया था। ग्वालियर नगर निगम के महापौर में भाजपा उम्मीदवार के टिकट को फाइनल करने को लेकर ग्वालियर से लेकर भोपाल तक और भोपाल से लेकर दिल्ली तक जोर अजमाइश देखी गई थी और सबसे आखिरी दौर में टिकट फाइनल हो पाया था। ग्वालियर नगर निगम में महापौर चुनाव में 57 साल बाद भाजपा की हार को भी नई और पुरानी भाजपा की खेमेबाजी का परिणाम बताया जाता है। गौर करने वाली बात यह है कि भाजपा की महापौर उम्मीदवार को सिंधिया खेमे के मंत्री के क्षेत्र से बड़ी हार का सामना करना पड़ा था।

बहरहाल, मध्यप्रदेश में भाजपा ने कांग्रेस के कब्जे वाली 39 विधानसभा सीटों पर जीत की आंकाक्षा के साथ उपने उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी है। विधानसभा चुनाव की तारीखों के एलान से भी करीब दो महीने पहले पार्टी ने उम्मीदवारों की जो सूची जारी की है उसमें कई दिग्गजों को मैदान में उतारा है। दिलचस्प बात यह है कि पार्टी ने 2018 में चुनाव हारे 14 चेहरों को फिर एक बार मौका दिया है। अगर भाजपा की उम्मीदवारों की पहली सूची को देखते तो इसमें 70 से अधिक आयु के 2 उम्मीदवार, 60 साल से 70 साल के बीच 7 उम्मीदवार, 50 से 60 साल के उम्र के बीच के 13 उम्मीदवार, 40 से 50 साल की आयु के बीच के 10 उम्मीदवार और 40 साल से कम उम्र के 7 उम्मीदवार है। इसके साथ विधानसभा चुनाव की उम्मीदवारों की पहली सूची में भाजपा ने जातिगत समीकरणों को भी साधने की कोशिश की है। इसमें ओबीसी और एसटी उम्मीदवारों की संख्या 13-13 के साथ एससी उम्मीदवारों की संख्या 8 है। इसके साथ भाजपा ने 5 सीटों पर जनरल कैटेगरी के कार्यकर्ताओं को अपना उम्मीदवार बनाया है।

हालांकि भाजपा की विधानसभा चुनाव को लेकर उम्मीदवारों की पहली सूची को देखे तो पार्टी ने 50 फीसदी के करीब उन चेहरों पर दांव लगाया है जो 2018 और 2013 में हार चुके है। इंदौर के राउ विधानसभा सीट से मधु वर्मा को टिकट दिया गया है। वहीं पार्टी ने गोहद विधानसभा सीट से अनुसूचित जनजाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष लाल सिंह आर्य को उम्मीदवार बनाया है। लाल सिंह आर्य 2018 का चुनाव हार चुके है। गोहद से पिछला चुनाव लड़े सिंधिया समर्थक रणवीर जाटव का टिकट कट गया है। वहीं सुमावली से सिंधिया समर्थक अदल सिंह कंसाना को उम्मीदवार बनाया है। वहीं पार्टी ने पिछोर विधानसभा सीट से प्रीतम लोधी को अपना उम्मीदवार बनाया है। राजधानी भोपाल से भाजपा ने दो सीटों पर अपने उम्मीदवारों के नामो का एलान किया है। भाजपा ने भोपाल उत्तर विधानसभा सीट से पूर्व महापौर आलोक शर्मा और भोपाल मध्य विधानसभा सीट से ध्रुवनारायण सिंह को उम्मीदवार बनाया है। भोपाल उत्तर विधानसभा सीट कांग्रेस के गढ़ के रूप में पहचानी जाती है। भोपाल उत्तर विधानसभा सीट पर कांग्रेस के आरिफ अकील का पिछले 25 साल से कब्जा है। इस बार आरिफ अकील ने खराब स्वास्थ्य होने के चलते

अपने बेटे को अपना उत्तराधिकारी घोषित किया है। ऐसे में भाजपा ने इस बार भोपाल उत्तर विधानसभा सीट पर सेंध लगाने के

लिए पूर्व महापौर आलोक शर्मा को अपना उम्मीदवार बनाया है। पूर्व महापौर आलोक शर्मा वर्तमान में भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष है वह लगातार भोपाल उत्तर विधानसभा सीट पर सक्रिया थे। भोपाल मध्य विधानसभा सीट से भाजपा ने पूर्व विधायक ध्रुवनारायण सिंह को अपना उम्मीदवार बनाया है। भाजपा के गढ़ के रूप में पहचान रखने वाली भोपाल मध्य विधानसभा सीट पर 2018 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के आरिफ मसूद ने जीत हासिल की थी। ऐसे में अब भाजपा ने एक बार ध्रुवनारायण सिंह पर अपना भरोसा जाताया है।

गौरतलब हो कि भाजपा की ओर से उम्मीदवारों की पहली सूची जारी होते ही अब पार्टी के अंदर विरोध के सुर भी उठने लगे है ।

छतरपुर विधानसभा सीट से ललिता यादव को टिकट दिए जाने के बाद अब भाजपा में विरोध खुलकर सामने आ गया है। भाजपा नेता और पूर्व प्रत्याशी अर्चना गुड्डू सिंह के सैकड़ों समर्थकों ने सड़क पर उतरकर विरोध प्रदर्शन किया। छतरपुर के बाद बैतूल की मुलताई विधानसभा सीट से पूर्व विधायक चंद्रशेखर को टिकट दिए जाने के बाद मुलताई में भी विरोध के सुर सुनाई देने लगे है। टिकट के दावेदार भाजपा नेता पलाश कड़वे ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट कर लिखा कि मुलताई को डूबने से कोई नहीं बचा सकता और बीजेपी को जय श्री राम। वहीं मुरैना की सबलगढ़ विधानसभा सीट से सरला राव को टिकट देने के बाद भाजपा के तरफ से टिकट के दावेदार प्रदेश महामंत्री रणवीर रावत के बेटे ने भी पार्टी संगठन पर सवाल उठाए है। हलांकि रणवीर रावत ने किसी भी तरह के नाराजगी से इंकार किया है। वहीं भाजपा क्या चुनाव से ठीक पहले ऐन वक्त पर कुछ उम्मीदवारों के टिकट बदलेगी, इस सवाल पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने कहा कि इसका कोई सवाल ही नहीं है। उन्होंने कहा कि घोषित सभी उम्मीदवार भाजपा के कर्मठ कार्यकर्ता हैं और वह चुनाव जीतेंगे। वही उम्मीदवारों की पहली सूची पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी पूरी तरह से मैदान में है। युद्ध स्तर पर हमारी तैयारियां चल रही है। कांग्रेस कह रही थी कि 1 साल पहले उम्मीदवार घोषित करेंगे, 6 महीने पहले उम्मीदवार घोषित करेंगे लेकिन भारतीय जनता पार्टी ने तो अपने उम्मीदवार घोषित कर दिए। हमारे सेनापति अब मैदान में है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा की तैयारी देखकर कांग्रेस परेशान है। अभी 20 तारीख को फिर से केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह भोपाल आ रहे हैं। वह सबका रिपोर्ट कार्ड जारी करेंगे। हमने जो काम किया है उनके बारे में बताएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि विस्तारित कार्यकारिणी की बैठक फिर ग्वालियर में 20 तारीख को होने वाली है। विधानसभा के सम्मेलन चल रहे हैं, जन दर्शन चल रहे हैं, अलग-अलग कार्यक्रम चल रहे हैं। हम लोग विजय के संकल्प और विश्वास के साथ मैदान में है। कांग्रेस बौखला गई है इसलिए उलूल-जलूल आरोपो पर उतर आई है लेकिन जनता का जो प्यार और आशीर्वाद मिल रहा है वह अद्भुत और अभूतपूर्व है। जन दर्शन में भीड़ उमड़ रही है। हमारी कई यात्राएं भी प्रारंभ होने वाली है। इसी को देखकर कांग्रेस परेशान है। भारतीय जनता पार्टी फिर से भारी बहुमत से 2023 का विधानसभा चुनाव जीत कर सरकार बनाने वाली है और 2024 में लोकसभा की 29 की 29 सीटें भारतीय जनता पार्टी जीतेगी।

Ashwini Vaishnaw inaugurates India's first 3D-printed post office, WATCH how it was constructed in just 45 days

Larsen and Toubro Limited has built India's first 3D-printed Post Office in 45 days as compared to about 6 to 8 months time taken by the conventional method.The building was inaugurated by IT and Railways Minister Ashwini Vaishnaw at Bengaluru GPO building here on Friday. IIT Madras gave technology guidance to DoPs in the project. The built-up area of the post office is 1021 square feet. The construction of the building was carried out through 3D concrete technology which is a fully automated building construction technology wherein a robotic printer deposits the concrete layer by layer as per the approved design and special grade concrete. The special grade concrete hardens quickly and is used to ensure bonding between the layers for the purpose of printing the structure. Cost and time savings make 3D concrete printing technology a viable alternative to conventional building practices. The process requires a delicate balance of concrete properties, including flowability, quick hardening for load-bearing capacity, green concrete status for inter-layer bonding, and sufficient strength to ensure successful printing. L&T Construction has executed 3D printing technology for projects such as affordable housing up to G+3 floors, villas, military barracks, and single-floor schools. It is looking to expand its portfolio of 3D printed structures in various sectors.

Advantages of 3D Concrete Printing :

☞ **Automation :-** Fully automated construction ensures excellent build quality and safe work environment.

☞ **Design Freedom :-** Without a formwork system, innovative and non-geometric building shapes can be constructed to enhance aesthetics & convenience and optimize overall cost.

☞ **Sustainable Construction :-** Elimination of timber and aluminum formwork; use of supplementary materials to optimize CO2 emission; less material wastages; less electrical energy consumption.

शिखर सम्मेलन से बढ़ेगा भारत का सम्मान

● अमित कुमार

राजधानी दिल्ली में होने वाले जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान 61 सड़कों और आयोजन स्थलों पर फूल-पत्तियों से सजे 6.75 लाख गमले लगाये जाएंगे। राज निवास के जिन प्रमुख स्थानों को गमले में लगे पौधों से सजाया जा रहा है, उनमें सरदार पटेल मार्ग, मदर टेरेसा क्रिसेंट, तीन मूर्ति मार्ग, धौला कुआं-आईजीआई एयरपोर्ट रोड, पालम टेक्निकल एरिया, इंडिया गेट सी-हेक्सागोन, मंडी हाउस, अकबर रोड गोल चक्कर, दिल्ली गेट, राजघाट और आईटीपीओ शामिल हैं। अधिकारियों ने कहा कि उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना की अध्यक्षता में एक बैठक के बाद उन एजेंसियों की पहचान करने के निर्देश जारी किये गये, जो इस अभियान का संचालन करेंगी और उन्हें विशिष्ट संख्या में अपनी ही नर्सरी से पौधे/गमले खरीदने का काम सौंपा गया है। इसके परिणामस्वरूप इन पौधों की खरीद और उसे विभिन्न स्थानों पर लगाने वाले पांच विभागों/एजेंसियों के बीच सहज समन्वय हुआ तथा उपराज्यपाल व्यक्तिगत रूप से इस कार्य की प्रगति की निगरानी कर रहे थे और पिछले कुछ महीनों में विभिन्न गलियारों का निरीक्षण कर रहे थे। अधिकारी ने बताया कि यद्यपि वन विभाग और दिल्ली पार्क्स एंड गार्डन सोसाइटी ने 3.75 लाख गमले (1.25 लाख पत्तियों के गुच्छे और 2.5 लाख फूल), जबकि पीडब्ल्यूडी ने 50,000 गमले (35,000 पत्तियों के गुच्छे और 15,000 फूल), डीडीए ने एक लाख (85,000 पत्तियों के गुच्छे और 15,000 फूल) और एनडीएमसी ने एक लाख और एमसीडी ने फूलों और पत्तियों के 50,000 गमले लगाये हैं। 61 सड़कों पर पत्तियों के गुच्छों वाले 4.05 लाख गमले पहले ही लगाए जा चुके हैं, शेष गमलों में फूल वाले पौधे सितंबर के पहले सप्ताह में लगाए जाएंगे, ताकि जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान पौधे पूरी तरह खिल सकें।

गौरतलब हो कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिल्लीवासियों से अपील की है कि अगले महीने यहां जी20 शिखर सम्मेलन के आयोजन के कारण कई देशों के नेताओं की मौजूदगी के कारण हो सकने वाली असुविधा के बावजूद वे इस आयोजन को सफल बनाने में मदद करें। शिखर सम्मेलन का आयोजन राष्ट्रीय राजधानी में 9 और 10 सितंबर को किया जाएगा। इसमें यूरोपीय संघ और आमंत्रित अतिथि देशों के 30 से अधिक राष्ट्राध्यक्ष एवं शीर्ष अधिकारियों और 14 अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रमुखों के भाग लेने की संभावना है। मोदी दो देशों की यात्रा के बाद दिल्ली लौटे, जहां हवाई अड्डे पर उनके स्वागत के लिए पहुंची लोगों की भीड़ को उन्होंने संबोधित किया। प्रधानमंत्री ने जी20 शिखर सम्मेलन के प्रबंध के कारण लोगों को हो सकने वाली असुविधा के लिए उनसे पहले से ही माफी मांगी। मोदी दक्षिण अफ्रीका और यूनान की यात्रा के बाद सीधे बेंगलुरु पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि पूरा देश जी20 शिखर सम्मेलन का मेजबान है, लेकिन मेहमान दिल्ली में आ रहे हैं। दिल्लीवासियों पर इस जी20 शिखर सम्मेलन को सफल बनाने की विशेष जिम्मेदारी है। उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि देश की प्रतिष्ठा पर तनिक भी आंच न आए। दिल्लीवासियों को यातायात नियमों में बदलाव के कारण असुविधा झेलनी पड़ सकती है। प्रधानमंत्री ने कहा कि 5 सितंबर से 15 सितंबर तक बहुत असुविधा होगी और उसके लिए मैं पहले से माफी मांगता हूं। वे हमारे मेहमान हैं। यातायात नियम बदल जाएंगे। आपको कई जगहों पर जाने से रोका जाएगा, लेकिन कुछ चीजें जरूरी हैं। उन्होंने कहा कि जी20 में दिल्लीवासियों की बड़ी जिम्मेदारी है। यह सुनिश्चित करना आपकी जिम्मेदारी है कि देश का तिरंगा शान से ऊंचा लहराता रहे।

देश के सबसे बड़ा परीक्षा केंद्र

'बापू परीक्षा परिसर' का सीएम नीतीश ने किया उद्घाटन

● अमित कुमार

बीते 23 अगस्त को मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने पटना के कुम्हरार में नवनिर्मित देश के सबसे बड़े परीक्षा केंद्र 'बापू परीक्षा परिसर' का शिलापट्ट अनावरण कर एवं फीता काटकर उद्घाटन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने रिमोट के माध्यम से बिहार विद्यालय परीक्षा समिति की विभिन्न योजनाओं का भी शुभारंभ किया। बापू परीक्षा परिसर का निर्माण परीक्षा व्यवस्था को और उत्कृष्ट बनाने के लिए किया गया है। 261.11 करोड़ रुपये की लागत से लगभग 6 एकड़ में फैले बापू परीक्षा परिसर का निर्माण कराया गया है। आधुनिक सुविधाओं से युक्त इस परीक्षा केंद्र में ऐसी व्यवस्था की गई है कि विभिन्न परीक्षाओं के संचालन में किसी प्रकार की दिक्कत नहीं हो। मुख्यमंत्री ने आज बिहार विद्यालय परीक्षा समिति के द्वितीय चरण के सुधारों की कार्ययोजना का शुभारंभ किया साथ ही उन्होंने बिहार बोर्ड के मेधावी विद्यार्थियों के लिए इंजीनियरिंग एवं मेडिकल प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी हेतु पटना प्रमंडल में नि:शुल्क आवासीय अनुशिक्षण (कोचिंग) तथा शेष 8 प्रमंडलीय मुख्यालयों में नि:शुल्क गैर आवासीय अनुशिक्षण (कोचिंग) कार्यक्रम का भी शुभारंभ किया। द्वितीय चरण के सुधारों की कार्ययोजना के तहत राज्य के शेष सभी 29 जिलों में परीक्षा भवनों की स्थापना तथा राज्य के सभी 38 जिलों में वज्रगृहों की स्थापना की जाएगी। राज्य के सभी 9 प्रमंडलों में कंप्यूटर आधारित परीक्षा हेतु ऑनलाइन परीक्षा केंद्रों-सह-कंप्यूटर प्रशिक्षण केंद्रों की स्थापना, राज्य के सभी मैट्रिक एवं इंटर शिक्षण संस्थानों में प्रति माह एसेसमेंट सिस्टम की शुरुआत तथा राज्य के सभी इंटर एवं मैट्रिक शिक्षण संस्थानों में लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम का भी अधिष्ठापन किया जाएगा। बिहार विद्यालय परीक्षा समिति की सभी प्रकार की सेवाओं के लिए सिंगल विंडो सिस्टम की व्यवस्था, नये इंटर एवं मैट्रिक स्तरीय शिक्षण संस्थानों के लिए जी0आई0एस0 बेस्ड ऑनलाइन एफलिएशन एंड इंस्पेक्शन सिस्टम की व्यवस्था तथा बिहार विद्यालय परीक्षा समिति की सभी परीक्षाओं में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस आधारित फॉर्म भरने की प्रक्रिया एवं आर्टिफिशियल बेस्ड डेटा सैनिटाइजेशन की व्यवस्था होगी। बिहार विद्यालय परीक्षा समिति की सभी परीक्षाओं में आर0एफ0आई0डी0 बेस्ड सिक्यूरिटी एवं ट्रैकिंग सिस्टम की व्यवस्था होगी। मुख्यमंत्री ने उद्घाटन के पश्चात् पांच तल्लवाले परीक्षा केंद्र के भवन का निरीक्षण किया। मुख्य भवन को ए0 और बी0 ब्लॉक में बांटा गया है जहां 20 हजार से 25 हजार विद्यार्थियों के ऑनलाइन और ऑफलाइन परीक्षा देने की व्यवस्था की गई है। मुख्यमंत्री ने पहले एवं पांचवें तल्ले पर जाकर परीक्षा हॉल एवं विभिन्न कमरों का निरीक्षण किया और वहां की व्यवस्थाओं के संबंध में विस्तृत जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने भवन की छत पर लगे सोलर प्लेट को भी देखा तथा वहां और अधिक सोलर प्लेट लगाने का अधिकारियों को निर्देश दिया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान बिहार विद्यालय परीक्षा समिति के अध्यक्ष श्री आनंद किशोर ने मुख्यमंत्री को हरित पौधा एवं मोमेंटो भेंटकर स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान बिहार विद्यालय परीक्षा समिति की विभिन्न योजनाओं पर आधारित एक लघु वृत्त चित्र प्रदर्शित की गई।

मुख्यमंत्री ने बापू परीक्षा परिसर में पौधारोपण भी किया।

इस अवसर पर शिक्षा मंत्री श्री चंद्रशेखर, भवन निर्माण मंत्री श्री अशोक चौधरी, बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के उपाध्यक्ष श्री उदयकांत मिश्रा, मुख्य सचिव श्री आमिर सुबहानी, शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री के0के0 पाठक, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव डॉ0 एस0 सिद्धार्थ, बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सदस्य श्री मनीष कुमार वर्मा, बिहार विद्यालय परीक्षा समिति के अध्यक्ष श्री आनंद किशोर, मुख्यमंत्री के सचिव श्री अनुपम कुमार, भवन निर्माण विभाग के सचिव सह पटना प्रमंडल के आयुक्त श्री कुमार रवि, मुख्यमंत्री के विशेष कार्यपदाधिकारी श्री गोपाल सिंह, पटना जिला के जिलाधिकारी श्री चंद्रशेखर सिंह, पटना के वरीय पुलिस अधीक्षक श्री राजीव मिश्रा सहित अन्य वरीय अधिकारीगण, बिहार राज्य नागरिक परिषद् के पूर्व महासचिव श्री अरविंद कुमार सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। बापू परीक्षा परिसर के उद्घाटन करने के पश्चात् मुख्यमंत्री ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि हमलोग बहुत पहले से कोशिश कर रहे थे कि पटना में एक बड़ा परीक्षा भवन बने जहां बैठकर बड़ी संख्या में परीक्षार्थी परीक्षा दे सकें। पटना में परीक्षा भवन का निर्माण कार्य पूरा हो गया है, बाकी जगहों पर भी इसका निर्माण करवा रहे हैं। इस भवन में हर दिन परीक्षा हो सकती है। हमारी इच्छा के अनुसार यहां पर भवन बन गया है, इससे मुझे खुशी है। हमने ही कहा था कि इस भवन का नामकरण बापू के नाम पर कीजिए। बापू के नाम पर ही इसका नामकरण बापू परीक्षा परिसर किया गया है, यह बहुत खुशी की बात है। आपलोग देख रहे हैं कि हमलोग कितना काम कर रहे हैं।

J&K lecturer suspended soon after arguing in SC against Article 370

Supreme Court on Monday asked the country's top law officer] the Attorney General (AG) R Venkataramani] to talk to the Lieutenant Governor (LG) of Jammu and Kashmir] Manoj Sinha] and find out the reasons for the suspension of Zahoor Ahmad Bhat] a teacher] for appearing in person before the apeñ court and arguing against the Abrogation of Article 370-

The issue was raised by senior advocate Kapil Sibal] who termed the alleged act unfair- "This is not fair- This is not how our democracy should function"] Sibal told the Supreme Court- To this end] the Chief Justice&led bench asked the AG to look into the matter and find out the reasons- "If there is something else (other grounds) it is a separate thing- AG] you please speak to the LG and see what can be done]" the CJI Dr Dhananjaya Yeshwant Chandrachud] said- The Solicitor General (SG)] Tushar Mehta] on behalf of the AG] interjected and said there are other reasons as he continues to appear in court in various matters by taking leave from his teaching job- "We will look into it- There could be other issues than appearing here in this matter]" SG Mehta told the Apeñ Court-An anñious and concerned court also said such close succession to his appearing and getting suspended needed to be eñamined by Bhat] an Indian polity teacher in J&K who had appeared before the Supreme Court in the Article 370 batch of pleas hearing as one of the petitioners-He had also argued in the case against the scrapping of Article 370 before the Apeñ Court- Surprisingly] he was later suspended from his post- The five&judge Constitution bench is hearing a batch of petitions challenging the abrogation of Article 370 and the bifurcation of the erstwhile state of Jammu and Kashmir into two Union territories-

The Positive Aspects of Games Like Bingo

Games have always been a big part of our lives, bringing us joy and fun no matter who we are or how old we are. One type of game that many people enjoy is bingo. It's a game that's easy to play but still really exciting. In this article, we're going to talk about bingo and how it's not just a game, but something that can actually be good for us. It helps us make friends, think better, relax, and even feel happier.

☞ **Social Interaction and Community Building**

Games like bingo are not just about numbers and cards; they are also about people coming together to share moments of joy and laughter. These games naturally foster social interaction, as players gather around tables or virtual platforms to engage in friendly competition. Whether in a bingo hall or online chat rooms, players chat, share stories, and celebrate each other's wins. Moreover, these games have a remarkable ability to create a sense of community among participants. Regular players often develop bonds that go beyond the game, forming friendships that extend into everyday life.

☞ **Cognitive Benefits**

Playing a bingo game is not only fun but also a workout for the brain. These types of games challenge players to stay focused, remember patterns, and make quick decisions – all of which contribute to mental sharpness. As players listen for called numbers and mark their cards, they're exercising their memory and attention skills. The fast-paced nature of the game requires quick thinking and decision-making, stimulating cognitive processes. Studies have indicated that playing bingo can have positive effects on cognitive functions, particularly in areas related to memory and processing speed.

☞ **Stress Relief and Relaxation**

Bingo offers more than just a chance to win; it provides a fun and enjoyable way to relax and unwind. Whether playing in a bingo hall or online, these games create a pleasant diversion from daily stressors. As players immerse themselves in the game, they often find their worries fading into the background. The light-hearted nature of bingo can help release built-up tension and promote relaxation. Engaging in leisure activities like bingo is important for overall well-being, as they offer a break from routine and a chance to recharge. It's like taking a mental vacation, allowing players to step away from the pressures of the day and enjoy some carefree entertainment.

☞ **Enhancing Mood and Happiness**

Bingo can do wonders for our mood and overall happiness. When we engage in these games, our brains release feel-good chemicals called endorphins. These natural chemicals create a sense of joy and happiness, which can contribute to an improved mood. The thrill of winning a game, whether it's marking off the final number in a row or completing a pattern, adds an extra layer of excitement. This burst of positive emotion can lead to increased feelings of

happiness and accomplishment. Even without a win, the act of playing itself can be incredibly enjoyable. The friendly competition, the anticipation of the next number, and the camaraderie with fellow players all add to the fun.

☞ **Inclusivity and Accessibility**

Bingo has a special quality that makes them accessible to people of all ages and abilities. Whether you're a child, a teenager, or a senior, bingo offers a timeless form of entertainment that transcends generations. This inclusivity extends to individuals with different abilities as well. Many variations of bingo can be adapted to accommodate various needs, making them a fun and engaging activity for everyone. Whether you're playing in a physical bingo hall or online, the sense of belonging and inclusivity is evident. These games bring people together from different backgrounds, fostering a shared experience and a feeling of unity. The fact that anyone can participate and enjoy the game adds to its charm and demonstrates the power of games to create a sense of togetherness.

☞ **Promoting Healthy Competition**

Bingo offers a healthy dose of competition that can be both enjoyable and beneficial. Friendly competition is a natural part of human nature and can motivate individuals to strive for their best. During bingo games, players challenge themselves to mark off numbers quickly or complete patterns before others do. This sense of competition adds an extra layer of excitement to the game and encourages players to push their boundaries. While winning is a goal, it's the process of aiming for victory that contributes to personal growth and improvement. Players learn to set goals, develop strategies, and enhance their skills. This healthy competition fosters a positive environment where players can celebrate each other's achievements and find inspiration in others' successes.

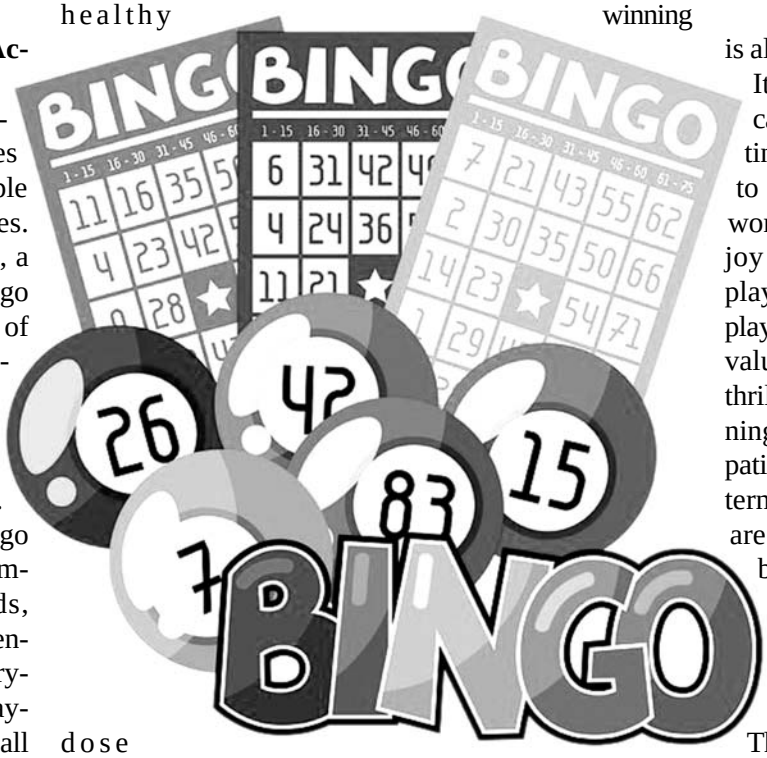

☞ **Entertainment and Fun**

At its core, bingo is all about entertainment. It gives a delightful escape from everyday routines and offers a chance to immerse oneself in a world of amusement. The joy and excitement that players experience while playing these games are invaluable. Whether it's the thrill of marking off a winning number or the anticipation of completing a pattern, the moments of fun are countless. Games like bingo tap into our natural sense of play and curiosity, giving us a break from the demands of daily life. They allow us to unwind, laugh, and simply enjoy the act of playing. In this way, bingo acts as a powerful source of happiness and pleasure, reminding us of the importance of embracing moments of pure entertainment.

चीन के साथ नौसैनिक होड़ में पिछड़ा अमेरिका

● राम यादव

लंबे समय तक अमेरिका विश्व की निर्विवाद सैन्य महाशक्ति रहा है। हालांकि समुद्र में चीनी नौसेना पहले ही अमेरिकियों से आगे निकल चुकी है। इसलिए दोनों के बीच हथियारों की इस समय एक अपूर्व होड़ चल पड़ी है। अमेरिका में पारदर्शिता की भी अपनी सीमाएं हैं, खासकर तब, जब बात सेना के बारे में हो। चीन किसी अन्य क्षेत्र में अमेरिका को उतनी चुनौती नहीं देता जितना समुद्र में देता है।

☞ **समुद्री युग के मध्य में :** भूतपूर्व सोवियत संघ के साथ शीत युद्ध के दिनों वाली हथियारों की दौड़ भी वायु और थल सेना पर ही अधिक केंद्रित थी। किंतु 21वीं सदी की शुरुआत से हिंद-प्रशांत क्षेत्र में हालात कठिन हो रहे हैं, क्योंकि चीन और अमेरिका के अलावा भारत जैसी अन्य शक्तियां भी लंबे समय से इस जोखिम भरी प्रतिद्वंद्विता में शामिल हो चुकी हैं। स्टॉकहोम के 'इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट' के अनुसार, दुनियाभर में सैन्य खर्च पिछले 20 वर्षों में 1.12 खरब डॉलर से दोगुना होकर 2.11 खरब डॉलर हो गया है। एशिया और ओशीनिया क्षेत्र की हिस्सेदारी 18 से बढ़कर 28 प्रतिशत हो गई है।

☞ **प्रशांत महासागर में बेचैनी :** दशकों तक अमेरिका ने दुनियाभर में कहीं भी अपनी मनमानी की स्वतंत्रता का आनंद लिया। लेकिन आज उसे एक अलग दुनिया का सामना करना पड़ रह है। समुद्र नौसैनिक प्रतिस्पर्धा का मुख्य केंद्र बन गया है। अमेरिकी नौसेना के चार सितारों वाले एडमिरल डेरिल कॉडल का कहना है कि अमेरिका नहीं, चीन

की नौसेना दुनिया में सबसे बड़ी है। वास्तव में 2015 और 2020 के बीच अमेरिका समुद्र में चीन से पिछड़ गया। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय पेंटागन इसे स्वीकार करता है। चीन के पास पहले से ही लगभग 340 युद्धक विमान, पनडुब्बियां, उभयचर समुद्री जहाज, बारूदी सुरंगें झेल सकने वाले युद्धपोत, विमान वाहक युद्धपोत और नौसैनिक बेड़ों की सहायता करने वाले जहाज हैं। इस संख्या में 85 गश्ती नौकाएं और जहाज-भेदी क्रूज मिसाइलें शामिल नहीं हैं। योजना के अनुसार चीनी नौसेना की कुल ताकत 2025 तक 400 जहाजों तक और 2030 तक 440 जहाजों तक बढ़ जाएगी। एडमिरल कॉडल के अनुसार अमेरिकी नौसेना में इस समय लगभग 295 जहाज हैं और आने वाले वर्षों में भी उनकी संख्या इतनी ही रहेगी। वे मानते हैं कि चीन के साथ सामरिक प्रतिस्पर्धा के कारण सैन्य संघर्ष की संभावना लगातार बढ़ती जा रही है: 'हम अब और पीछे रहने का जोखिम नहीं उठा सकते'

☞ **अमेरिकी नौसेना की कमजोर होती क्षमताएं :** संख्याबल के मामले में अमेरिका चीन से पिछड़ रहा है। वॉशिंगटन स्थित थिंक टैंक हेरिटेज फाउंडेशन ने 'अमेरिकी सैन्य शक्ति का सूचकांक' शीर्षक अपनी वार्षिक रिपोर्ट में अमेरिकी नौसेना की क्षमताओं को 'बहुत कमजोर' के रूप में वर्गीकृत किया है। उसके लेखक यह भी मानते हैं कि अमेरिकी नौसैनिक बेड़ा चीन की तुलना में सिकुड़ रहा है। वर्तमान और भावी अनुमानित फंडिंग का स्तर नौसेना की गिरावट को तब तक रोक नहीं सकेगा, जब तक कि अमेरिकी संसद के दोनों सदन लगातार कई वर्षों तक फंडिंग बढ़ाने के लिए असाधारण प्रयास नहीं करते।

☞ **चीनी धौंस-धमकी :** प्रशांत महासागर क्षेत्र में ठीक इस समय युद्ध आसान नहीं लगता। लेकिन इस क्षेत्र में चीनी नौसेना और वायु सेना की धौंस-धमकी वाली घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। पेंटागन ने इस बारे में कुछ समय पहले एक चेतावनी जारी की। 'अंतर्राष्ट्रीय जलमार्गों या हवाई क्षेत्रों में काम कर रहे अमेरिकी सैन्यबलों में चीनी विमानों और जहाजों द्वारा समुद्र में जोखिम भरी हवाई घटनाओं और टकरावों की संख्या को लेकर चिंता बढ़ती देखी जा रही है' अमेरिकी रक्षामंत्री लॉयड ऑस्टिन ने कुछ समय पूर्व की सिंगापुर की अपनी यात्रा के दौरान कहा कि उन्हें चिंता है कि कहीं कभी कोई गलती यानी टकराव न हो जाए। जून में अमेरिका द्वारा जारी एक वीडियो में ताइवान जलडमरूमध्य वाले अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में एक असुरक्षित' चीनी युद्धाभ्यास दिखाया गया था। उस समय चीनी नौसेना का एक जहाज अमेरिकी विध्वंसक यूएसएस चुंग-हून के रास्ते को तेजी से काट कर आगे बढ़ गया। उसके साथ टकराव से बचने केलिए अमेरिकी जहाज को अपनी गति धीमी करनी पड़ी।

☞ **पेंटागन का घोषित दृष्टिकोण :** अमेरिका का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय कानून जहां भी अनुमति देगा, अमेरिका वहां और अधिक जिम्मेदारी के साथ सुरक्षित उड़ानें भरना, नौकायन और दूसरे सैन्य संचालनकार्य जारी रखेगा। चीनी दृष्टिकोण यह है कि भौगोलिक निकटता को देखते हुए ताइवान जलडमरूमध्य के पास अमेरिका की ऐसी गतिविधियां चीन की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा करती हैं। इसका अर्थ यही है कि चीनी नौसेना अमेरिकी विमानों एवं नौसैनिक जहाजों का रास्ता रोकने या उन पर हमला करने की भी सोच सकती है। दुनिया को डर यही है कि कोई ऐसी घटना किसी भी समय दोनों पक्षों की बीच झड़प या युद्ध जैसी स्थिति का रूप भी ले सकती है।

नीरज चोपड़ा विश्व एथलेटिक्स चौंपियनशिप में स्वर्ण जीतने वाले पहले भारतीय एथलीट बन गए हैं। हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट के नेशनल एथलेटिक्स सेंटर में नीरज ने जेवलिन थ्रो इवेंट में 88.17 मीटर के थ्रो के साथ स्वर्ण पदक पर निशाना साधा। फाइनल में कुल छह अटेम्प्ट यानी राउंड होते हैं और नीरज ने दूसरे राउंड में ही 88.17 मीटर का थ्रो कर दिया था। इसके बाद से ही वह अंक तालिका में लीड बनाए हुए थे और अंत तक यह लीड कायम रहा। गौरतलब हो कि ओलंपिक, एशियाई खेल, राष्ट्रमंडल खेल और डायमंड लीग में चौंपियन बनने वाला यह खिलाड़ी इस टूर्नामेंट से पहले सिर्फ विश्व एथलेटिक्स चौंपियनशिप में ही स्वर्ण नहीं जीत पाया था, लेकिन अब उनकी झोली में इसका स्वर्ण पदक भी है। नीरज के छह अटेम्प्ट फाउल, 88.17 मीटर, 86.32 मीटर, 84.64 मीटर, 87.73 मीटर और 83.98 मीटर के रहे।

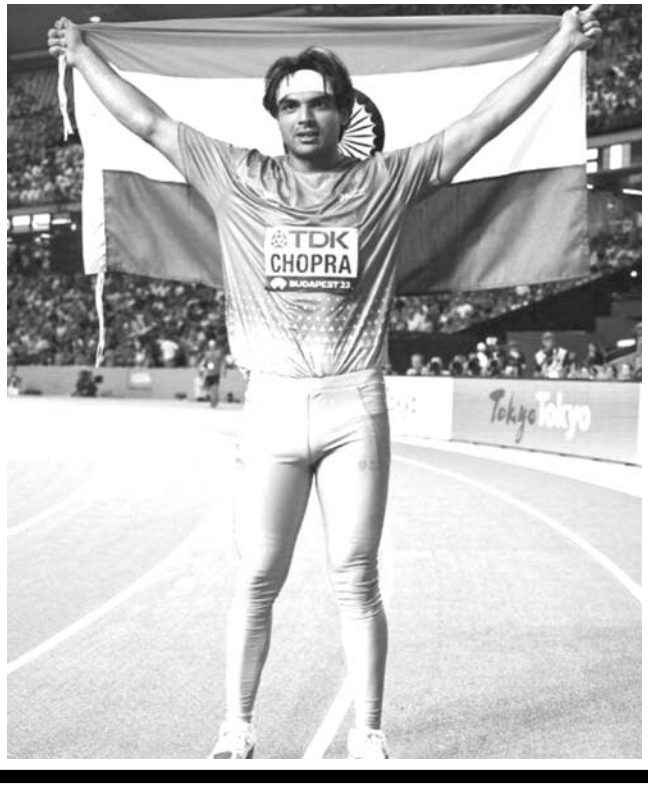

पाकिस्तान के अरशद नदीम ने 87.82 मीटर के थ्रो के साथ रजत पदक जीता। वहीं, चेक रिपब्लिक के जाकुब वेदलेच ने 86.67 मीटर के बेस्ट थ्रो के साथ कांस्य पदक पर निशाना साधा। नीरज के साथ फाइनल में भारत के दो अन्य खिलाड़ी डीपी मनु और किशोर जेना भी थे। किशोर 84.77 मीटर के बेस्ट थ्रो के साथ पांचवें स्थान पर और डीपी मनु 84.14 मीटर के बेस्ट थ्रो के साथ छठे स्थान पर रहे।

बताते चले कि विश्व एथलेटिक्स चौंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय बने नीरज चोपड़ा को बधाई देते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि उन्होंने भारतीय खेलों के इतिहास में एक और सुनहरा पन्ना लिख दिया है। मौजूदा ओलंपिक चैंपियन चोपड़ा ने बुडापेस्ट में चल रही विश्व चैंपियनशिप में पुरुषों की भालाफेंक स्पर्धा में 88.17 मीटर के थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता। वे ओलंपिक और विश्व चौंपियनशिप स्वर्ण एक समय पर जीतने वाले निशानेबाज

अभिनव बिंद्रा के बाद दूसरे भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। राष्ट्रपति ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उन्हे बधाई देते हुए कहा कि नीरज चोपड़ा ने विश्व एथलेटिक्स चौंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय बनकर भारतीय खेलों के इतिहास में एक और सुनहरा पन्ना जोड़ दिया। बुडापेस्ट में भालाफेंक फाइनल में उनका बेहतरीन प्रदर्शन हमारे लाखों युवाओं को प्रेरित करेगा। उन्होंने अंतिम 8 में जगह बनाने वाले तीनों भालाफेंक खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि यह देश के लिए गर्व की बात है कि 3 भारतीय- नीरज चोपड़ा, किशोर जेना और डी.पी. मनु विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप की भालाफेंक स्पर्धा में फाइनल तक पहुंचे और शीर्ष 6 में रहे। मैं उन सभी को बधाई देती हूं। उन्होंने लिखा कि उन्होंने भारतीय एथलेटिक्स को अभूतपूर्व ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। मैं उन्हें भविष्य में और उपलब्धियां हासिल करने के लिए शुभकामनाएं देती हूं। भालाफेंक फाइनल में भारत का इस कदर दबदबा था कि शीर्ष 6 में 3 भारत के खिलाड़ी थे और ऐसा विश्व चौंपियनशिप में पहली बार हुआ है कि शीर्ष 8 में 3 भारतीय रहे हों। किशोर जेना फाइनल में 5वें स्थान पर रहे जिन्होंने अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 84.77 मीटर का सर्वश्रेष्ठ थ्रो फेंका, वहीं डी.पी. मनु 6ठे स्थान पर रहे जिनका सर्वश्रेष्ठ थ्रो 84.14 मीटर का था। वही नीरज चोपड़ा को 'उत्कृष्टता का उदाहरण' बताते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि वह एथलेटिक्स ही नहीं बल्कि समूचे खेल जगत में अद्वितीय उत्कृष्टता के परिचायक हैं। मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उन्हें बधाई देते हुए लिखा,'' प्रतिभाशाली नीरज चोपड़ा उत्कृष्टता का उदाहरण हैं। उनकी प्रतिबद्धता, जुनून और जज्बा उन्हें सिर्फ एथलेटिक्स में ही नहीं बल्कि समूचे खेल जगत में अद्वितीय उत्कृष्टता का परिचायक बनाता है।''उन्होंने कहा,''विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने पर उन्हें बधाई।''

सनद् रहे कि नीरज चोपड़ा के विश्व एथलेटिक्स चौंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने पर उत्तर प्रदेश के खेल प्रेमियों के बीच खुशी की लहर दौड़ गयी है। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव समेत अन्य राजनीतिक दलों के नेताओं ने नीरज को उनकी इस उपलब्धि पर बधाई और शुभकामनायें प्रेषित की हैं। वहीं युवा एथलीटों ने खुशी का इजहार करते हुये नीरज को भारतीय एथलीट का गौरव बताया है। राज्यपाल ने देश का मानवर्धन करने वाली इस उपलब्धि के लिए नीरज चोपड़ा के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ट्वीट किया "बधाई हो नीरज चोपड़ा। वर्ल्ड एथलेटिक्स चौंपियनशिप में आपके अभूतपूर्व 88.17-मीटर थ्रो के कारण, आप डायमंड लीग ट्रॉफी, विश्व चैंपियनशिप स्वर्ण और ओलंपिक स्वर्ण जीतने वाले पहले भारतीय बन गए। आपकी उपलब्धियाँ पूरे देश की भावना को ऊपर उठाती हैं। प्रत्येक भारतीय गर्व और प्रेरणा से सातवें आसमान पर है। जय हिन्द।" वही सपा अध्यक्ष ने ट्वीट किया "विश्व एथलेटिक्स चौम्पियनशिप में गोल्ड मेडल जीतने पर नीरज चोपड़ा को हार्दिक बधाई व शुभकामनायें।" बताते चले कि खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि नीरज चोपड़ा ने फिर कर दिखाया। भारतीय एथलेटिक्स के गोल्डन ब्वॉय ने बुडापेस्ट में विश्व एथलेटिक्स चौम्पियनशिप में पुरूषों की भालाफेंक स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। इसके साथ ही वह विश्व चौम्पियनशिप में स्वर्ण जीतने वाले पहले भारतीय बन गए। ''उन्होंने आगे लिखा, ''पूरे देश को आपकी उपलब्धियों पर गर्व है। यह पल भारतीय खेलों के इतिहास में हमेशा याद रखा जायेगा।'' दूसरी तरफ ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने कहा कि भालाफेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा को बुडापेस्ट विश्व एथलेटिक्स चौम्पियनशिप में ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीतने की बधाई। आप अपने खेल कैरियर में ऐसी ही बुलंदियों को छूकर देश को गौरवान्वित करते रहें। भविष्य के लिये शुभकामनायें।''

कानूनी सलाह
शिवानंद गिरि
(अधिवक्ता)
Ph.- 9308454485
7004408851
E-mail :-
shivanandgiri5@gmail.com

✯ अपराधिक मामले में अभियुक्त, पीड़ित या सूचक की मौत हो जाने पर क्या केस की कार्यवाही बंद हो जाती है?

राज्य किसी भी अपराध की घोषणा करती है कि क्या काम अपराध है और किस काम को करना अपराध नहीं है, इसका निर्धारण स्टेट द्वारा किया जाता है जिस किसी भी कार्य या कार्य लोप को स्टेट द्वारा अपराध बना दिया जाता है उसके लिए निर्धारित किया गया दंड भी न्यायालय के आदेश से स्टेट द्वारा दिया जाता है।

एक अभियुक्त जिस पर कोई मुकदमा चलाया जा रहा है यदि वे कोई अपराध करता है तब उसका अपराध पीड़ित के खिलाफ नहीं होता है बल्कि राज्य के खिलाफ होता है जैसे कि भारत सरकार ने संसद द्वारा अधिनियमित किए गए कानून के माध्यम से उतावलेपन से मोटरयान चलाना एक अपराध बनाया गया है ऐसे उतावलापन के कारण अगर किसी व्यक्ति को किसी भी तरह की कोई नुकसान होती है तब वह व्यक्ति पीड़ित होगा लेकिन होने वाला अपराध राज्य के विरुद्ध किया गया माना जाता है। राज्य सरकार उस अपराध का अभियोजन चलाता है। अपराध साबित होने पर अभियुक्त को दोस्त सिद्ध कर दंडित किया जाता है।

एक आपराधिक मामले में अभियुक्त होते हैं और एक पीड़ित होते हैं। पीड़ित वह व्यक्ति होता है जिसे अपराध के जरिए नुकसान पहुंचाया गया है अगर किसी आपराधिक मामले में अभियुक्त या पीड़ित की मौत हो जाती है तब परिस्थितियां भिन्न हो जाती हैं।

☞ **पीड़ित की मौत होने पर केस की स्थिति :-** किसी आपराधिक मामले में पीड़ित की मौत होने पर अभियोजन पर किसी भी प्रकार का कोई भी प्रभाव नहीं पड़ता है जैसे कि किसी व्यक्ति को चाकू मारकर घायल किया गया है। चाकू से हमला करने वाले पर स्टेट अभियोजन चला रही है, कुछ समय बाद जिस व्यक्ति को चाकू से मारा गया था उसकी मौत हो जाती है तब मामला खत्म नहीं होता है, मुकदमे में अभियोजन तो चलता रहता है।

स्टेट मामले को अंत तक चलाती है क्योंकि स्टेट कभी भी समाप्त नहीं होती है। एक पीड़ित की मौत होने से केवल अभियोजन में एक गवाह कम हो जाता है, अगर पीड़ित ने गवाही दे दी है तब गवाह भी कम नहीं होता है। एक पीड़ित की मौत के बाद भी मुदालय को दंडित किया जा सकता। पीड़ित की मौत होने पर उसके उत्तराधिकारी की ओर से किसी भी आवेदन को लगाने की आवश्यकता नहीं होती है। वैसे चाहे तो सीआरपीसी की धारा 302 के तहत अभियोजन चलाने का परमीशन लिए जा सकते हैं। आवेदन लगाने की आवश्यकता सिविल मामले में होती है। आपराधिक मामलों में ऐसी कोई भी व्यवस्था नहीं है।

परिवाद पर दर्ज किए गए आपराधिक मामले में पीड़ित की मौत होने पर उसके उत्तराधिकारी आवेदन के माध्यम से स्वयं को उपस्थित कर सकते हैं जैसे कि कोई चेक बाउंस होने पर नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स एक्ट की धारा 138 के अधीन आयोजन चलाने पर पीड़ित की मौत हो जाने पर उसके वैध उत्तराधिकारी न्यायालय में उपस्थित होकर आगे मामले का संचालन कर सकते हैं तथा मरने के बाद व्यक्ति की ओर से उत्तराधिकार के रूप में प्रतिकर भी प्राप्त कर सकते हैं।

☞ **मुदालय की मौत होने पर मुकदमों की स्थिति :-** किसी आपराधिक मामले में मुदालय की भी मृत्यु हो सकती हैद्य भारत में न्यायालय में चलने वाले मुकदमे वर्षो वर्ष तक चलते हैं ऐसी स्थिति में मुदालय भी मर सकते हैं। एक मुदालय के मर जाने से अभियोजन समाप्त नहीं होता है अपितु उसके दोष सिद्धि या दोष मुक्ति अंत तक निर्धारित नहीं होती है। जिस दिन न्यायालय द्वारा मामले में निर्णय लिया जाता है उस दिन ही यह माना जाता है कि वह व्यक्ति दोषी था या नहीं। हालांकि अभियोजन की ओर से किसी भी मुदालय की मृत्यु हो जाने पर एक आवेदन प्रस्तुत कर दिए जाने पर न्यायालय मामले को आगे नहीं चलाती है परंतु अभियुक्त के परिवार जन किसी विशेष मामले में मुदालय को बरी करवाना चाहते हैं तथा मुकदमे को आगे चलाना चाहते हैं तब अभियोजन को पूरा चलाया जा सकता है। अगर किसी अभियोजन में एक से अधिक अभियुक्त हैं तब तो अभियोजन के समाप्त होने का कोई सवाल ही नहीं उठता है जो मुदालय जिंदा है उन पर तो मुकदमा चलाया ही जाएगा। अंत में जिंदा मुदालय दोष सिद्ध पाए जाते हैं तब उन्हें दंडित करने के लिए जेल भी भेजा जा सकता है।

उत्तराधिकार इत्यादि के मामले में हत्या का आरोप लगने पर कोई व्यक्ति को उतराधिकार नहीं मिलता है इसलिए हत्या जैसे मामलों में अभियुक्त के उत्तराधिकारी न्यायालय से यह निवेदन करते हैं कि अभियोजन को पूरा चलाया जाए ताकि इससे यह स्पष्ट हो सके कि मरने वाला अभियुक्त दोषी था या नहीं उत्तराधिकार विधि में यदि कोई व्यक्ति हत्या का दोषी पाया जाता है तब उसे उत्तराधिकार नहीं प्राप्त होता है।

✯ क्या कोई माता-पिता अपने ही बच्चों के अपहरण का दोषी बन सकता है?

हिन्दुओं में सुस्थापित और प्रचलित रूढ़ी के अनुसार कोई विवाहिता नाबालिग लड़की जब तक बालिग नहीं हो जाती है, तब तक यदि वह धर्मज संतान है तो अपने पिता के संरक्षण में रहेगी और यदि वह अधर्मज संतान है तो अपनी माँ की संरक्षकता में रहेगी और यदि दोनो में से कोई एक बिना किसी दूसरे के सहमति के जिनके संरक्षकता में बच्चा है। उक्त बच्चा को ले जाता है तो वह माता या पिता व्यपहरण का अपराधी माना जायेगा और यदि किसी विवाहिता लड़की की आयु 15 वर्ष पूरी हो गई हो तो उसका विधि पूर्ण संरक्षक उसका पति होता है और यदि ऐसी कम उम्र की लड़की का पिता उसके पति के सहमति के बिना उसकी संरक्षकता में से ले जाता है तो, उसे भारतीय दंड संहिता की धारा 361 के अधिन व्यपहरण का अपराध किया माना जायेगा। भले ही उस पिता का आशय ऐसा करने में अपराधिक न रहा हो।

और यदि कोई स्त्री जुडिशियल सिप्रेशन के तहत अपने पति से अलग अपने बच्चे के साथ रह रही हो और ऐसी स्थिति में पिता उस बच्चे को बिना माता के सहमति के ले जाता है तो वह पिता भी अपहरण का दोषी होगा।

मुस्लिम विधि के अनुसार यदि पिता सात वर्ष से कम आयु के किसी पुत्र को अथवा कम उम्र के किसी पुत्री को यदि वह सुन्नी है अथवा सात वर्ष की कम आयु की है। यदि वह सिया है अथवा किसी अधर्मज संतान को उसकी माँ की अभिरक्षा में से ले जाता है तो उसके बारे में यह माना जा सकता है कि उसने अपने ही संतान का व्यपहरण किया है। क्योंकि माँ ही विधिपूर्ण संरक्षक मानी गई है। सुन्नी विधि के अनुसार माँ अपनी पुत्री की संरक्षिका तब तक रहती है, जब तक की वह पुत्री 15 वर्ष की आयु पूरी नहीं कर लेती है।

GSTIN : 10KEPD0123PIZP

उत्तर भारत का COOKIE MAKER, सीवान में पहली बार
आपके लिए लेकर आया है

Cookie का बेहतर श्रृंखला

PRATIK ENTERPRISES

राजपुर (रघुनाथपुर) में अत्याधुनिक मशीनों द्वारा रस्क, बिस्कुट, बर्गर, मीठा ब्रेड, वंद, क्रीम रोल, पेटीज और बर्ड डे केक, पार्टी केक ग्राहकों के मनपसंद तैयार किया जाता है।

शुद्धता एवं स्वाद की 100% गारंटी

किसी भी अवसर पर
एक बार सेवा का मौका अवश्य दें।

प्रतीक फुड कंपनी

प्रतीक इंटरप्राइजेज, प्रतीक पतंजलि
राजपुर, रघुनाथपुर, सीवान (बिहार)

-: सौजन्य से :-

ब्रजेश कुमार दुबे

Mob.-9065583882, 9801380138

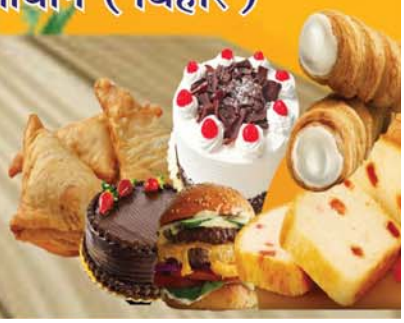

WESTERLIN DRUGS PVT. LTD.
(Serving nation since 1990)

WESTOCITRON
WESTOCLAV
WESTOFERON
WESTOPLEX
QNEMIC

AOJ
AZIWEST
DAULER
MUCULENT
AOJ-D
BESTARYL-M
GAS-40
MUCULENT-D

SEVIPROT
WESTOMOL
WESTO ENZYME
ZEBRIL

WESTERLIN DRUGS PVT. LTD.
Dispersing Happiness

WESTERLIN DRUGS PVT. LTD.
Industrial area, Fatuha-803201
E-mail- westerlindrugsprivatelimited@gmail.com
Phone No.:0162-3500233/2950008